हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

08 मार्च, 2018

खण्ड–1, अंक–04

अधिकृत विवरण

विषय सूची

वीरवार 08 मार्च, 2018 (प्रथम बैठक)

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	4
हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनन्दन	20
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	20
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	31
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	39
इन्द्री ब्लॉक, करनाल जिले के सरपंचों का अभिनन्दन	47
ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं	47
विभिन्न मामले उठाना	49
महेन्द्रगढ़ के नगर पार्षदों का अभिनन्दन	57
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचना	57
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी महिलाओं/कन्याओं को बधाई	57
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा पुनरारम्भ	59

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनन्दन	65
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	65
बैठक का समय बढ़ाना	122
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	122
मीडिया कर्मियों के लिए सूचना	125
जुलाना निर्वाचन क्षेत्र में किसानों की अधिगृहीत की गई भूमि के लिए कम मुआवजे देने से संबंधित श्री परमेन्द्र सिंह ढुल द्वारा दिए गए पत्र से संबंधित सूचना	125

हरियाणा विधान सभा

वीरवार 08 मार्च, 2018 (प्रथम बैठक)

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 10.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री कंवर पाल) ने अध्यक्षता की।

.....

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब प्रश्न काल शुरू होता है।

To open A Government College for Women

***2430. Shri Udai Bhan :** Will the Education Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Government College for women in any village of Sub-Division Hodal of Hodal Constituency; if so, the details thereof?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : श्रीमान जी, होडल उप मण्डल अथवा होडल निर्वाचन क्षेत्र के किसी गांव में राजकीय महिला महाविद्यालय खोलने का कोई प्रस्वात नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी श्री उदयभान जी ने पूछा है कि होडल में तहसील लैवल पर या सब–डिविजन लैवल पर क्या कोई गर्ल्ज कॉलेज खोलने का सरकार का प्रस्ताव है। इस बारे में विभाग का जवाब चाहे कोई भी हो लेकिन उदयभान जी हमारे प्रिय साथी हैं और इनके पिता जी चौधरी गया लाल जी भी हमारे साथ रहे हैं। उदयभान जी भी कई बार विधायक बनकर आये हैं और होडल सब–डिविजन में माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा भी है इसलिए हम हसनपुर में अवश्य ही गर्ल्ज कॉलेज खोलेंगे।

श्री उदयभानः अध्यक्ष महोदय, 9 अक्तूबर, 2016 को माननीय मुख्यमंत्री जी ने हसनपुर में गर्ल्ज कॉलेज खोलने की घोषणा की थी जिसका नं. 15177 है लेकिन हसनपुर में इस कॉलेज के लिए जगह नहीं मिल सकी। उसके बाद खामी गांव में कॉलेज खोलने की बात आई थी लेकिन अब वहां पर भी जमीन उपलब्ध नहीं हो सकी। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या इसके लिए कहीं पर जमीन एक्वायर की जायेगी या कोई दूसरा विकल्प चुना जायेगा? इस बारे में मंत्री जी स्पष्ट जवाब दें।

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी श्री उदयभान जी को स्पष्ट जवाब देना चाहता हूं कि सरकार ने होडल सब–डिविजन में गर्ल्ज कॉलेज खोलने का निर्णय ले लिया है और वह हम जरूर बनायेंगे। आप सभी जानते हैं कि मुख्यमंत्री जी 90 के 90 विधान सभा क्षेत्रों का दौरा करके आये थे। श्री मनोहर लाल जी पहले मुख्यमंत्री हैं जो सभी 90 विधान सभा क्षेत्रों का दौरा करके आये हैं। मैं डॉ. कादियान जी को बताना चाहूंगा कि वे बेरी विधान सभा क्षेत्र में तो दो बार

गये थे और किलोई में भी गये थे। मेरी साथी उदयभान जी से रिक्वैस्ट है कि वह आपका विधान सभा क्षेत्र है इसलिए जमीन उपलब्ध करवाने के लिए आप सरकार की मदद करें। जितनी जल्दी जमीन उपलब्ध हो जायेगी उसी रफ्तार से काम शुरू हो जायेगा।

श्री उदयभानः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि अब प्रैक्टिकल बात पर आ जायें। खामी की जमीन पर कोर्ट में डिस्प्यूट आ गया था इसलिए न तो खामी में यह कॉलेज बन सकता है और न ही हसनपुर में बन सकता है। अब मैं बताना चाहता हूं कि खामी के पास में ही पिंगोड़ गांव में जमीन उपलब्ध है जो कि पलवल और हथीन का सैन्टर है और मेरे विधान सभा क्षेत्र का भी सैन्टर है जिसके साथ हथीन और पलवल विधान सभा क्षेत्र के भी के कई गांव जुड़ जायेंगे। वह एस.सी., बी.सी. का गांव है तथा उसकी आबादी 8–10 हजार की है। वहां पर 19 एकड़ जमीन उपलब्ध है जोकि सड़क के साथ लगती है और दूसरी जमीन मित्रोल गांव में है जहां पिछली सरकार ने गर्ल्स कॉलेज मंजूर किया था । इस सरकार ने आते ही उन सारी डिमांड्स को रिजैक्ट कर दिया । हम चाहते हैं कि यह कॉलेज चाहे पिंगोड़ में हो जाए या मित्रोल में हो जाए या औरंगाबाद में हो जाए या लिखी में हो जाए । मंत्री जी, हम आपको चार गांव का ऑप्शन दे रहे हैं इनमें से कहीं भी गर्ल्स कॉलेज बनवा दीजिये । इन चारों ही गांवों में जमीन उपलब्ध है । इनमें से जो जमीन सबसे सैंटर में पड़ती है वह पिंगोड़ है जो खांमी से केवल दो किलोमीटर दूरी पर पड़ता है इसलिए इस गर्ल्स कॉलेज को पिंगोड़ में बनाया जाए । इसके लिए जो भी फॉरमैलिटीज होंगी वह सभी पूरी कर दी जाएंगी । क्या मंत्री जी इसको पिंगोड़ में बनाने की घोषणा करेंगे ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय उदय भान जी को मैंने पहले भी कहा था कि खांमी बड़ा गांव है जिसमें लगभग 10 हजार वोट हैं और वह यमुना नदी के किनारे पर बसा हुआ है । मैं उदय भान जी से फिर से निवेदन करता हूं कि इन्होंने तो अपने इलाके के चार गांवों के नाम गिनाए हैं लेकिन इसमें एक सुखद बात यह है कि बल्लभगढ़ के हर गांव में और वैसे तो पूरे हरियाणा के 6745 गांवों में हम कभी न कभी आते–जाते रहते हैं । उदयभान जी और हम दोनों पुराने सदस्य भी हैं और कई गांवों में तो हम दोनों साथ में ही गये हैं । इसलिए मैं उनसे दरख्वास्त करूंगा कि वह वहां पर जमीन उपलब्ध करवाएं । ये जितनी जल्दी जमीन उपलब्ध करवाएंगे उतनी ही जल्दी हम युद्ध स्तर पर इस काम को करेंगे ।

उदय भान जी अगर आप इस काम में तत्परता दिखाएंगे तो यह सरकार तो काम करने वाली सरकार है । स्पीकर सर, आज अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस है और 10 फरवरी को माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक साथ 22 महिला महाविद्यालय खोलने का निर्णय लिया है । आज 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का दिन है और आज मुख्यमंत्री जी जुंडला गांव में जा रहे हैं । उदय भान जी आपको मैं इस महान सदन में आश्वासन दे रहा हूं कि आप एक सप्ताह में जमीन उपलब्ध करवाईये और हमें प्रस्ताव दीजिए । हम उस पर 15 दिन के अन्दर काम शुरू करवा देंगे ।

श्री उदय भान : अध्यक्ष महोदय, हम अगले सप्ताह में पंचायत के सारे प्रस्ताव मंत्री जी के पास भेज देंगे । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जसविन्द्र जी, आपका प्रश्न लग चुका है । आप कल आए नहीं थे । उस पर मंत्री जी ने बड़ा क्लीयर जवाब भी दे दिया है और उस पर डिस्कशन भी हो चुकी है ।

श्री हरविन्द्र कल्याण : अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी से मैं भी एक आग्रह करना चाहूंगा कि मेरा घरौंडा विधान सभा जो जी.टी.रोड़ के ऊपर है । वहां पर महिला कॉलेज की मांग बहुत पुरानी है और आज अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस भी है तो मेरा अनुरोध है कि ऐसी एक सौगात घरौंडा को भी दे दीजिये । घरौंडा पिछले साल सब डिविजन भी बन चुका है, इसलिए वहां पर महिला कॉलेज की बहुत आवश्यकता है ।

डॉ. पवन सैनी : अध्यक्ष महोदय, आज अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस है इसलिए मैं सभी देश और प्रदेश की माताओं–बहनों को एक को छोड़कर वैसे तो वह भी महिला है, इस महिला दिवस की बहुत–बहुत बधाई देता हूं, और शुभ कामनाएं देता हूं । जिस प्रकार से हमारी सरकार 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की ओर ध्यान दे रही है उसी को देखते हुए मेरे विधान सभा क्षेत्र के तीनों ब्लॉकों में एक भी महिला महाविद्यालय नहीं है । मैं मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि लाडवा विधान सभा क्षेत्र में भी बेटियों के लिए एक महिला महाविद्यालय खोलने की कृप्या करें ।

श्री परमेन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, 23 मई 2016 को मुख्यमंत्री जी जुलाना में गये थे और वहां पर यह घोषणा करके आए थे कि जुलाना में एक महिला महाविद्यालय खोला जाएगा । वह घोषणा आज तक इम्प्लीमैंट नहीं हुई है। इसके अलावा मैंने बार–बार आपके ध्यान में लाया है कि निडाना गांव में भगत फूल सिंह

यूनिवर्सिटी को हमने 6 एकड़ जमीन मुफ्त में दी हुई है । वहां पर यूनिवर्सिटी बन गई है अगर जुलाना में नही ंतो निडाना में ही जो 6 एकड़ जमीन यूनिवर्सिटी के नाम दी हुई है उसमें ही उस यूनिवर्सिटी का सब सैंटर बनाया जाए जिसमें लड़कियां एजुकेशन ले सकें । गांव ने बहुत लम्बे समय से इसके लिए जमीन दी हुई है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के गांव मण्डकौला में एक राजकीय महिला महाविद्यालय खोलने की घोषणा की गई थी। इस पर सुचारू रूप से काम भी होता रहा लेकिन जब इस महाविद्यालय की ओपनिंग हुई तो इसको को–एजुकेशन महाविद्यालय के रूप में तब्दील कर दिया गया। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार मेरे हल्के के गांव स्वामिका में स्थित महाविद्यालय को भी को–एजुकेशन महाविद्यालय के रूप में तब्दील कर दिया गया है। अतः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि मेरे हल्के के इन दोनों महाविद्यालयों को महिला महाविद्यालय बनाया जाये। अध्यक्ष महोदय, मुझे पूरी आशा और उम्मीद है कि माननीय मंत्री जी मेरी डिमांड पर जरूर गौर फरमायेंगे और निश्चित रूप से सरकार का यह कदम हमारे क्षेत्र की बेटियों को अपनी आगे की पढ़ाई जारी रखने में बहुत सहायक सिद्ध होगा।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मेरा निर्वाचन क्षेत्र बेरी माता भीमेश्वरी देवी की धरती है। एक बार माननीय शिक्षा मंत्री जी वहां पर गए थे और एक महाविद्यालय की घोषणा करके आये थे लेकिन इस महाविद्यालय पर अब तक किसी प्रकार का कोई भी काम शुरू नहीं हो सका है। अतः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस महाविद्यालय का काम कब तक शुरू हो जायेगा। इस प्रश्न के साथ मैं एक दूसरा प्रश्न भी पूछना चाहता हूँ। मेरे पास यह 28 फरवरी को जारी किया गया एक आर्डिनेंस है यानि the Haryana State Higher Education Council Ordinance, 2018 अध्यक्ष महोदय, हाउस की समनिंग के बाद जो यह आर्डिनेंस सरकार के द्वारा लाया गया है, ऐसी कौन सी मजबूरियां थी या ऐसी कौन सी जरूरत आन पड़ी थी कि सरकार को हाऊस की समनिंग होने के बाद यह आर्डिनेंस लाना पड़ा। अध्यक्ष महोदय, यह लोकतंत्र की मर्यादाओं के खिलाफ की गई कार्रवाई है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कादियान जी, अभी प्रश्न काल है, इस तरह की बातों को आप बाद में उठा लेना। पिरथी जी भी शायद कोई महाविद्यालय खुलवाने की बात कहना चाह

रहे हैं, उन्हें भी अपनी बात रख लेने दें। मैं आप सबको अपनी बात रखने का पूरा मौका दूंगा।

श्री पिरथी सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी से निवेदन करता हूँ कि मेरे नरवाना हल्के में एक कन्या महाविद्यालय खोला जाये। अभी पीछे मेरे पास एक पत्र आया था जिसमें पूछा गया था कि क्या नरवाना में कन्या महाविद्यालय खोलने के लिए जगह उपलब्ध है। मैंने इस पत्र का जवाब दे दिया है कि यहां पर बहुत ज्यादा जगह उपलब्ध है। अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र की 1500–1600 लड़कियां प्राईवेट संस्थानों व दूर दराज के शिक्षण संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करने के लिए जाती है। अतः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि मंत्री जी आज पूरे सदन के सामने नरवाना में कन्या महाविद्यालय खोलने की मेरी डिमांड को मंजूर करे।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। आज के इस शुभ अवसर पर मैं सदन के समक्ष बताना चाहूंगा कि हमें, हमारी सरकार की परफोरमेंस पर बहुत ही संतोष का अनुभव हो रहा है। अभी सदन में हमारे कईं साथियों ने महाविद्यालय खोलने के संबंध में डिमांड रखी थी। इस संदर्भ में मैं बताना चाहूंगा कि जैसाकि हमारे हैफेड के चेयरमैन माननीय हरविन्द्र कल्याण जी ने जो घरौंडा में कन्या महाविद्यालय खोलने की डिमांड रखी है, वह सरकार के विचाराधीन है। डॉ. रघुवीर सिंह कादियान ने बेरी में महाविद्यालय के बारे में बात की है, बेरी में महाविद्यालय खोलने की हमारी सरकारी की अनाउंसमेंट है। चौधरी केहर सिंह ने तो स्वयं उनके क्षेत्र में महाविद्यालय खोलने की बात पर अपनी मुहर लगा ही दी है बस उनकी थोड़ी सी चिंता यह है कि इनके क्षेत्र में स्थित महाविद्यालयों को को–एजुकेशन की बजाय कन्या महाविद्यालय बनाया जाये। इसी प्रकार श्री ओम प्रकाश यादव जी और बहन संतोष यादव जी ने भी इनके अपने क्षेत्र में महाविद्यालय खोलने की बात कही है, के संदर्भ में मैं बताना चाहूंगा कि सिहमा और डेरोली अहीर के बीच में एक महाविद्यालय खोला जायेगा। इन सबके अतिरिक्त डॉ. पवन सैनी ने लाडवा में, श्री परमेन्द्रसिंह ढुल ने निदाना में, श्री पिरथी सिंह नम्बरदार ने नरवाना में कन्या महाविद्यालय खोलने की बात कही है। अध्यक्ष महोदय, मैं बड़े आत्म विश्वास के साथ सदन में इन सब माननीय साथियों से कहना चाहता हूँ कि जैसेकि हमारी सरकार ने 22 महाविद्यालय खोलने की घोषणा की हुई

है, के अनुसरण में सभी डिमांड किए गए महाविद्यालयों को शुरू करने की कार्रवाई इसी सत्र से कर दी जायेगी।

.....

Construction of New Bridge

***2293. Sardar Jaswinder Singh Sandhu** : Will the PW (B&R) Minister be pleased to state -

(a) Whether it is a fact that the bridge constructed at the Saraswati Tirath in Pehowa city has been declared unsafe by the department; and

(b) If so, whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new bridge in place of the above said bridge together with the details thereof?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : (क) श्रीमान जी, पुल को यातायात के लिए असुरक्षित घोषित कर दिया गया है। फिर भी, पुल पदयात्रियों के लिए सुरक्षित है ।

(ख) नहीं, श्रीमान जी ।

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इस पुल से आज के दिन कोई वाहन नहीं गुजरता है । इस पुल से 90 मीटर की दूरी पर एक अन्य पुल बना हुआ है जिससे ट्रैफिक और पैदल यात्री भी आते–जाते हैं । माननीय सदस्य ने इस पुल के निर्माण के लिए विधान सभा सत्र में प्रश्न उठाया है । इससे मुझे लगता है कि वहां के निवासियों को इस पुल की आवश्यकता है । हम चैक करवा लेते हैं कि इस पुल की वहां पर कितनी आवश्यकता है, उस पर कितना ट्रैफिक फ्लो है, कितने यात्री उससे आते–जाते हैं इत्यादि । उसकी वायबिलिटी के अनुसार हम पुल के निर्माण पर विचार कर लेंगे ।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने यह माना है कि सरस्वती तीर्थ स्थल पर बना हुआ पुल अनसेफ्ड है । जो पुल अनसेफ्ड है उससे किसी भी समय दुर्घटना हो सकती है । अतः मेरी आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से प्रार्थना है कि इसको पुनर्निर्मित किया जाए क्योंकि इस पुल से पैदल यात्री आते–जाते रहते हैं । सरस्वती नदी के बारे में इस सरकार द्वारा माणसा से लेकर आदिबद्री और राजस्थान तक इसके उपस्थित होने और इसको दोबारा धरती पर लाने का दावा किया जा रहा है । सरस्वती नदी का जिस स्थान पर नाम और तीर्थ धाम है सरकार को वहां के लिए भी कुछ काम करना चाहिए । मेरा कहना है कि

पेहवा में सरस्वती नदी का पुल नवीनतम टैक्नोलॉजी से बनाया जाना चाहिए । वैसे तो अनेक पुल बनते रहते हैं लेकिन उनकी कुछ समय की मियांद होती है और उसके बाद वे दोबारा से बनाये जाते हैं । अतः इस पुल को सरस्वती नदी के तीर्थ के लिहाज से बहुत बढ़िया बनाया जाना चाहिए ताकि वहां पर आने वाले तीर्थ यात्रियों को अहसास हो कि वे एक महान तीर्थ सरस्वती धाम के दर्शन करने आये हैं । अतः माननीय मंत्री जी इस पुल को बनाने का हमें आश्वासन दें । मेरी प्रार्थना है कि सरस्वती धाम हमारी धरोहर है, इसलिए यह पुल बनाया जाना बहुत ज्यादा जरूरी है । अतः माननीय मंत्री जी इस पुल को बनाने पर विचार नहीं बल्कि इसे बनाने का आदेश जारी करें ।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य बड़ी इमोशंज दिखा रहे हैं । इससे पहले प्रश्न पर भी महिला दिवस का हवाला देकर बड़ी भावनात्मक अपील की गई थी । मैं माननीय सदस्य की भावनाओं से पूरी तरह से सहमत हूं लेकिन जीवन सिर्फ भावनाओं से नहीं बल्कि भावनाओं के साथ–साथ व्यवहार्यता से चलता है । अतः हम इस पुल की फिजीबिलिटी चैक करवा लेते हैं । मैं माननीय सदस्य को सदन में यह आश्वासन देता हूं कि अगर इस पुल की वहां आवश्यकता हुई तो सरस्वती नदी की गरिमा के अनुसार वहां पर बहुत ही सुन्दर पुल बनाया जाएगा ।

.....

Status of Cow Sanctuary

***2503. Dr. Kamal Gupta** : Will the Animal Husbandry and Dairying Minister be pleased to state the present status of cow sanctuary in Hisar?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (श्रीमती कविता जैन) : महोदय, गऊ अभ्यारण का काम नगर निगम, हिसार द्वारा 400.00 लाख रूपये की लागत से 25 एकड़ भूमि पर गांव ढंढूर में कार्यान्वित किया जार हा है और यह कार्य नवम्बर, 2018 तक पूर्ण किया जाएगा।

डॉ. कमल गुप्ता : अध्यक्ष जी, मेरा निवेदन है कि शहरों में अनेक वर्षों से सड़कों पर पशु खुले घूम रहे हैं । हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने दिसम्बर, 2014 में गौ अभ्यारण्य बनाने की घोषणा की थी । मैं माननीय मंत्री महोदया से पूछना चाहता हूं कि सड़कों पर कब तक पशु खुले घूमते रहेंगे और हमारे शहरों की सड़कें कब तक पशुमुक्त हो पाएंगी । माननीय मुख्य मंत्री जी को इसकी घोषणा किये हुए काफी समय हो चुका है । गौ अभ्यारण्य बनने के बाद पशुओं को वहां पर इकट्टा भी

करना है । अतः माननीय मंत्री महोदया हमें डिटेल में बतायें कि यह काम कब तक पूर्ण हो जाएगा ।

श्रीमती कविता जैन : अध्यक्ष जी, हमारे सम्मानित साथी ने सदन में एक बहुत ही जनहित का सवाल उठाया है । मैं समझती हूं कि बेजुबान प्राणियों की जरूरतें हर कोई नहीं समझ पाता । मैं माननीय सदस्य को पशुओं के हित से जुड़ा हुआ सवाल पूछने के लिए बधाई देती हूं और इसके साथ–साथ मैं सदन को बताना चाहती हूँ कि हमारी सरकार ही 'गौ संरक्षण और गौ संवर्धन' बिल लेकर आई थी। गउओं को पालने और संभालने का काम भी हमारी सरकार कर रही है। हिसार में माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने एक घोषणा की थी और निश्चित रूप से उसी घोषणा पर आगे बढ़ते हुए राजकीय पशुधन फार्म, हिसार ने नगर निगम, हिसार को 50 एकड़ जमीन 33 साल के लिए ढंढूर गांव में एक रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से प्रति वर्ष के लिए पट्टे पर गौ अभ्यारण्य के लिए दी हुई है। अध्यक्ष महोदय, जैसे मैंने सदन को बताया कि हिसार में गौ अभ्यारण्य के लिए 25 एकड़ जमीन परपोज्ड है। इसके लिए काम शुरू किया जा चुका है। गौ सेवा आयोग के द्वारा 4 करोड़ रूपये की राशि भी जारी की जा चुकी है। इसकी प्रशासनिक स्वीकृति भी शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा दिनांक 3.02.2017 को दी जा चुकी है। इसके साथ–साथ तकनीकी स्वीकृति भी कार्यालय के द्वारा दिनांक 21 फरवरी, 2018 को प्रदान की जा चुकी है। इसका काम एक एजेंसी को दे दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को आश्वस्त करती हूँ कि यह काम दिनांक 28.02.2018 को आबंटित कर दिया गया था और नवम्बर, 2018 तक कार्य पूरा कर दिया जायेगा। इसके अलावा जो बाकी 25 एकड़ भूमि है उसमें से 12.5 एकड़ भूमि पर नंदीशाला का निर्माण किया गया है जो हरियाणा सरकार द्वारा दिनांक 01.12.2017 को पंजीकृत भी किया जा चुका है। इस नंदीशाला के निर्माण पर लगभग 1 करोड़ रूपये की राशि का व्यय जिला योजना, एम.पी. लैड योजना व पशुधन विभाग द्वारा जारी धनराशि से किया गया था। अध्यक्ष महोदय, एक सबसे बड़ी खास बात यह है कि इस नंदीशाला के निर्माण के लिए कर्मचारियों ने अपने वेतन में से भी सहयोग किया था। इन सभी के सहयोग से इस नंदीशाला का निर्माण किया गया था। अध्यक्ष महोदय, बाकी 12.5 एकड़ भूमि पशुओं के चारे के लिए उपयोग की जायेगी ताकि पशुओं के चारे की व्यवस्था भी बराबर बनी रहे। यह बहुत ही गंभीर मुद्दा था। निश्चित रूप से यह जो काम है हमेशा से ही समाज के लोग करते आए हैं।

अध्यक्ष महोदय, पहली बार प्रदेश में ऐसी सरकार बनी है जिसने सरकारी स्तर पर इस अभियान को आगे बढ़ाया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस संबंध में कुछ अन्य जानकारियां भी सदन को देना चाहती हूँ। इस विषय को आगे बढ़ाते हुए एम.सी. पंचकूला के सुखदर्शनपुर गांव के अंदर 12 एकड़ भूमि पर गौशाल खोलने की शुरूआत की गई है। इस गौशाला पर भी लगभग 2.5 करोड़ रूपये की राशि खर्च होगी और काम की शुरूआत के लिए 62 लाख रूपये की राशि जारी कर दी गई है। अध्यक्ष महोदय, इस गौशाला के पास गोबर गैस का प्लांट भी लगाया जायेगा तथा कुछ एकड़ भूमि में पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था की जायेगी। इसके लिए कुछ एन.जी.ओज. का भी सहयोग लिया जायेगा। इसी तरह से एम.सी. सोनीपत में भी दो नंदीशालाओं का निर्माण करवाया गया है। एक नंदीशाला हरसाना गांव में जो 2.5 एकड़ भूमि पर बनी है। जिसमें 800 गायों को रखने की क्षमता है और इसमें अब 700 के करीब गायें हैं। 50 रूपये प्रति गाय के हिसाब से वहां पर खर्चा किया जा रहा है। सोनीपत के कमासपुर गांव के अंदर 16.75 एकड़ भूमि पर लगभग 2 करोड़ रूपये की लागत से नंदीशाला का निर्माण किया गया है। जहां पर 1200 पशु रिहैबीलिटेड किए गए हैं। 40 रूपये प्रति पशु के हिसाब से वहां पर खर्चा किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, साथ में चारे की व्यवस्था सरकार के द्वारा और कुछ सामाजिक संस्थाओं के द्वारा भी की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से एम.सी. जीन्द में 3500 पशु हैं, जिसकी व्यवस्था भी सरकार के द्वारा की जा रही है। हांसी के अंदर भी 3 एकड़ भूमि में नंदीशाला बनी है, उसकी व्यवस्था भी सरकार के द्वारा की जा रही है। गोहाना के अंदर दो जगहों पर नंदीशाला का निर्माण किया गया है। रोहतक रोड़, गोहाना के पास नंदीशाला में 500 आवारा पशुओं को रिहैबीलिटेड किया गया है। ठसका गांव की नंदीशाला में 400 आवारा पशुओं को रिहैबीलिटेड किया गया है। अध्यक्ष महोदय, इसमें सदन को बताने वाली बात यह है कि अभी तक ये नंदीशालाएं समाज सेवी संस्थाओं के द्वारा चल रही थी और अब हमारी नगर परिषद् व नगर पालिका ने टैंडर फ्लोट किए हैं कि कोई भी एन.जी.ओज. व समाज सेवी संस्था इसमें आकर अपना सहयोग दे सकती है। अध्यक्ष महोदय, यह हमेशा से ही सामाजिक कार्य रहा है। कोई भी सामाजिक कार्य बिना समाज की भागीदारी से पूरा नहीं हो सकता । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के माननीय सदस्यों तथा प्रदेश की जनता से यह अनुरोध कहना चाहती हूं कि गऊओं की सेवा करना हमारी परम्परा रहीं है और

हमारे समाज में गऊओं को माता के बराबर दर्जा दिया गया है। हमारे देश में यह परम्परा रही है कि घरों में सबसे पहली रोटी गऊ माता के नाम से निकाली जाती है। हमें इस परम्परा को आगे बढ़ाना चाहिए ताकि सही मायनों में गऊओं की सेवा के लिए सरकार ने जो कदम बढ़ाया है, उसको पूरा कर सकें।

डॉ. कमल गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीया मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि क्या गौ अभ्यारणों में पशुओं के अस्पताल के लिए कोई योजना है ?

श्रीमती कविता जैनः अध्यक्ष महोदय, पशुओं के अभ्यारण में निश्चित रूप से इस विषय में लगातार समस्याएं आती रहती हैं और जिस समय पशुओं को रिहैबिलिटेट किया जाता है उस समय संबंधित पशुओं की हालत बहुत खराब होती है। एक महिला होने के नाते यह देखकर मुझे बहुत पीड़ा होती है। हमारे माननीय मंत्री जी बैठे हुए हैं मैं उनसे अनुरोध करना चाहूंगी कि इन गऊ अभ्यारणों में वैटरनिटी डाक्टरों की व्यवस्था करवाएं ताकि पशुओं की रिहैबिलिटेशन का कार्य सुचारू रूप से चल सके और समय पर दवाई देकर बीमार पशुओं को बचाया जा सके।

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, सरकार गऊओं की रक्षा के लिए काम कर रही है यह बहुत अच्छी बात है लेकिन मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि सरकार का प्रदेश को स्ट्रे कैटल फ्री बनाने का अभियान फेल हो गया है। सरकार के एक माननीय विधायक ने यह बात कही है कि प्रदेश स्ट्रे कैटल फ्री नहीं हुआ है इसलिए सरकार का यह प्रोग्राम फेल हो चुका है। दूसरी बात यह है कि सरकार ने जो गऊशालाएं बनायी हैं उन गऊशालाओं में पिछले 6 महीने से बहुत से गऊ वंशों की डैथ हुई है। हमारे माननीय मंत्री श्री ओम प्रकाश धनखड़ जी तो गऊओं के बहुत बड़े जानकार हैं। खेड़का गुजर गांव की गऊशाला में रोजाना लगभग 5–6 गायों की मौत हो जाती है और कुते उन मृत गायों के मांस को खा रहे होते हैं। मैं ये बातें रिपोर्ट के आधार पर बता रहा हूं। इसके अतिरिक्त ठसका गांव की गऊशाला में लगभग 150 गायों की मौत हो चुकी है। सरकार इस बारे में कुछ नहीं कर रही है इसी प्रकार से इन गऊशालाओं में पीने का पानी, दवाईंया तथा दूसरी जरूरी व्यवस्थाएं भी नहीं हैं। क्या कारण था कि इतनी गायों की मौत हो गयी ? अगर सरकार द्वारा पहले से ही प्रबंध किया जाता तो इतनी गायों की मौत न होती और वैसे भी पहले इतनी संख्या में गायों की मौतें नहीं हुई थी।

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, सरकार कह रही है कि हमारे रोडज स्ट्रे कैटल फ्री हो गये हैं, लेकिन पिछले 4 महीने में मेरी गाड़ी 2 बार गायों से टकरा चुकी है। मेरे पास पेपर में मीडिया की भी रिपोर्ट हैं । (विघ्न)

श्री अध्यक्षः जगबीर सिंह जी, प्लीज आप बैठ जाईये। (विघ्न) गंगवा जी प्लीज आप भी बैठ जाएं । (विघ्न) अगर आपने निर्णय कर लिया है कि प्रश्नकाल में 4 ही क्वैश्चन पूछने हैं तो इसमें मुझे कोई आपति नहीं है। यह आपकी प्रॉब्लम है। आपके क्वैश्चन लगे हुए है। अगर आप सरकार से क्वैश्चन पूछना चाहते हैं तो आप संयम रखें।

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, आप तो हाउस के कस्टोडियन हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी ने मुझे कल आंखें दिखायी थी। उन्होंने मुझे क्यों आखें दिखाई है ? यह बात सारे अखबारों में भी छपी हुई है। क्या माननीय मुख्य मंत्री जी आंख दिखाकर मुझे डराना चाहते हैं ? माननीय मुख्य मंत्री जी को ऐसा नहीं करना चाहिए। माननीय सदस्यों को आंख दिखाने की बजाय उनको काम करना चाहिए।

श्री अध्यक्षः कुलदीप शर्मा जी, आप कह रहे हैं कि आपको आंखे दिखायी गयी हैं यह बात अखबारों में छपी हुई है, लेकिन आपको पता ही नहीं है। अखबार वालों ने बताया है कि आपको आंखे दिखायी गयी है। (विघ्न) जगबीर सिंह जी यह आपका प्रश्न नहीं है और आपने तो केवल सप्लीमैंट्री प्रश्न पूछना था, लेकिन आपने तो इस प्रश्न से भी आगे पूछ लिया है। जगबीर जी अब आपने बहुत सवाल पूछ लिए हैं। इसलिए कृपा आप बैठ जाएं।

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, एक गाय को पकड़ने के लिए लगभग 900 रूपये का ठेका है। (विघ्न) इसमें भी गाय पकड़ने के नाम पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। मेरा आपसे निवेदन है कि इस मामले की जांच करवायी जाए। गांय के नाम से भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

श्री अध्यक्षः जगबीर जी, आपकी बात पूरी हो चुकी है। कृपा आप बैठ जाएं।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि मेरी आंखों में इन्फैक्शन हो गया था, उसके बाद मैंने डॉक्टर साहब से इसी हाउस में दवाई भी डलवाई थी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि माननीय सदस्यों के सवाल बिल्कुल जैन्युन हैं। अध्यक्ष महोदय, जैसा अभी मेरे माननीय सदस्य श्री कुलदीप शर्मा जी ने कहा है कि इनकी गाड़ी के सामने सांड आ जाते हैं।

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि मैं सड़कों पर आता–जाता रहता हूं, इसलिए ही मेरी गाड़ी के सामने सांड आ जाते हैं, इसमें कौन–सी बड़ी बात है। (हंसी)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ः अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी कहा था कि हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, मेरा कहने का मतलब यह है कि मंत्री जी को इस बात को सीरियसली लेना चाहिए था कि किसी विधायक की गाड़ी से दोबारा सांड टकराया है और गाड़ी वर्क–शॉप में गई है। (हंसी)

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से पूछना चाहूंगा कि सांड ने इनको टक्कर मारा है या इन्होंने सांड को टक्कर मारा है? (हंसी)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि सांड सड़कों पर घूम रहे हैं, उसकी चिंता सरकार को करनी चाहिए। (विघ्न)

श्री कृष्ण लाल पंवारः अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय सदस्य श्री कुलदीप शर्मा जी कह रहे हैं (विघ्न)

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को बताना चाहूंगा कि सांड का नाम ***** के साथ जोड़ रखा है।

श्री रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मैं भी इस बारे में अपनी बात रखना चाहूंगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कादियान जी, कृपया आप बैठ जाएं।

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन है दलाल साहब ने जो शब्द कहे हैं उन्हें कार्यवाहीं से निकलवा दिया जाए।

श्री अध्यक्षः ठीक है, इन शब्दों को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री कृष्ण लाल पंवारः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि अभी हमारे माननीय सदस्य श्री कुलदीप शर्मा जी ने कहा है कि इनकी गाड़ी के सामने बार–बार सांड आ जाते हैं। मैं ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर होने के कारण इस बात का ध्यान रखूंगा लेकिन अगर इनकी गाड़ी की स्पीड ज्यादा होगी तो मैं इनका चालान भी करवाऊंगा।

***चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।**

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी मेरा चालान करने की बात कर रहे हैं। मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि मैं तो रोज सड़क पर गाड़ी चलाता हूं, तो फिर ये मेरी गाड़ी का चालान करवाएं।

श्री कृष्ण लाल पंवारः अध्यक्ष महोदय, अगर ये स्पीड में गाड़ी चलाएंगे तो मैं इनकी गाड़ी का चालान जरूर करवाऊंगा।

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य श्री कुलदीप शर्मा जी को बताना चाहूंगा कि ये अतीत में इस महान कुर्सी पर बैठ चुके हैं और इनको संसदीय परम्पराओं का ज्ञान है। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की भाषा के लिए मैं उनसे कतई उम्मीद नहीं करता हूं। हम लोग तो पहली बार चुनकर इस महान सदन में आए हैं। अध्यक्ष महोदय, उनका इस प्रकार की भाषा का प्रयोग करना और अंगुली और आंख दिखाकर बात करना, कोई अच्छी बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि आप माननीय सदस्य को इस बात से अवगत कराएं कि ये इस सदन में इस प्रकार के शब्द न बोलें और सदन की मर्यादा न तोड़ें।

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने कहा है कि ये मेरा चालान करवाएंगे, इन्हें लगता है कि मैं डर गया हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि सबसे पहले ये अपना वजन कम करें।(शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण लाल पंवारः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि मेरा 30 सालों से लगातार यही वजन रहा है और मैं इसी वजन के साथ लगातार विधान सभा में आ रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि ये पता नहीं क्या खा रहे हैं कि इनका वजन बढ़ता जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. पवन सैनीः अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में कुछ कहना चाहता हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः पवन सैनी जी, आप बैठ जाएं। कृपया आप सब लोग हाउस को चलने दें, यह सदन चुटकुलों के लिए नहीं है, बल्कि यहां जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा जनता की बात रखी जाती है।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि कई बार गरिमापूर्ण सदन व्यंग्यात्मक वातावरण में चला जाता है, जिसकी उम्मीद हमें बहुत से माननीय सदस्यों से नहीं होती है। अध्यक्ष महोदय, सदन में बहुत ही

गंभीर बात चल रही थी और माननीय सदस्यों ने बहुत ही गंभीर तरीके से मुद्दे को उठाया, जिसके लिए मैं माननीय सदस्यों का स्वागत करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं बहन श्रीमती कविता जैन जी को बधाई देता है कि उन्होंने सवालों का शानदार जवाब इस सदन में दिया है। अध्यक्ष महोदय, बेसहारा पशुओं और हमारी जो नंदी की परम्परा है, हमें उसके लिए थोड़ा अच्छे शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हम एक तरफ गौ–माता की बात करते हैं और दूसरी तरफ इस प्रकार के शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। अध्यक्ष महोदय, हम गौ–माता को जितना आदर देते हैं और उनके लिए बेहतर शब्दावली का प्रयोग करते हैं, मैं समझता हूं कि वह आदर हर समय हाउस में हो तो ज्यादा अच्छी बात होगी। अध्यक्ष महोदय, मैं लगातार अपने समाज और अपनी नगरपालिका का आभार व्यक्त करता हूं। अध्यक्ष महोदय, ये दोनों बेसहारा पशुओं के संरक्षण के लिए आगे आए हैं। पंचायतों के पास इतने रिर्सोर्सिज नहीं हैं कि वे बेसहारा पशुओं का प्रबंधन कर सके। अध्यक्ष महोदय, हमारे रोहतक, गुरुग्राम, सोनीपत और हिसार के नगर–निगमों ने बेसहारा पशुओं के प्रबंधन के लिए बहुत ही अच्छा काम किया है। अध्यक्ष महोदय, पंचकुला के नगर निगम ने गौशालाएं बनाई हैं जो हमारी ऐसी लोकल गवर्नमैंट्स हैं उनके पास रिसोर्सिज़ अच्छे हैं और उन्होंने बहुत बेहतरी के साथ इस दिशा में काम करना शुरू किया है जिसकी डिटेल आज बहन कविता जी ने हाउस के सामने रखी है। हमारे प्रदेश में 400 से अधिक गउशालायें हैं जो 3.5 लाख से ज्यादा बेसहारा पशुओं का पोषण करती हैं। इसके अलावा जिन गोशालाओं की चर्चा माननीय सदस्य कर रहे हैं वे सभी गौशालायें समाज और गोभक्तों द्वारा पोषित हैं। गोभक्त भी इस दिशा में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं मैं इसके लिए उनका तहेदिल से धन्यवाद करना चाहता हूं और आभार व्यक्त करना चाहता हूं। जहां जीवन है वहां मृत्यु भी सुनिश्चित है। जहां तक गाय की आयु का सम्बन्ध है गाय की औसत आयु साढ़े 14 से 15 साल होती है। गोहत्या के जो रास्ते थे वे सभी पाप के रास्ते थे और वे इस सदन ने सारे के सारे सर्वसम्मति से बंद किये थे। पूरे सदन का यह प्रयास रहा था कि गउ की असामयिक मृत्यु न हो। मैं इस सदन का गोसंरक्षण और गोसंवर्द्धन विधेयक को सर्वसम्मति से पास करने के लिए आभारी हूं। सरकार के स्तर पर इस बारे में बहुत ही अच्छी व्यवस्था की जा रही है। 20 करोड़ रूपये गोसेवा आयोग के माध्यम से दिया जा रहा है। मैंने अपनी ऐच्छिक निधि में से 5 करोड़ रूपये गोशालाओं को दिया है ताकि प्रदेश में गउशालाओं का

अच्छी प्रकार से प्रबन्धन हो सके। मुझे इस बात की खुशी भी है। मुझे उम्मीद है कि सभी माननीय सदस्य भी जब गोशालाओं में जाते हैं तो उनको दी जाने वाली राशि को हमेशा बढ़ाने का प्रयास करते होंगे। मैं पूरे सदन को बताना चाहूंगा कि आने वाले पांच वर्षों में सरकार की यह योजना है कि कोई भी बेसहारा पशु कहीं भी नहीं होगा। इसके लिए कल वित्त मंत्री जी बजट में बहुत बड़ी धनराशि की अनाउंसमैंट करेंगे। हमारी सरकार इसके लिए एक ऐसी टैक्नालॉजी पर जा रही है जिससे गायों से बछड़ियां ही बछडियां पैदा हों व बछड़े पैदा न हों। हमारी सरकार की पूरी की पूरी कोशिश है कि भविष्य में कोई भी बेसहारा पशु हरियाणा प्रदेश में नहीं होगा। हमारी सरकार इस विषय में बहुत सजग है। हमारी सरकार इस बारे में बहुत ही संवेदनशील होकर कार्य कर रही है। अध्यक्ष जी, जैसा आपने तय कर ही लिया कि हल्की–फुल्की टिप्पणियां हाउस की कार्यवाही में से निकाल दी जायेंगी। मुझे लगता है कि अगर नंदी शब्द का इस्तेमाल किया जाये तो ज्यादा अच्छा रहेगा।

.....

Construction of Auditorium

***2551. Shri Mool Chand Sharma** : Will the Art and Cultural Affairs Minister be pleased to state the time by which the construction work of the auditorium in Ballabhgarh is likely to be completed?.

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (श्रीमती कविता जैन) : अध्यक्ष महोदय, बल्लभगढ़ में सभागार के निर्माण का कार्य नगर निगम, फरीदाबाद द्वारा अपने स्वयं के संसाधनों से किया जा रहा है। 300.00 लाख रूपये की राशि को आज तक खर्च किया गया है और कार्य पूर्ण होने की तिथि नगर निगम के पास धन की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।

श्री मूल चंद शर्मा : अध्यक्ष महोदय जी, इस सभागार का कार्य वर्ष 2015 में शुरू हुआ था। इसके बाद वर्ष 2015, 2016 व 2017 भी चले गये हैं और वर्ष 2018 के भी लगभग तीन महीने जाने को हैं। जब फरीदाबाद नगर निगम के पास इस काम के लिए पैसा नहीं है तो उस स्थिति में विभाग को अपने स्तर पर इस सभागार का निर्माण करवाना चाहिए। फरीदाबाद नगर निगम के पास तो अपने कर्मचारियों को तनख्वाह देने के लिए भी पैसा नहीं है। आर्थिक तंगहाली की स्थिति में होते हुए फरीदाबाद नगर निगम इस सभागार को कैसे पूरा करवा सकता है? फरीदाबाद में

सी.एम. अनाउंसमैंट में ही सारे के सारे काम हुए हैं अगर माननीय मुख्यमंत्री फरीदाबाद नगर निगम को पैसा नहीं देते तो न तो फरीदाबाद में सड़क होती, न ही सीवर की सुविधा होती और न ही कोई दूसरी व्यवस्था ही होती। मेरा मंत्री महोदया से यह कहना है कि निगम के पैसे से इस सभागार के निर्माण का कार्य ऐसे ही है जैसे कि एक प्रसिद्ध कहावत है कि न नौ मन तेल होगा और न ही राधा नाचेगी। कुल मिलाकर मैं यही कहना चाहता हूं कि न तो फरीदाबाद नगर निगम के पास पैसा होगा और न ही इस सभागार का निर्माण होगा। इसमें मेरी यही मांग है कि इस काम को भी सी.एम. अनाउंसमैंट में डालकर इस काम के लिए विभाग की तरफ से आवश्यक धनराशि का बंदोबस्त करवाकर इस सभागार का निर्माण जल्दी से जल्दी करवाया जाये। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि आज महिला दिवस है इसकी मैं सभी बहनों के साथ मंत्री जी को भी बधाई देता हूं। यह सभागार किसी कार्यक्रम विशेष के लिए नहीं होगा बल्कि इसमें सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक सभी प्रकार के प्रोग्राम होंगे। फरीदाबाद के तीनों विधान सभा क्षेत्रों में यही पर सभागार की शुरूआत हुई है। मेरी मंत्री महोदया से पुनः रिक्वैस्ट है कि किसी दूसरे हैड से इस कार्य के लिए धनराशि की व्यवस्था करवाकर इस काम को करवाया जाये। यह काम कब तक पूरा करवाया जायेगा इसकी कोई समय सीमा भी निर्धारित की जाये। सरकार इस सभागार के निर्माण कार्य को 6 महीने या एक साल में पूरा करवा सकती है तो उसके बारे में भी एक स्पष्ट कमिटमैंट सदन के पटल पर दी जाये।

श्रीमती कविता जैन : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सम्मानित साथी को यह बताना चाहूंगी कि नगर निगम फरीदाबाद के सभागार के निर्माण के लिए 797.70 लाख रूपये की प्रशासनिक स्वीकृति स्थानीय निकाय विभाग के पत्र दिनांक 03 फरवरी, 2018 के तहत जारी की जा चुकी है। नगर निगम, फरीदाबाद के द्वारा इस कार्य के लिए कोई फण्ड की व्यवस्था अपने स्तर पर नहीं की गई थी। इस बारे में मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगी कि हमारी जितनी अर्बन लोकल बॉडीज होती हैं वे इंडीपैंडैंट बोडीज होती हैं। वे अपने स्तर पर ही अपनी आय और व्यय का हिसाब–किताब रखती हैं। स्थानीय शहरी निकाय विभाग के द्वारा उनको इसके लिए अथॉरिटी प्रदान की जाती है। विभिन्न योजनाओं के लिए उनको मुख्यालय से धन उपलब्ध करवाया जाता है। सर, इस मामले में नगर निगम, फरीदाबाद द्वारा टैण्डर इंवाईट करने के बाद इस सभागार के निर्माण का काम पत्र

दिनांक 11.07.2014 के तहत आबंटित किया गया। जैसा मैंने पहले भी बताया है कि इस निर्माण कार्य पर तीन करोड़ रूपये की राशि खर्च हो चुकी है। मैं माननीय साथी को यही कहना चाहूंगी कि यह काम फरीदाबाद नगर निगम का अपना कार्य है। वहां से ही प्रस्ताव तैयार होकर आता है। वहां पर पूरी संवैधानिक व्यवस्था है। उनके अपने रेवेन्यू रिसोर्सिज़ हैं। उनके पास अपनी सारी की सारी व्यवस्था है। इस मामले को वहां पर किसी पार्षद द्वारा भी उठाया जा सकता है। वहां की जो कमेटीज़ हैं वे इसका अध्ययन करें कि इस काम को किस प्रकार से पूरा करवाया जा सकता है? अगर उनको इस काम में मुख्यालय से किसी प्रकार की मदद की जरूरत होगी तो वे मुख्यालय के पास प्रस्ताव बनाकर भेजें। उनके प्रस्ताव पर मुख्यालय के स्तर पर विचार कर लिया जायेगा। इसके अलावा हमारे पास राजीव गांधी अर्बन डिवैल्पमैंट मिशन (आर.जी.यू.डी.एम.) एकमात्र ऐसी योजना है जिसके तहत सरकार की ओर से कार्य करवाये जाते हैं और माननीय मुख्यमंत्री जी की जो घोषणायें होती हैं उनको भी पूरा करवाया जाता है। Now, current financial year is about to end इसलिए इस समय हमारे पास कोई अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध नहीं बची हुई है। मेरा माननीय सदस्य से पुनः यह अनुरोध है कि वे नगर निगम, फरीदाबाद के थ्रू ही पहले इस काम को पूरा करवाने की कोशिश करें। मैं माननीय साथी को यह भी कहना चाहूंगी कि वे नगर निगम, फरीदाबाद के रेवेन्यू के रिसोर्सिज़ को बढ़ाने के प्रयास करें। वहां पर जो रेवेन्यू इक्ट्ठा होता है उसको भी सही तरीके से इक्ट्ठा किया जाये। फरीदाबाद नगर निगम बहुत पुराना नगर निगम है माननीय सदस्य को यह कार्य करके वहां पर एक मिसाल कायम करनी चाहिए। यह नगर निगम घाटे में भी नहीं चल रहा है।

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनंदन

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर सर, श्री राम फल चिड़ाना, हरियाणा के भूतपूर्व विधायक आज सदन की कार्यवाही देखने के लिए सदन की वी.आई.पी. गैलरी में मौजूद है। मैं अपनी एवं पूरे सदन की तरफ से उनका अभिनन्दन करता हूं एवं उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

पंडित मूल चंद शर्मा : अध्यक्ष महोदय जी, मंत्री जी ने सारे का सारा ग्राउंड बना दिया है। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि इस सभागार को बनाने के लिए कुल 7 करोड़ रूपये की धनराशि की आवश्यकता है। फरीदाबाद नगर निगम ने आज तक

एक भी काम अपने रेवेन्यू रिसोर्सिज से पूरा नहीं किया है। मैं पुनः यही कहना चाहूंगा कि फरीदाबाद में सभी काम सी.एम. अनाउंसमैंट के तहत हुए हैं। मेरा उनसे यही कहना है कि वे इस काम को भी इसी प्रकार के किसी हैड के तहत धनराशि आबंटित करवाकर करवा दें।

श्रीमती कविता जैन : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य श्री मूल चंद शर्मा जी को यही रिकवैस्ट करना चाहूंगी कि वे माननीय मुख्यमंत्री जी से मिलकर इस कार्य को भी सी.एम. अनाउंसमैंट के तहत करवाने की स्वीकृति जारी करवा लें। उसके बाद हम सी.एम. अनाउंटमैंट में इस काम को कम्पलीट करवा देंगे।

पंडित मूल चंद शर्मा : अध्यक्ष महोदय जी, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया जी से यही कहना चाहूंगा कि वे अपने स्तर पर इस कार्य के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध करवाकर इस कार्य को जितना जल्दी हो सके उतनी जल्दी पूरा करवायें क्योंकि इसमें पहले ही बहुत सा डिले हो चुका है।

श्रीमती सीमा त्रिखा : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से एक बात पूरे सदन के ध्यान में लाना चाहती हूं कि आज 50 साल का हरियाणा जो इतना फल–फूल रहा है उसकी इस उन्नति में बहुत बड़ा योगदान फरीदाबाद का रहा है। मुझे यह बात कहते हुए बड़ा दुख हो रहा है कि वर्ष 2014 से पहले लगभग 15 वर्षों के दौरान जैसे द्रोपदी का चीर हरण हुआ था इस प्रकार से चीर हरण हमारे फरीदाबाद का हो रहा था। आज मैं आपकी उपस्थिति में यह कहना चाहूंगी कि माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जैसे दो कृष्ण हमें भी मिल गये हैं। मैं चाहती हूं कि वर्ष 2014 से पहले लगभग 15 वर्षों के दौरान जो फरीदाबाद विकास के मामले में पूरे प्रदेश से पिछड़ गया था उसको विकास के पथ पर हमारी सरकार पुनः लेकर आई है। बहन कविता के साथ–साथ मेरी पूरे मंत्री मण्डल से रिकवैस्ट है कि फरीदाबाद की तरफ पूरा ध्यान दिया जाये। मैं आदरणीय बहन कविता जैन जी को महिला दिवस की शुभ कामनायें देती हूं और इसके साथ ही साथ उनसे यह रिकवैस्ट भी करती हूं कि वे मेरे भाई मूल चंद शर्मा जी की बात मानकर फरीदाबाद के सभागार का निर्माण जल्दी से जल्दी करवाने की कृपा करें। धन्यवाद।

श्रीमती कविता जैनः अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी विधायक ने एक बहुत बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि फरीदाबाद में हमारी सरकार ने क्या काम किया है। इस समय मेरे पास पूरे आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं लेकिन मैं इनको वे सभी आंकड़े उपलब्ध

करवा दूंगी। मैं ऑन दा फ्लोर ऑफ दा हाउस यह कहना चाहती हूं कि सबसे ज्यादा घोषणाएं माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा फरीदाबाद में की गई हैं और पैसा भी सबसे ज्यादा फरीदाबाद को ट्रांसफर किया गया है। मैं माननीय विधायक श्री मूलचन्द शर्मा जी को कहना चाहती हूं कि आप प्रस्ताव पास करवा कर भेजें हम उसको एप्रूव करवा देंगे।

श्री मूलचन्द शर्माः अध्यक्ष महोदय, मेरी एक सप्लीमैंट्री और है।

श्री अध्यक्षः शर्मा जी, मंत्री जी ने जवाब दे दिया है कि आप मुख्यमंत्री जी से घोषणा करवा कर प्रस्ताव पास करवा कर भेजें आपका काम हो जायेगा। अब आप बैठ जाइये।

.....

Vacant Posts in the Hospital

***2324. Shri Parminder Singh Dhull**: Will the Health Minister be pleased to state -

(a) whether the Government Hospital (CHC) Julana have become fully operational; if so, the details of the facilities which were originally conceptualized to be made available in the Hospital; and

(b) the total number of posts of each category lying vacant in the said Hospital ?

Health Minister (Shri Anil Vij) : (a) & b) Yes, Sir. A statement of facilities and Posts is laid on the Table of the House.

"Statement"

Staff position at Community Health Centre, Julana

Sr. No.	Category	Sanctioned	Filled	Vacant
1	Senior Medical Officer	1	1	0
2	Medical Officer	7	1	6
3	Dental Surgeon	1	0	1
4	Pharmacist	2	2	0
5	Public Health Nurse	1	0	1
6	Staff Nurse	8	6	2
7	Lab Technician (General)	2	1	1
8	Lab Technician (Malaria)	2	2	0
9	Radiographer	1	0	1
10	Nursing Sister	1	0	1

11	Clerk	2	1	1
12	Store Keeper cum Clerk	2	0	2
13	Statistical Clerk/Computer	1	1	0
14	Ophthalmic Assistant	1	1	0
15	Block Extension Educator	1	1	0
16	Operation Theater Assistant	1	0	1
17	Steno	1	0	1
18	Accountant	2	1	1
19	Driver	2	0	2
20	MPHS (Male)	1	1	0
21	MPHS (Female)	1	1	0
22	Class-IV	21	13	7

Detail of Health Services Provided at CHC Julana

Sr. No.	Name of Service	Availability of service Yes/No
1.	Treatment of General Disease	Yes
2.	TB DOTS Programme (New T.B RNTCP)	Yes
3.	Malaria Control	Yes
4.	Eye Disease control	Yes
5.	Dental Treatment	Yes
6.	(102) Referral Transport	Yes
7.	School Health Programme	Yes
8.	24x7 Delivery Services	Yes
9.	RCH Services	Yes
10.	MCH Services	Yes
11.	Immunization and vaccination	Yes
12.	Family Planning Services	Yes
13.	Tub. & Vas. Services	Yes
14.	JSY, JSSK, Ladli Pension etc.	Yes
15.	Birth & Death Registration	Yes
16.	HIV AIDS ICTC Services	Yes
17.	Homeopathic Treatment AYUSH	Yes
18.	Leprosy Control Programme	Yes
19.	Lab- Services- Routine Lab tests	Yes
20.	X-ray machine	No
21.	Operation Theatre	No

श्री परमेन्द्र सिंह ढुलः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी का स्टेटमैंट मैंने पढ़ लिया है और उससे पता चलता है कि जुलाना का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एक एस.एम.ओ. के सहारे चल रहा है जबकि वहां पर 300 से 350 तक ओ.पी.डी. है। इस बारे में मैंने आपसे बार–बार रिक्वैस्ट कर ली है कि पूरे जुलाना क्षेत्र में एक भी लेडी डॉक्टर नहीं है। इस सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधीन दो पी.एच.सीज.

आती हैं । न तो जय–जयवन्ती में और न ही सामलो में कोई लेडी डॉक्टर है। इसके कारण महिलाओं को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जुलाना में 300 की ओ.पी.डी. है। वहां पर एम.ओ. के 6 पद खाली पड़े हुये हैं। मेरी मंत्री जी से रिक्वैस्ट है कि वहां पर लेडी डॉक्टर की नियुक्ति यथाशीघ्र की जाये। हमने इस बारे में स्वास्थ्य विभाग से भी बात की थी उन्होंने कहा था कि एक महीने में एल. एम.ओ. भेज देंगे लेकिन अभी तक नहीं भेजा गया है। दूसरी बात आपकी स्टेटमैंट में लिखा हुआ है डैंटल सर्जन है लेकिन वहां पर डैंटल चेयर उपलब्ध नहीं है। वहां पर एक्स–रे मशीन भी नहीं है। इसमें लिखा हुआ है कि आपरेशन थियेटर नहीं है जबकि वहां पर एक बहुत अच्छा आपरेशन थियेटर मौजूद है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि वह आपरेशन थियेटर कब तक वर्किंग ऑर्डर में आ जायेगा ताकि वहां पर आपरेशन हो सकें?

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, माननीय विधायक श्री ढुल साहब की बात ठीक है कि वहां पर मेडिकल ऑफिसर की 7 पोस्ट सैंक्शन हैं और एक पोस्ट भरी हुई है। हमने 544 डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र जारी किये थे जिसमें से 387 ज्वाइन कर गये हैं और वेटिंग लिस्ट में से कल रात स्टाफ के साथ बैठ कर 157 डॉक्टरों को भी हमने नियुक्ति पत्र जारी कर दिये हैं जिसमें से 5 जुलाना में लगाये गये हैं। अगर माननीय सदस्य चाहें तो मैं उनके नाम भी बता सकता हूं।

श्री परमेन्द्र सिंह ढुलः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि क्या वहां पर लेडी डॉक्टर की भी नियुक्ति की गई है?

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, हमने वहां पर लेडी डॉक्टर को भी नियुक्ति दी है।

श्री परमेन्द्र सिंह ढुलः अध्यक्ष महोदय, मैं उसके लिए मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। इसके अतिरिक्त मैं यह भी जानना चाहता हूं कि आपरेशन थियेटर कब तक शुरू कर देंगे?

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, इस जवाब में यह नहीं लिखा हुआ है कि इसमें स्पेशलिस्ट कौन–कौन हैं अन्यथा मैं यह भी बता देता कि आपका आपरेशन थियेटर कब तक चालू हो जायेगा। आपरेशन थियेटर को चैक करवा लेते हैं अगर आपरेशन थियेटर वहां पर होगा तो उसको भी चालू करवा देंगे और अगर सर्जन की भी जरूरत होगी तो वह भी उपलब्ध करवा देंगे।

श्री परमेन्द्र सिंह ढुलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि यह काम कब तक हो जायेगा?

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, जब आपरेशन थियेटर वर्किंग ऑर्डर में आ जायेगा तो साथ ही साथ सर्जन को भी पोस्टिंग दे दी जायेगी।

.....

Construction Work of Bye – Pass

***2531. Shri Bikram Singh Yadav** :Will the PW (B&R) Minister be pleased to state the time by which the construction work of Kosli-Hathuri bye-pass is likely to be started, the announcement for which was made by the Hon'ble Chief Minister in the year, 2015?

लोक निर्माण मंत्री (श्री नरबीर सिंह) : श्रीमान् जी, क्योंकि आवश्यक जमीन खरीदने की प्रक्रिया जारी है, इस समय कोई निश्चित समय सीमा नहीं दी जा सकती है।

अध्यक्ष महोदय, यह कोसली बाई पास का प्रश्न है । हमने इसकी तकरीबन 63 करोड़ रूपये की एडमिनिस्ट्रेटिव अप्रूवल दे रखी है । यह कोसली का बाई पास दो जिलों में पड़ता है । इसके लिए तकरीबन 24 एकड़ जमीन एक्वायर कर ली गई है । 7 एकड़ जमीन रिवाड़ी जिले में और 17 एकड़ जमीन झज्जर जिले में एक्वायर की गई है । इसके लिए रिवाड़ी जिले के डिप्टी कमिशनर साहब की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई हुई है और इसी तरह से एक कमेटी झज्जर जिले में बना रखी है । उसमें रिवाड़ी जिले के डी.सी. ने तो लिख कर भेज दिया है कि यहां के लोग जमीन देने के लिए तैयार हैं । अब एक बार जल्दी ही झज्जर जिले की रिपोर्ट भी आ जाए तो हम निकट भविष्य में इस बाई पास को जल्दी ही बना देंगे ।

श्री विक्रम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि इसमें एक किसान की डेढ़ कैनाल जमीन है जो वह नहीं दे रहा है । बाकी किसानों ने अपनी जमीन देने की सहमति दे दी है । अगर एक किसान जमीन नहीं देगा तो क्या वह प्रोजैक्ट ही फेल हो जाएगा ? अध्यक्ष महोदय, 24 एकड़ जमीन में से उस किसान की 1040 गज जमीन है जो वह देने के लिए तैयार नहीं है जिसकी वजह से वह प्रोजैक्ट रूका हुआ है । मेरा निवेदन है कि उसका कोई समाधान किया जाए ।

श्री नरबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम जल्दी ही इसका समाधान निकाल रहे हैं ।

.....

तारांकित प्रश्न संख्या–2529

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया, क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री नरेश कौशिक सदन में उपस्थित नहीं थे।)

Investigation of Scam

***2539. Smt Latika Sharma** : Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the steps taken by the Government for the investigation of the scam of two thousand crore rupees of ACC Limited Bhupendra Cement works factoy, Surajpur, Tehsil Kalka, Distt. Panchkula, Haryana; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to hand over the case to CBI?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : (क) श्री बैनी प्रसाद, प्रधान भूपिन्द्रा सिमेन्ट कम्पनी (बी0सी0सी0) प्राईवेट लिमिटेड, वर्कर यूनियन सूरजपुर, पिन्जौर, पंचकूला, की षिकायत पर एक अभियोग संख्या 341 दिनांक 17.10.2016, धाराधीन 406, 420, 379, 120बी0 भा0द0स0, थाना पिन्जौर, तहसील कालका, जिला पंचकूला में अंकित किया गया है। इस अभियोग का अनुसंधान एक एच.पी.एस., अधिकारी की अध्यक्षता में गठित विषेष अनुसंधान टीम द्वारा किया जा रहा है। गवाहों के ब्यान अंकित किए गए हैं। कुछ रिकॉर्ड इक्ट्ठा कर लिया गया है और शेष रिकॉर्ड सम्बन्धित विभागों से प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुकदमा अनुसंधानाधीन है।

(ख) नहीं, श्रीमान जी।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ–साथ मैं बताना चाहूंगा कि आदरणीय लतिका जी के चुनाव क्षेत्र में एक बहुत बड़ी सीमेंट फैक्ट्री थी । वर्ष 1955 में यह फैक्ट्री सूरजपुर में थी और एम.एल. गुप्ता ने इसको खरीद लिया था । उसके बाद मजदूरों ने एक यूनियन बनाई जिसके अध्यक्ष बेनीप्रसाद थे वह हाई कोर्ट में इसलिए गये कि जो 615 मजदूर हैं उनका फैक्ट्री की तरफ बकाया है । विधायक जी अगर चाहें तो मैं इसकी इन्कवायरी अलग से क्राईम ब्रांच से करवा सकता हूं । क्योंकि वह लोकल पुलिस इन्कवायरी से संतुष्ट नहीं हैं ।

श्रीमती लतिका शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगी कि अब तक जितने भी घोटाले हुए हैं वह कांग्रेस सरकार के समय के हैं ।

यह हुड्डा सरकार का और मंत्रियों का सबसे बड़ा घोटाला है। कालका इतनी सुन्दर जगह है लेकिन फिर भी वहां पर इतना बड़ा घोटाला हुआ है । इस मामले को आज तक देखने का काम नहीं हुआ । इसमें दो हजार करोड़ रूपये का जमीन का घोटाला हुआ है जोकि सबसे बड़ा घोटाला हुआ है । वर्ष 1937 में महाराजा पटियाला द्वारा ए.सी.सी. लिमिटिड भूपेंद्रा सीमेंट फैक्ट्री को सूरज पुर में 587 बीघा जमीन लीज पर दी गई थी । (शोर एवं व्यवधान) आप सुन तो लो । आप सुनने का मादा तो रखते नहीं हैं । यह आज का सबसे बड़ा घोटाला है और जो यह घोटाला हुआ है उस जमीन को महाराजा पटियाला ने इंडस्ट्री लगाने के लिए 30 साल के लिए लीज पर या पट्टे पर दिया था । जब वह लीज व डीड खत्म हुई तो कांग्रेस सरकार द्वारा एक मुम्बई की पार्टी जोकि बिल्डर थी उसको ओडिसिज डवैल्पर्स टाउनशिप बनाने के लिए वह जमीन दे दी गई । जबकि वह जमीन और मशीनें हरियाणा सरकार के पास जानी थी लेकिन वह जमीन व मशीनें उस बिल्डर को कोड़ियों के भाव दे दी गई। कांग्रेस सरकार ने वह दो हजार करोड़ रूपये की जमीन कोड़ियों के भाव में देने का काम किया है । इसमें 100 साल तक का चूना पत्थर पड़ा हुआ है जिससे ए.सी.सी. सीमेंट फैक्ट्री हमारे यहां चल सकती थी । यहां उद्योग की कमी भी है । ए.सी.सी. सीमेंट फैक्ट्री के माध्यम से और लेबर विभाग की मिलीभगत से आज तक इनकी धांधली हुई है । कांग्रेस पार्टी के सी.एम., मंत्री व तहसीलदार तक सभी ने मिलकर यह धांधली की है । सबसे बड़ी बात यह है कि हमारी सरकार के आने के बाद ही इस केस में एफ.आई.आर. दर्ज हुई है ।(शोर एवं व्यवधान) कांग्रेस पार्टी की सरकार ने अपने समय में कालका को लूटकर खाया था। (शोर एवं व्यवधान) कालका के वासी इन लोगों को कभी माफ नहीं करेंगे ।

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, लतिका जी खड़ी होकर प्रश्न किनसे पूछ रही है क्योंकि माननीय मुख्यमंत्री जी तो सदन में उपस्थित नहीं हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गीता जी प्लीज आप बैठिए। (शोर एवं व्यवधान) लतिका जी, सदन में आपका प्रश्न लगा है, अतः आप केवल अपने प्रश्न से संबंधित अपेक्षित बातें ही पूछिए। जहां तक संबंधित प्रश्न पर विस्तृत रूप से अपनी बात रखने का संदर्भ है, तो जब गवर्नर एड्रैस पर चर्चा होगी, आप उस समय विस्तृत रूप से अपनी बात रख सकती हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या ने लोक हित का बहुत महत्वपूर्ण मामला उठाया है। यह वास्तव में एक बहुत बड़ा घोटाला था और बिना सरकार के संज्ञान के ऐसा घोटाला कभी संभव नहीं हो सकता था लेकिन इसके साथ ही मैं यह बात भी माननीय सदस्या की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि आगामी 4 अप्रैल को माननीय हाई कोर्ट में इस केस की सुनवाई होनी है और यही नहीं सरकार ने इस मामले की जांच स्टेट विजिलेंस ब्यूरों से कराने का निर्णय लिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगीः अध्यक्ष महोदय, अगर घोटाला हुआ है तो इसकी सी.बी.आई. से जांच करवाई जाये? (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु): अध्यक्ष महोदय, माननीय दांगी जी सी.बी.आई. इंक्वॉयरी की मांग कर रहे हैं, अतः मेरा निवेदन है कि दांगी साहब की मांग पर इस केस की सी.बी.आई. इंक्वॉयरी करवाई जानी चाहिए।(शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, इस केस की सी.बी.आई. से जांच करवाई जानी चाहिए?(शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी के सदस्य सी.बी.आई. से इंक्वॉयरी की मांग कर रहे हैं, इससे ऐसा लगता है कि इनको हरियाणा पुलिस पर कोई भरोसा नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, ज्ञान चंद गुप्ता जी ने सी.बी.आई. इंक्वॉयरी की बात कही है लेकिन एक तरह से इन्होंने दांगी साहब की बात का ही समर्थन किया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, जो यह घोटाला हुआ है इस घोटाले से आदरणीय ज्ञान चंद गुप्ता जी का निर्वाचन क्षेत्र भी प्रभावित हुआ है, इसलिए इनको भी दुख है और इसी वजह से इन्होंने दांगी साहब का समर्थन किया है लेकिन इसके साथ ही साथ अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से संधू साहब से कहना चाहूंगा कि यह अभी–अभी दिल्ली की ताजा हवा खाकर आए हैं, शायद इसलिए ऐसी बहकी–बहकी बात कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, जहां तक श्री आनंद सिंह दांगी जी, श्री ज्ञान चंद गुप्ता जी तथा श्रीमती लतिका शर्मा जी ने इस मामले में सी.बी.आई. इंक्वॉयरी की बात कही है, के परिपेक्ष्य में मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि इस मामले की जो जांच की गई है, उस जांच में हमारे हाथ कुछ खास सूत्र लगे हैं। यह मामला अभी विजिलेंस ब्यूरो के प्रोसेस में

है और इस अवस्था में यदि यह मामला सी.बी.आई. को सौंप दिया जाता है तो वह नए सिरे से इस केस की जांच करना शुरू करेगी जिसकी वजह से ज्यादा समय लगेगा, इसलिए सरकार ने इस केस की जांच स्टेट विजिलेंस ब्यूरो से कराने का निर्णय लिया है।

श्रीमती लतिका शर्माः अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी सदन में अभी उपस्थिति नहीं हैं इसलिए मैं माननीय शिक्षा मंत्री जी की जानकारी के लिए बताना चाहूंगी कि पिंजौर में जो यह भूमि घोटाला हुआ था, इस घोटाले पर जो एफ.आई. आर. दर्ज की गई, वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद ही दर्ज हुई थी लेकिन बड़े दुख की बात है कि माइनिंग डिपार्टमैंट तथा लेबर डिपार्टमैंट इस भूमि घोटाले का रिकॉर्ड देने में आना कानी करते हैं जिसका कारण यह है कि इस भूमि घोटाले में इन डिपार्टमैंट्स की भी मिलीभगत है। अगर इन दोनों डिपार्टमैंट्स से इस भूमि घोटाले से संबंधित रिकॉर्ड प्राप्त होता है तो इस घोटाले की जानकारी के कई अहम तथ्य उभरकर सामने आयेंगे। अध्यक्ष महोदय, मेरे कालका निर्वाचन क्षेत्र को औद्योगिक पिछड़ा क्षेत्र घोषित किया गया है। पिंजौर के सूरजपूर गांव में स्थित ए.सी.सी. लिमिटेड सीमेंट फैक्ट्री की जमीन को मुम्बई के बिल्डर को औने–पोने दामों पर बेच दिया गया था। इस भूमि घोटाले ने कालका के लोगों को झकझोर दिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं सच्ची बात सदन में बयान कर रही हूँ। मेरे क्षेत्र के लोगों ने इस घोटाले के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश की लेकिन किसी ने भी उनकी बात को सुनने का काम नहीं किया था और इस घोटाले पर एफ.आई.आर. तक दर्ज नहीं की गई थी लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार के आने के बाद ही इस घोटाले पर एफ.आई.आर. दर्ज हो सकी है। अध्यक्ष महोदय, भूपेंद्रा सीमेंट कंपनी प्राईवेट लिमिटेड वर्कर्ज यूनियन के प्रधान बैनी प्रसाद की शिकायत पर संबंधित मामले में पिंजौर थाना में कईं धाराओं के तहत केस भी दर्ज हो चुके है। इसी प्रकार संबंधित विषय पर इसी सीमेंट कंपनी के प्रधान बैनी प्रसाद व अन्य द्वारा एक ज्ञापन माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नाम से दिया गया है जिसको मैं बाद में माननीय मुख्यमंत्री महोदय को दूंगी। (शोर एवं व्यवधान) आज मैं सदन में इस घोटाले के संदर्भ में आवाज उठा रही हूँ तो भी हमारे विपक्ष के साथियों को दर्द हो रहा है क्योंकि सच्ची बात को यह लोग बर्दाश्त नहीं कर सकते (शोर एवं व्यवधान) ये लोग बीच में उठकर हमारी पार्टी द्वारा किए गए विकास की बात पर कटाक्ष करते हैं। विकास के संदर्भ में मैं, अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से

विपक्ष के मेरे साथियों को बताना चाहूंगी कि कालका के विकास को देखकर तो हमारे साथ लगते हिमाचल प्रदेश के आखिरी क्षेत्र परवाणु तक, भारतीय जनता पार्टी ने हिमाचल प्रदेश के विधान सभा के चुनावों में जीत हासिल की है। अध्यक्ष महोदय, मेरे कांग्रेस के साथियों को इस बात को मान लेना चाहिए कि कांग्रेस ने घोटाले किए है।

.....

Compensation to the Farmers

***2405. Shri Om Parkash Barwa** : Will the Revenue and Disaster Management Minister be pleased to state whether there is any proposal to provide compensation to the farmers for the damage of crops by hail storm in villages of Behal Block of Loharu constituency in the month of January, 2018; if so, the details thereof ?

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : श्रीमान जी, ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है क्योंकि सरकार के कम से कम 25% खराबा के मानदण्ड के विरूद्ध कथित खराबा केवल 15–20% है।

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को यह भी बताना चाहूँगा कि हमने उस क्षेत्र की विशेष गिरदावरी करवाई थी। उस गिरदावरी की रिपोर्ट के आधार पर फसलों का जो नुकसान हुआ है, वह 15–20 प्रतिशत है। हरियाणा सरकार द्वारा फसलों के बारे में बनाए गए नॉर्म्ज के मुताबिक यदि 25 प्रतिशत से ज्यादा फसलों का नुकसान होता है तो उस नुकसान की भरपाई हरियाणा सरकार करती है। लेकिन इस क्षेत्र में 25 प्रतिशतता से कम नुकसान है, इसलिए किसानों को मुआवजा प्रदान करने का कोई प्रावधान नहीं है।

श्री ओम प्रकाश बरवा : अध्यक्ष महोदय, गिरदावरी की रिपोर्ट बिल्कुल गलत है। उस क्षेत्र में फसलों का नुकसान 50 प्रतिशत है। सेरला, बिठन, चहड़ खुर्द, चहड़ कलां और सिरसी गांवों में सरकार दोबारा से गिरदावरी करवा लें, इन गांवों में फसलों का नुकसान 50 प्रतिशत से कम नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि वहां के किसानों को मुआवजा दिया जाये। दूसरी बात जिन किसानों ने अपनी फसलों का फसल बीमा करवाया हुआ है, उन्हें तो मुआवजा मिलना ही चाहिए।

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष महोदय, अगर मेरे माननीय साथी का यह मानना है कि वहां पर गिरदावरी ठीक से नहीं हुई है तो सरकार दोबारा से गिरदावरी की जांच करवा सकती है कि गिरदावरी ठीक हुई है या नहीं और जांच के बाद उचित कार्रवाई की जायेगी।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब प्रश्न काल समाप्त होता है।

.....

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Promotion of Punjabi as Second Language

***2304. Shri Balkaur Singh** : Will the Education Minister be pleased to state whether Punjabi has been declared second language in the State; if so, the steps taken by the Government to promote the Punjabi Language?

शिक्षा मन्त्री (श्री राम बिलास शर्मा) : हॉ श्रीमान् जी, पंजाबी भाशा को अधिसूचना सं॰52/4/96–ऐडयू–। (4) दिनांक 29.05.1996 के तहत राज्य में द्वितीय भाशा का दर्जा दिया गया है। वर्तमान में 800 पद 9वीं से 12वीं कक्षा पी॰जी॰टी॰ पंजाबी तथा 1093 पद छठी से आठवीं कक्षा तक टी॰जी॰टी॰ पंजाबी के स्वीकृत किये गये है।

.....

To Open a Blood Bank

***2338. Smt. Naina Singh Chautala** : Will the Health Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open Blood Bank in Dabwali City; if so, the details thereof ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : नही, श्रीमान् जी ।

.....

Water Logging Problem

***2556. Shri Makhan Lal Singla** : Will the Irrigation Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to solve the water logging problem of village Nahrana and Narayan Khera of Sirsa constituency; if so, the details thereof?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : नहीं, श्रीमान् जी । इसलिए प्रश्न के दूसरे भाग का सवाल ही नहीं उठता ।

.....

To Open A Veterinary Hospital

***2344. Shri Balwan Singh Daulatpuria** : Will the Animal Husbandry and Dairying Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Veterinary hospital in village Dhand of Fatehabad Constituency; if so, the time by which it is likely to be opened together with the details thereof ?

कृषि मन्त्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : नहीं, श्रीमान जी, इसलिए, प्रश्न का यह भाग, उत्पन्न ही नहीं होता।

.....

To Frame Service Rules

***2371. Shri Ved Narang** : Will the Rural Development Minister be pleased to state -

(a) whether it is a fact that no service rules have been framed by the Government for employees working under MGNREGS in the State so far; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to frame service rules to regularize the MGNREGS employees; if so, the details thereof?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़):

क) हां श्रीमान जी। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत सभी कर्मचारी ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों/दिशानिर्देशो के अनुसार अनुबंध आधार पर लगे है।

ख) नहीं श्रीमान जी। दूसरे भाग का इसलिए प्रश्न नहीं उठता।

.....

To Install LED T.V.

***2382. Shri Jagbir Singh Malik** : Will the Health Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to install LED TV for public awareness programs like IEC

in the Haryana MLA Hostel, Dispensary; if so, the time by which it is likely to be installed ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : श्रीमान जी, यह पहले ही लगाया जा चुका है।

Action against Fake Companies

***2409 Shri Jasbir Singh** : will the Chief Minister be pleased to state the steps being taken by the Government against the fake companies cheating in the name of sending abroad togetherwith the details thereof?

मुख्यमन्त्री (श्री मनोहर लाल) : श्रीमान जी, वान्छित सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

जब भी लोगों को विदेश भेजने वाली जालसाज कम्पनियों से सम्बन्धित कोई शिकायत अथवा सूचना प्राप्त होती है तो कानून के अनुसार तुरन्त कार्यवाही की जाती है। इस सम्बन्ध में कुल 233 मुकदमे जालसाज कम्पनियों के विरूद्व 28.02.2018 तक दर्ज किये गये। कुल 176 दोषियों को गिरफतार करके 107 मुकदमों के चालान दिये गये। वर्ष अनुसार सारणीबद्व निम्नलिखित हैः–

वर्ष	कुल दर्ज मुकदमे	कुल रद्द किये गये मुकदमे	कुल अदमपता मुकदमे	न्यायालय में दिये गये मुकदमे	कुल अनुसन्धानाधीन मुकदमे	कुल गिरफतार किये गये अभियुक्त	कुल सजा हुये	कुल बरी हुए
2015	74	24	4	41	5	72	2	9
2016	72	18	4	47	3	69	0	3
2017	75	13	4	19	39	35	0	1
2018 (28.02.18 तक)	12	0	0	0	12	0	0	0
कुल	**233**	**55**	**12**	**107**	**59**	**176**	**2**	**13**

क्षेत्र ईकाईयों को निर्देश दिये गये है कि ऐसी जालसाज कम्पनियों की गतिविधियों पर निगरानी रखे। तथा इन पर कानून के अनुसार सख्त कार्यवाही की जाए।

दिनांक 16–12–2017 से 31–12–2017 तक 15 दिन का विशेष अभियान ऐसी कम्पनियों के विज्ञापन के प्रसारण की जांच करने हेतु शुरू किया गया जो लोगों/विधार्थियों को विदेश भेजने के लिये आकर्षित करती है।

कम्पनियों द्वारा धोखाधड़ी से विदेश भेजने बारे वर्ष 2015 की सूचना।

जिला	कुल दर्ज मुकदमे	कुल रद्द किये गये मुकदमे	कुल अदमपता मुकदमे	न्यायालय में दिये गये मुकदमे	अनुसन्धानाधीन मुकदमे	गिरफतार किये गये अभियुक्त	सजा हुये	बरी हुए
पंचकूला	7	3	0	3	1	5	0	0
गुरूग्राम	1	0	0	1	0	1	0	0
फरीदाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0
अम्बाला	18	4	0	14	0	25	0	1
यमुनानगर	12	5	2	4	1	9	0	2
कुरूक्षेत्र	24	6	2	14	2	22	2	4
करनाल	0	0	0	0	0	0	0	0
पानीपत	0	0	0	0	0	0	0	0
कैथल	12	6	0	5	1	10	0	2
रोहतक	0	0	0	0	0	0	0	0
सोनीपत	0	0	0	0	0	0	0	0
भिवानी	0	0	0	0	0	0	0	0
झज्जर	0	0	0	0	0	0	0	0
दादरी	0	0	0	0	0	0	0	0
हिसार	0	0	0	0	0	0	0	0
हांसी	0	0	0	0	0	0	0	0
सिरसा	0	0	0	0	0	0	0	0
जीन्द	0	0	0	0	0	0	0	0
फजेहाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0
रिवाड़ी	0	0	0	0	0	0	0	0
पलवल	0	0	0	0	0	0	0	0
नारनौल	0	0	0	0	0	0	0	0
मेवात	0	0	0	0	0	0	0	0
रेलवे	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**74**	**24**	**4**	**41**	**5**	**72**	**2**	**9**

कम्पनियों द्वारा धोखाधड़ी से विदेश भेजने बारे वर्ष 2016 की सूचना।

जिला	कुल दर्ज मुकदमे	कुल रद्द किये गये मुकदमे	कुल अदमपता मुकदमे	न्यायालय में दिये गये मुकदमे	अनुसन्धानाधीन मुकदमे	गिरफतार किये गये अभियुक्त	सजा हुये	बरी हुए
पंचकूला	4	3	0	1	0	1	0	0
गुरूग्राम	0	0	0	0	0	0	0	0
फरीदाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0
अम्बाला	22	4	1	17	0	20	0	1
यमुनानगर	15	4	1	10	0	16	0	1
कुरूक्षेत्र	20	2	1	14	3	26	0	1
करनाल	1	0	1	0	0	0	0	0
पानीपत	0	0	0	0	0	0	0	0
कैथल	8	5	0	3	0	4	0	0
रोहतक	0	0	0	0	0	0	0	0
सोनीपत	0	0	0	0	0	0	0	0
भिवानी	0	0	0	0	0	0	0	0
झज्जर	2	0	0	2	0	2	0	0
दादरी	0	0	0	0	0	0	0	0
हिसार	0	0	0	0	0	0	0	0
हांसी	0	0	0	0	0	0	0	0
सिरसा	0	0	0	0	0	0	0	0
जीन्द	0	0	0	0	0	0	0	0
फजेहाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0
रिवाड़ी	0	0	0	0	0	0	0	0
पलवल	0	0	0	0	0	0	0	0
नारनौल	0	0	0	0	0	0	0	0
मेवात	0	0	0	0	0	0	0	0
रेलवे	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**72**	**18**	**4**	**47**	**3**	**69**	**0**	**3**

कम्पनियों द्वारा धोखाधड़ी से विदेश भेजने बारे वर्ष 2017 की सूचना।

जिला	कुल दर्ज मुकदमे	कुल रद्द किये गये मुकदमे	कुल अदमपता मुकदमे	न्यायालय में दिये गये मुकदमे	अनुसन्धानाधीन मुकदमे	गिरफतार किये गये अभियुक्त	सजा हुये	बरी हुए
पंचकूला	1	0	1	0	0	0	0	0
गुरूग्राम	0	0	0	0	0	0	0	0
फरीदाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0
अम्बाला	28	6	2	10	10	16	0	0
यमुनानगर	13	2	1	3	7	4	0	1
कुरूक्षेत्र	21	5	0	5	11	11	0	0
करनाल	2	0	0	0	2	0	0	0
पानीपत	0	0	0	0	0	0	0	0
कैथल	9	0	0	1	8	2	0	0
रोहतक	0	0	0	0	0	0	0	0
सोनीपत	0	0	0	0	0	0	0	0
भिवानी	0	0	0	0	0	0	0	0
झज्जर	1	0	0	0	1	2	0	0
दादरी	0	0	0	0	0	0	0	0
हिसार	0	0	0	0	0	0	0	0
हांसी	0	0	0	0	0	0	0	0
सिरसा	0	0	0	0	0	0	0	0
जीन्द	0	0	0	0	0	0	0	0
फजेहाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0
रिवाड़ी	0	0	0	0	0	0	0	0
पलवल	0	0	0	0	0	0	0	0
नारनौल	0	0	0	0	0	0	0	0
मेवात	0	0	0	0	0	0	0	0
रेलवे	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**75**	**13**	**4**	**19**	**39**	**35**	**0**	**1**

कम्पनियों द्वारा धोखाधड़ी से विदेश भेजने बारे वर्ष 2018 (28.02.2018 तक) की सूचना।

जिला	कुल दर्ज मुकदमे	कुल रद्द किये गये मुकदमे	कुल अदमपता मुकदमे	न्यायालय में दिये गये मुकदमे	अनुसन्धानाधीन मुकदमे	गिरफतार किये गये अभियुक्त	सजा हुये	बरी हुए
पंचकूला	0	0	0	0	0	0	0	0
गुरूग्राम	0	0	0	0	0	0	0	0
फरीदाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0
अम्बाला	8	0	0	0	8	0	0	0
यमुनानगर	4	0	0	0	4	0	0	0
कुरूक्षेत्र	0	0	0	0	0	0	0	0
करनाल	0	0	0	0	0	0	0	0
पानीपत	0	0	0	0	0	0	0	0
कैथल	0	0	0	0	0	0	0	0
रोहतक	0	0	0	0	0	0	0	0
सोनीपत	0	0	0	0	0	0	0	0
भिवानी	0	0	0	0	0	0	0	0
झज्जर	0	0	0	0	0	0	0	0
दादरी	0	0	0	0	0	0	0	0
हिसार	0	0	0	0	0	0	0	0
हांसी	0	0	0	0	0	0	0	0
सिरसा	0	0	0	0	0	0	0	0
जीन्द	0	0	0	0	0	0	0	0
फजेहाबाद	0	0	0	0	0	0	0	0
रिवाड़ी	0	0	0	0	0	0	0	0
पलवल	0	0	0	0	0	0	0	0
नारनौल	0	0	0	0	0	0	0	0
मेवात	0	0	0	0	0	0	0	0
रेलवे	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**12**	**0**	**0**	**0**	**12**	**0**	**0**	**0**

.....

To Metal the Unmetalled Passages

***2510. Shri Anoop Dhanak** : Will the Agriculture and Farmers Welfare Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to metal the unmetalled passages from village Kumbha to Kharkara and Hassangarh to Durjanpur in Uklana Constituency; if so, the time by which these are likely to be metalled ?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : जी नहीं, श्रीमान, इसलिए प्रश्न के इस भाग का सवाल ही नहीं उठता।

.....

To Give Ownership Rights

***2423 Shri. Lalit Nagar** : Will the Chief Minister to pleased to state -

(a) whether it is a fact that Sharmik Vihar Colony in Tigaon Assembly Constituency was developed by HUDA in the Year 1994 but the ownership rights have not been given to the residents so far; and

(b) if so, the time by which the ownership rights will be given to the residents of abovesaid colony togetherwith the details thereof?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : श्रीमान जी, विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है1

विवरण

कुल 725 आवेदकों में से 375 आवेदक पहले ही श्रमिक विहार कालोनी में रह रहे हैं व कुल में से 337 आवेदकों को टोकन दिया गया है। कुल 725 आवेदकों में से 183 आवेदकों द्वारा 500/– रू. प्रति वर्ग गज की दर से राषि जमा करवा दी गई है। 153 आवेदकों ने कोई राषि जमा नहीं करवाई है। 52 आवेदकों ने भूखण्ड को अस्वीकार कर दिया तथा किसी आवेदक ने वॉछित दस्तावेज जमा नहीं करवाए अर्थातः–

(i) वास्तविक निवासी होने बारे सबूत।

(ii) 10 वर्षों के भीतर ब्रिकी, उपहार, गिरवी या हस्तान्तरण न करने के सम्बन्ध में शपथ–पत्र।

(iii) इस आश्य का शपथ–पत्र कि उनके पास फरीदाबाद में कोई अन्य रिहायशी इकाई/मकान नहीं है। दस्तावेज प्राप्त होने उपरान्त आबंटन पत्र तुरन्त जारी कर दिए जाएंगे।

.....

Shortage of Doctors and other Staff

***2453. Shri Naseem Ahmed** : Will the Health Minister be pleased to state -

(a) whether it is a fact that there is shortage of doctors and other staff in Primary Health Centres of village Tigaon, Baded and Pingawan; and

(b) if so, the time by which the shortage of doctors and staff is likely to be met out togetherwith the details thereof ?

स्वास्थ्य मन्त्री (श्री अनिल विज) : प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तिगांव तथा पिंगवान में चिकित्सकों तथा अन्य अमले की कुछ कमी है। रिक्तियों को भरने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। गांव बडेड में कोई स्वास्थ्य संस्थान नहीं है।

.....

To Set Up Sugar Mill in Dahar

2450. Shri Ravinder Machhrouli : Will the Co-operation Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up Sugar Mill in Dahar in district Panipat; if so, the time by which the abovesaid Sugar Mill is likely to be set-up?

सहकारिता राज्य मंत्री (श्री मनीष कुमार ग्रोवर) : हां, श्रीमान जी य विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनवाई जा रही है और चीनी मिल के नए प्लांट की स्थापना मे आमतौर पर 20–24 महीने का समय लगता है।

.....

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

To Re-Introduce the Policy of Ex-Gratia

626. Shri Karan Singh Dalal: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to re-introduce the policy of Ex-Gratia in the State; if so the details thereof.?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : हां, श्रीमान जी। राज्य में अनुकम्पा नीति के अन्तर्गत मृतक कर्मचारी के आश्रितों को नौकरी प्रदान करने बारे मामला सरकार के विचाराधीन है।

.....

To Ply the Buses

550. Shri Ram Chand Kamboj : Will the Transport Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to ply Haryana Roadways buses on following routes -

1. Rania to Chandigarh;
2. Rania to Amritsar; and
3. Sirsa to Jaipur via Rania-Elenabad Rawatsar.?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण लाल पंवार) : श्रीमान् जी, नहीं।

.....

To Set Up Fruit and Vegetables Pack Houses

581. Shri Parminder Singh Dhull : Will the Agriculture and Farmers Welfare Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up 140 integrated pack house for fruits and vegetables in the State; and

(b) if so, the places where the integrated pack houses are to be set up togetherwith the time by which the said pack houses are likely to be set up ?

कृषि मन्त्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) :

(क) हाँ, श्रीमान जी

(ख) हरियाणा सरकार द्वारा बागवानी के लिए फसल समूह विकास कार्यक्रम षुरु किया गया है, जिसके तहत राज्य के सभी जिलों में विभिन्न स्थानों पर किसान उत्पादक संघो (FPOs) द्वारा सब्जियों और फलों के लिए 140 एकीकृत पैक हाउस स्थापित किए जाएंगे तथा सरकार परियोजना अधारित क्रेडिट लीन्कड अनुदान के रूप में वित्तिय सहायता प्रदान करेगी। इन एकीकृत पैक हाउस के प्रस्तावित स्थानों को यहां पर संलगन अनुलंग्नक–1 पर दर्शाया गया है।

परियोजना अवधि 2017–18 से 2019–2020 (3वर्ष) है तथा पहले वर्ष में 30, दूसरे वर्ष में 51 तथा तीसरे वर्ष में 59 एकीकृत पैक हाउस स्थापित किए जाने प्रस्तावित है।

अनुलग्नक–1

फसल समूह विकास कार्यक्रम (सी0सी0डी0पी0) के अन्तर्गत एकीकृत पैक हाऊस के लिए प्रस्तावित स्थान

क्र0 स0	जिला का नाम	समूह क्र0 नं0	जिला अनुसार क्र0 नं0	फसल समुहों में एकीकृत पैक हाऊस के लिए प्रस्तावित स्थान
1	पंचकुला	1	1	डखरोग व आस पास का क्षेत्र
		2	2	मोरनी, महमल, टिकरी, भिवंर, सहल्यों, बडीयाल, थाना, बालग, चपलाना
		3	3	बरवाला, हरिपुर, टिब्बीमाजरा, बतौड, टाबर, हंगौला, खटौला
2	अम्बाला	4	1	पजेठो
		5	2	सपेरा, तिलाखनी, कपुरी, षाहपुर, रतनहेडी
		6	3	मोहडा
		7	4	धनौरा
3	यमुनानगर	8	1	सढौरा, ईस्माईलपुर, राजपुर, सरावा, तुन्दे की तापरिया
		9	2	कालेसर, मुस्तफाबाद, फैजपुर, खिजराबाद, तपडा
		10	3	बहादुरपर
		11	4	छछरौली
		12	5	बुरीया
		13	6	बल छप्पर, लापरा, जढ़लाना
		14	7	सफीलपुर, जगाधरी, मानधर, ढोलरा
		15	8	बीर बलसुआ
		16	9	रादौर
		17	10	अलहर
		18	11	राजेड़ी
4	कुरूक्षेत्र	19	1	षाहबाद
		20	2	बबैन
		21	3	भोर सैदा, अमीन, खेरी अमीन बीद अमीन
		22	4	पेहवा
		23	5	संधौला, संधुली नानकपुर, उसमानपुर, सारसा
		24	6	खेडी दबलान, समालखा, सुरा, बकाली, बन, छलोंदी
		25	7	लाडवा
5	कैथल	26	1	चीका
		27	2	गोबिन्दपुरा–गोबिन्दगढ, मलिकपुर
		28	3	सिवान, राजौन्द, खानपुर, फिरोजपुर, खुराना
		29	4	हजवाना

		30	5	सोन्गल, हरसौवा, सरवाना, नीमवाला, झकौली
6	करनाल	31	1	इन्द्रगढ, मुरादगढ, फजीलपुर
		32	2	सन्तरी
		33	3	पधाना, गांगर, तखाना
		34	4	बडागांव, गीढ, कुन्जपुरा
		35	5	गुलारपुर
		36	6	मधुबन
		37	7	धनौरा, कालरा, धनौखेडी, कीनौरी
		38	8	मुबारकाबाद, बसतारा, छौरा
7	पानीपत	39	1	उगराखेडी, नीबरी, राजाखेडी,
		40	2	गन्जबार, बाबरपुर
		41	3	बापौली, जलालपुर–ए, नवादापार, जलालपुर– ए
8	सोनीपत	42	1	गोहाना, बरौटा, नगर, रूखी
		43	2	घनौर, खुबढु, नयाबांस, बाम्बर, कमासपुर गामढ़ा
		44	3	मनौली, देहराबाकीपुर अटेरना, खुरमपुर, पबसारा, झखौली
		45	4	ताजपुर, टीकौला, मुरथल
		47	5	षाहदपुर, सैनीपुरा, जटवाडा, जाहेरी, संधलकंला
		48	6	अकबरपुर, बरौटा, सफीआबाद, हरसाना
		49	7	बयानपुर, रोहत, हरसाना मलछा
9	जीन्द	50	1	ढाबी टेक सिंह, नारायनगढ, रेवड
		51	2	भिगाना, नगूरा
		52	3	खेडा खेमावती, अमरहेडी, हैबतपुर, ईकसढ़ाणी, घीमाणा
		53	4	जीन्द, उचाना, नरवाना, पिल्लूखेडा
10	सिरसा	54	1	मसीतां
		55	2	अबुबशहर, चौटाला, तेजाखेडा
		56	3	खारियां, पन्नीवाला मोटा
		57	4	ख्योवाली
		58	5	सिरसा डबवाली, बडागुडा, नाथुसरीचौपटा
		59	6	सन्त नगर
		60	7	दडबी
		61	8	रानीयां
11	फतेहाबाद	62	1	अकांवाली, जमालपुर, सलेमपुरी
		63	2	धोलू हसंगा, टिब्बी नाढोडी
		64	3	भूना, जाण्डलीकलां, जांगलखेडा, गुरबानपुर, दूलत
		65	4	माजरा, बिसला, ढाणी माजरा, बरसीन, खानमोहम्मद, भरपुर
		66	5	पूर्ण माजरा
		67	6	चन्द्रावल, जान्गीखुर्द, कलन, भूतान, खजुरी जाटी
		68	7	कुकडांवाली, षहीदावाली, खेराती खेड़ा, दरीयापुर
12	हिसार	69	1	उकलाना, भेरी, अकबरपुर, दौलतपुर
		70	2	बरवाला
		71	3	अग्रोहा, किराडा, खेडी बारकी, बहबलपुर
		72	4	दडौली, सीसवाल, किषनगढ
		73	5	जीयोवाड़ा, भुभाना, सरसौद, बरवाला

		74	6	बहबलपरु, जुगलान, बाढोपट्टी
		75	7	नारनौन्द, बेनी हमीरपुर, मौथ, माजरा
		76	8	कैमरी, रावलवास खुर्द, आर्य नगर, सुन्डावास
		77	9	हांसी
		78	10	हिसार–1 (सिहाडवा, सरसौद खुर्द)
		79	11	धाना कलन, हांसी
13	भिवानी	80	1	धानी कुषाल बडसी, सिकन्दरपुर, मिलकपुर
		81	2	किरावड, अलाखपुर, सिपर
		82	3	बलयाली, मुरताना, धंग खुर्द
		83	4	चन्ग, धाना, गुजरानी
		84	5	मानकवाष
		85	6	खारखरी सोहाना, धनवारी, सागवान
		86	7	रेवाडी, खेडा, खडक, मलकौदा
		87	8	धानी हरसुख, साय, बडेसरा
		88	9	धुलहेरी, धरन
		89	10	बमला, सन्करौद, कायला, नीनान
		90	11	मेहडा, माहराना
		91	12	सिशवाला आसपास का क्षेत्र
		92	13	खरकरी माखवान
		93	14	मिर्च रौलाडी
		94	15	बेरला, मण्डी, हरीया, जेवली
14	रोहतक	95	1	कानसला, हुमायुपूर, बखेता
		96	2	रोहतक, कुताना सुनारीया, सुन्दरपुर
		97	3	हसनगढ, संचाना
		98	4	मरौदीकला
15	झज्जर	99	1	सुरजगढ
		100	2	रायपुर, किलरौध, दादरपुर, सलौधा
		101	3	झज्जर, खेडीखुमर, खातीवास, धौर
		102	4	सेहलन्गा, सुन्दरहेटी, मालियावास, रुदीयावास
		103	5	ढाकला, हसनपुर, बीथेला, अम्बौली, जटवाढ, रैया
		104	6	बदली, गुभाना, माजरी, लीगापुर, पेलपा
16	गुरूग्राम	105	1	ताजनगर, जमालपुर, जोनीयावास, सनपका, फजीलपुर बदली, जटोला, हाजीपुर
		106	2	ककरौला
		107	3	फरुखीनगर, चान्दनगर, सुलतानपुर, झन्झरौला
		108	4	पटौदी, नरहेडा, जन्डा, रामपुर, मुमताजपुर
		109	5	बहीरा, सिवारी
		110	6	सोहना, बलुदा, सांप की नगली, सोना ढ़ाणी
		111	7	हमीरपुर, गढी, खैंटावास , सधराना
		112	8	ईच्छापुरी, खोद, पाहरी, दादावास, षेरपुर
17	फरीदाबाद	113	1	तिलपाथ
		114	2	बादशाहपुर, तिकावली, वजीरपुर
		115	3	छैसा, मौथुका, अरूवा
		116	4	ब्हादरुपर
		117	5	मन्जावली
		118	6	चान्दपुर

18	नारनौल	119	1	गुधा (कनीना)
		120	2	धाना
		121	3	दलानवास, दीगरौटा, गडरवावास
		122	4	गढी रुथल
		123	5	राजपुरा
		124	6	सराय बहादुर
19	रेवाडी	125	1	भुरथला
		126	2	सीहा
		127	3	अहरोद, राधा की ढाणी, सोभा की ढाणी, खोल, मन्दौला, कोलाना की ढाणी
		128	4	धवाना
20	पलवल	129	1	घोडी चांट आसपास पलवल
		130	2	फाट नगर आस पास का क्षेत्र
21	मेवात	131	1	गोयला, दालावास, पदेनी
		132	2	सदायी, बडका अलीमुदीन
		133	3	घघास, कान्सली
		134	4	गुमत बिहारी, खोडी
		135	5	मोलाका खेडी
		136	6	सकरपुरी (एम0 उन्दीक) दोहा
		137	7	औथा, मुन्देता, खोडी, साहचौका
		138	8	फिरोजपुर झिरका, घौन्ध, बौन्ध, नगल
		139	9	हसनपुर, बिलौन्धा, सिधरावत
		140	10	अगौन, पथरौली

.....

Construction of Building for Market Committee

564. Shri Om Parkash Barwa: Will the Agriculture and Farmers Welfare Minister be pleased to state–

(a) whether it is a fact that the office of the Market Committee is functioning in the building of Kisan Rest House in village Digawa Jatan in Loharu Constituency; and

(b if so, the time by which the separate building for Market Committee is likely to be constructed ?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : (क) जी हां, श्रीमान्।

(ख) अभी मार्केट कमेटी कार्यालय के लिए अलग भवन बनाए जाने का कोई प्रस्ताव हरियाणा राज्य कृषि विपणन मण्डल के अंतर्गत नहीं है। इसलिए कार्यालय भवन के निर्माण की कोई समय सीमा नहीं दी जा सकती।

.....

To Check the Flow of Dirty Water in Ghaghar

551. Shri Ram Chand Kamboj :Will the Environment Minister be pleased to state the steps taken by the Government to check the flow of dirty and contaminated water of Industries in the Ghaghar river?

उद्योग एवं वाणिज्य मन्त्री (श्री विपुल गोयल) : श्रीमान जी, घग्गर नदी में प्रदूषण को नियन्त्रित करने के लिए हरियाणा राज्य प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के माध्यम से सरकार द्वारा उठाए गए कदम निम्न अनुसार हैः–

1 उद्योगों की स्थापना की स्वीकृति देने के समय यह शर्त लगाई जा रही है कि उद्योग का संचालन केवल बहिःस्राव उपचार संयन्त्र की स्थापना करने के बाद ही शुरू किया जाएगा तथा उद्योगों को चलाने की स्वीकृति केवल बहिःस्राव उपचार संयन्त्र सहित उपयुक्त प्रदूषण नियन्त्रण संयन्त्रों की स्थापना करने के बाद ही दी जाती है। इसके उपरान्त निरीक्षण पॉलिसी के अनुसार अनिवार्य निरीक्षण बहिःस्राव उपचार संयन्त्र के चलने के बाद किया जा रहा है।

2 बहिःस्राव उपचार संयन्त्रों के चलने की जांच करने के लिए, समय समय पर निरीक्षण पॉलिसी के अनुसार अनिवार्य निरीक्षण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जब कभी भी प्रदूषण की विशेष शिकायत प्राप्त होती है तब भी बोर्ड द्वारा इनका निरीक्षण किया जाता है।

3 हरियाणा, पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश के प्रदूषण नियन्त्रण बोर्डो के अधिकारियों की संयुक्त निरीक्षण टीम द्वारा घग्गर नदी में प्रवेश करने वाले स्रोतों के प्रदूषण के स्तर का पता लगाने के लिए घग्गर नदी में प्रवेश करने वाली ड्रेनों व विभिन्न स्रोतों की त्रैमासिक मॉनिटरिंग की जा रही है।

4 घग्गर नदी की सफाई के बारे में हरियाणा, पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश के राज्य स्तरीय अधिकारियों तथा राज्यों के प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के अधिकारियों की विभिन्न स्तरों पर समय समय पर बैठकें की जा रही है।

5 घग्गर नदी में बाहर से मिलने वाली ड्रेनों पर घरेलू बहिःस्राव के उपचार करने के लिए 251 एम0एल0डी0 की क्षमता के 30 मलजल उपचार संयन्त्र घग्गर नदी के जलग्रहण क्षेत्र मे स्थापित किए गए हैं।

6 हरियाणा राज्य में घग्गर नदी में प्रवेश करने वाले प्रदूषण के स्रोतों का पता लगाने के लिए इसके पूर्ण खण्ड में सर्वेक्षण के लिए सिंचाई तथा जल संशाधन विभाग, जन स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग, शहरी स्थानीय निकाय विभाग तथा हरियाणा राज्य प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के अधिकारियों की जिला स्तरीय टीमों का गठन किया गया है।

.....

Benefit to Farmers Under PMFBY

580. Shri Parminder Singh Dhull : Will the Agriculture and Farmers Welfare Minister be pleased to state whether it is a fact that the provision of rupees 300 crore has been made under the "Pradhan Mantri Fasal BimaYojna" during the year 2017-18; if so, the number of farmers benefited under scheme togetherwith the financial assistance provided to each farmers ?

कृषि मंत्री (ओम प्रकाश धनखड़) : हां श्रीमान जी, वर्ष 2017–18 के दौरान "प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना" के अन्तर्गत 300 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। खरीफ 2017 की क्लेम प्रक्रिया अभी चल रही हैं और अप्रैल 2018 तक इसे अन्तिम रूप दे दिया जाएगा।

.....

To Re-New License for Selling Fertilizers

563. Shri Om Parkash Barwa : Will the Agriculture and Farmers Welfare Minister be pleased to state whether it is a fact that fertilizer selling license of PACS of village Digawa in Loharu Constituency expired three years ago; if so, the time by which the fertilizer selling license of above said society is likely to be re-newed?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : श्रीमान जी, ढिगावा प्राथमिक कृषि सहकारी समिति लिमिटिड के ढिगावा बिक्री केन्द्र का स्वीकृति का ज्ञापन (एमओए) 11–10–2015 तक वैध था तथा यह समय पर नवीनीकरण ना करवाये जाने के

कारण समाप्त हो गया। समय पर नवीनीकरण ना करवाने के कारण समाप्त हुए एमओए के नवीनीकरण के लिए उर्वरक नियन्त्रण ओदश 1985 में कोई प्रावधान नहीं है । नये एमओए को प्राप्त करने के लिए आवेदक को नये एमओए के लिए आवेदन करना होगा।

.....

इन्द्री ब्लॉक, करनाल जिले के सरपंचों का अभिनन्दन

11.00 बजे **शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) :** अध्यक्ष जी, इन्द्री ब्लॉक के 85 सरपंच सदन की दर्शक दीर्घा में सदन की कार्यवाही देखने के लिए बैठे हुए हैं, मैं सदन की तरफ से उन सभी का अभिनन्दन करता हूँ ।

ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं

श्री परमेन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी ने जो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दे रखे हैं, वे काफी महत्वपूर्ण हैं। एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रदेश में कैंसर की बीमारी की रोकथाम व इलाज के बारे में था, हम उसका फेट जानना चाहते हैं। इस संबंध में माननीय मंत्री जी का भी जवाब आया था।

श्री अध्यक्ष : ढुल साहब, कैंसर पर पहले ही श्रीमती नैना चौटला के प्रश्न पर काफी विस्तार से चर्चा हुई थी।

श्री परमेन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी का जवाब सदन की पटल पर आया था। कैंसर की बीमारी के कारण एक साल में 4000 आदमियों की डैथ होना, अपने आप में एक भयानक स्थिति उजागर करता है।

श्री अध्यक्ष : ढुल साहब, आप राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान इस बात का जिक्र कर लेना ।

श्री परमेन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान तो इस बात का सरकार की तरफ से कोई भी जवाब नहीं आयेगा।

श्री अध्यक्ष : ढुल साहब, जब माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर अपना रिप्लाई देंगे तो उसमें जरूर आपकी बात का जवाब देंगे।

श्री परमेन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी बात से बिल्कुल सहमत हूँ। लेकिन मेरे अपने हल्के में कैंसर की बीमारी के कारण 400 से ज्यादा आदमियों की मौत हो चुकी है। हमारे पास एकमात्र कैंसर मेडिकल इंस्टीच्यूट, रोहतक है और

उसकी हालत बहुत खराब है क्योंकि मैंने कैंसर मेडिकल इंस्टीच्यूट, रोहतक के नाम से आर.टी.आई. ली हुई है, जिसे सुनकर यह सदन दंग रह जायेगा कि उस कैंसर मेडिकल इंस्टीच्यूट, रोहतक को ही बंद करने जा रहा है। कैंसर के कारण प्रदेश में 4000 के करीब आदमियों की डैथ हो जाती है और प्रदेश में एकमात्र कैंसर मेडिकल इंस्टीच्यूट, रोहतक को नोटिस दिया हुआ है कि यदि आप कैंसर मेडिकल इंस्टीच्यूट, रोहतक में मेडिकल स्टॉफ पूरा नहीं कर रहे हैं तो इस संस्था को बंद कर देंगे। यह बेहद ही गंभीर समस्या है। लोग कैंसर का इलाज करवाने के लिए बीकानेर जाते हैं। यह पूरे प्रदेश की समस्या है क्योंकि कैंसर के संबंध में पंजाब के बाद हरियाणा का नम्बर आता है। इसलिए एक दिन कैंसर के ध्यनाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा होनी चाहिए ताकि उस पर विस्तार से चर्चा हो सके। कैंसर से संबंधित ध्यानाकर्षण प्रस्ताव बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आम आदमी की सेहत के साथ जुड़ा हुआ है। मेरे हल्के के गांव निडाना में कैंसर के 8 मरीज आज भी हैं।

श्री अध्यक्ष : ढुल साहब, जो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रदेश में कैंसर की बीमारी की रोकथाम व इलाज के बारे में है उस पर विचार कर लेंगे।

श्री राम चन्द कम्बोज : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव मेरे हल्के में बीमारी की वजह से पशुओं की मौत पर मुआवजा न मिलने बारे में था। माननीय कृषि मंत्री जी ने एक दिन इसी सदन में घोषणा की थी कि मरने वाले दुधारू पशुओं का 25 हजार और दूसरे पशुओं का 5 हजार का मुआवजा दिया जायेगा लेकिन आज तक मेरे गांव के जो पशुपालक थे जिनके पशुओं की मौत हो गई थी, उनको कोई मुआवजा नहीं मिल पाया है।

श्री अध्यक्ष : कम्बोज साहब, आप राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान इस बात का जिक्र कर देना।

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूँ कि यदि मुआवजा नहीं मिला तो माननीय साथी को कभी भी बीच में इस बात का जिक्र जरूर करना चाहिए था। मैं आज ही चैक करवाता हूँ अगर पशुपालकों को मुआवजा नहीं मिला है तो जरूर मिलेगा, माननीय साथी किसी भी प्रकार की कोई चिंता न करें।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, हमने बड़े ही महत्वपूर्ण और लोकहित मुद्दों पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिए हैं। एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव जिला मेवात और पलवल में भारी ओलावृष्टि से नूंह हल्के में गेंहू, सरसों व जों की फसलों के नुकसान के बारे

में था, उसके बारे में सरकार की तरफ से कोई भी ओदश नहीं दिया गया कि गिरदावरी करवाई जायेगी या नहीं करवाई जायेगी। एक ध्यानकार्षण प्रस्ताव मेवात फीडर कैनाल के बारे में था। अध्यक्ष महोदय, पानी के नाम पर हमें केवल जहरीला पानी मिल रहा है। सरकार ने भी इस बात को माना है और इस जहरीले पानी से पशुओं में बीमारियां बढ़ रही है और आदमियों में कैंसर हो रहा है तथा फसलों की जमीनें खराब हो रही हैं।

श्री अध्यक्ष : जाकिर जी, मुझे लगता है कि आपने श्री केहर सिंह जी के या किसी अन्य माननीय सदस्य के प्रश्न पर इन सब बातों का विस्तार से जिक्र कर दिया था।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, मैंने किसी भी प्रश्न पर कोई जिक्र नहीं किया। वह प्रश्न तो दोबालू माईनर के बाढ़ और सेम के बारे में था। इस ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में चर्चा जरूरी है क्योंकि यह 2 लाख एकड़ जमीन और 30 लाख लोगों की जिंदगी का सवाल है। इस तरह हमारे दोनों ध्यानाकर्षण प्रस्ताव मंजूर किए जाएं।

विभिन्न मामले उठाना

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज): अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूँ कि पहले दिन कांग्रेस पार्टी के सदस्य पकौड़े बेच रहे थे और दूसरे दिन गन्ने लेकर आए थे। क्या इनके पास और कुछ नहीं रहा है जो आज कुछ भी नहीं लेकर आए हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती शकुंतला खटक : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय भांग के पकौड़े खाकर आज सदन में नहीं आए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कांग्रेस पार्टी ने तो यह मान लिया है कि पकौड़े भांग के थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमेन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बात सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूँ जिसका श्री जाकिर हुसैन जी, श्री नसीम अहमद और श्री ओम प्रकाश बरवा भी जिक्र कर रहे थे कि पूरे इलाके के अंदर ओलावृष्टि हुई थी। मेरे अपने निर्वाचन क्षेत्र में 2017 में बारिश आई थी और काफी नुकसान हुआ था। अध्यक्ष महोदय, किसी भी एक दिन इस पर सदन में चर्चा होनी चाहिए ताकि मंत्री जी का जवाब आ जाये। अलग–अलग क्षेत्रों में बारिश के कारण बहुत भारी नुकसान हुआ है। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मैं आपके माध्यम से सदन में यह कहना चाहता हूँ कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र में वर्ष 2013 में नैशनल हाईवे–352 के लिए

लोगों की जमीन अधिग्रहण की गई थी। रोहतक जिले के अंदर किसानों को मुआवजे की राशि 1 करोड़ रूपये से लेकर 70 लाख रूपये तक दी गई लेकिन जैसे ही मेरे निर्वाचन क्षेत्र में मुआवजा देने की बारी आई तो वहां 22 लाख रूपये से केवल 10 लाख रूपये किसानों को मुआवजा दिया गया। आज वे किसान 60 दिन से उचित मुआवजे के लिए धरने पर बैठे हुए हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी का कोई भी मंत्री उनकी सुध लेने नहीं गया। अध्यक्ष महोदय, इतना बड़ा भेदभाव भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर रही है। वर्ष 2015 में भारतीय जनता पार्टी श्वेत पत्र लेकर आई थी कि हम भेदभाव को दूर करेंगे। अध्यक्ष महोदय, इतना बड़ा अन्याय इस निर्वाचन क्षेत्र से इसलिए किया गया था क्योंकि इस क्षेत्र के लोगों ने कांग्रेस पार्टी के सदस्य को चुनाव में हरा दिया था। अध्यक्ष महोदय, यह बड़ी हैरानगी की बात है कि राष्ट्रीय राज मार्ग संख्या 352(पूर्व में संख्या 71) के निर्माण के लिए रोहतक से दातासिंहवाला (नरवाना) वाया जींद तक जमीन अधिग्रहण की गई थी। जैसे ही हमारे जीन्द जिले की सीमा शुरू होती है उसमें जुलाना हल्के के गांवों की जो जमीन एक्वायर की गयी है वहां पर 12 लाख से 19 लाख रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया गया है परन्तु रोहतक जिले के साथ लगते गांवों की जमीन का लगभग 45 लाख, 54 लाख व 65 लाख रूपये तक मुआवजा दिया गया है। इस काम के लिए 175 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया था। एक साथ एक्वायर की गयी जमीन का अलग–2 मुआवजा देकर हमारे हल्के के किसानों के साथ अन्याय किया गया है। मेरी आपके माध्यम से रिकवेस्ट है कि इस मामले को चलते हुए काफी समय हो गया है लेकिन किसानों की कोई सुध नहीं ली गयी है। क्या माननीय मंत्री जी इस बात का जवाब देंगे और किसानों के साथ हुए भेदभाव को दूर करेंगे। पिछली सरकार के द्वारा किसानों के साथ जो अन्याय किया गया है, यह मामला सरकार के संज्ञान में है। हम इस मामले में संबंधित डिप्टी कमिश्नर से भी मिल चुके हैं कि वर्ष 2013 के हिसाब से मुआवजा देकर किसानों के साथ न्याय कर दें। आपकी सरकार ने भी घोषणा की हुई है कि हम इसी रेशो के हिसाब से मुआवजा देंगे।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, यह तो वही कहावत है कि नानी खसम करके भाग गई और दोहते को सजा देना चाहते हैं। यह मामला पिछली सरकार के समय का है और माननीय सदस्य हमारी सरकार को दोष दे रहे हैं । (विघ्न)

श्री अध्यक्षः माननीय मंत्री जी ने केवल लोकोक्ति कही है और किसी के खिलाफ कुछ नहीं कहा है । (विघ्न)

श्रीमती शकुंतला खटकः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी महिलाओं के ऊपर गलत टिप्पणी कर रहे हैं । (विघ्न)

श्री आनंद सिंह दांगीः अध्यक्ष महोदय, माननीय शिक्षा मंत्री जी ने जो बात कही है, वह बात ठीक नहीं है । (विघ्न)

श्री अध्यक्षः दांगी जी, माननीय मंत्री जी, की इस बात का महिलाओं से कोई संबंध नहीं है । (विघ्न)

श्रीमती शकुंतला खटकः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी, ने जो बात कही है, वह गलत बात है । (विघ्न)

श्री परमेन्द्र सिंह ढुलः अध्यक्ष महोदय, मुझे माननीय मंत्री जी की बात से बहुत रोष हुआ है। अगर किसी के साथ कोई भेदभाव होता है तो उस भेदभाव को दूर करने की जिम्मेवारी सरकार की बनती है । (विघ्न)

(इस समय श्रीमती शकुंतला खटक अपनी सीट पर से उठकर वैल में आकर संसदीय कार्य मंत्री की सीट के सामने आकर उनकी तरफ कुछ कागजात फेंककर चली गयी।)

श्री अध्यक्षः शकुंतला जी, यह हाउस है आप ऐसे नहीं कर सकती। आप कुछ भी करेंगी, यह नहीं चलेगा। यह कोई तरीका नहीं है कि आप माननीय मंत्री जी की सीट के सामने आकर कागज फेंक कर चली जाएं। (विघ्न) यह हाउस है और आप हाउस की मर्यादा बनाये रखें। सदन में कोई भी माननीय सदस्य इस तरह से कागज फेंककर नहीं जा सकता। आपको बोलने के लिए टाईम दिया जाएगा । (विघ्न)

श्रीमती शकुंतला खटकः अध्यक्ष जी, मैंने कोई कागज नहीं फेंका है। मैंने तो सिर्फ महिलाओं की बात कही है । (विघ्न)

श्री अध्यक्षः शकुंतला जी, आपको बोलने के लिए टाईम दिया जाएगा। आप बैठ जाईये।

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, हमारे कांग्रेस के माननीय सदस्यों को न तो हरियाणवी समझ में आती है और न ही पंजाबी समझ में आती है। कल हमारे माननीय सदस्य जत्थेदार सरदार बख्शीश सिंह विर्क ने माननीय सदस्या को आदर के साथ पंजाबी में बेबे कहा था, पंजाबी भाषा में बेबे को मां कहा जाता है और बेबे

बड़ी बहन को भी कहा जाता है, लेकिन माननीय सदस्यों ने इस बात पर भी हल्ला किया था। नानी मां भी मां होती है। इसलिए नानी से ज्यादा आदर किसी का नहीं हो सकता है। यह तो सिर्फ हरियाणवी भावना को व्यक्त करने के लिए हरियाणवी भाषा की लोकोक्ति कही गयी है। माननीय सदस्यों को हरियाणवी भावना को समझना चाहिए। आज अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपर हमने माताओं और बहनों का सम्मान किया है। माननीय सदस्य श्री परमेन्द्र सिंह ढुल की बात के संबंध में मैं चाहूंगा कि माननीय सदस्य अपनी बात लिखकर दे दें, हम इसकी जांच करवाकर संबंधित किसानों को राहत दिलवाएंगे । (विघ्न)

श्री परमेन्द्र सिंह ढुलः अध्यक्ष महोदय, मेरा माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि वे हाउस में जांच करवाने का आश्वासन दे दें, तो मैं माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करूंगा।

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य यह बात लिखकर दे दें और सही तरीके से लिखकर दें दे तो हम इस मामले की जांच करवा देंगे और संबंधित किसानों को न्याय दिलवाएंगे।

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो हरियाणवी भाषा समझायी है। क्या यही हरियाणवी भाषा प्रदेश के स्कूल/कॉलेजों में बच्चों को पढाई जानी चाहिए (विघ्न) ?

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बात सदन में कहना चाहता हूँ कि पिछले दिनों गोवा की सरकार के भारतीय जनता पार्टी के एक मंत्री ने हरियाणा प्रदेश की अढ़ाई करोड़ जनता के बारे में अपशब्द कहे थे। हमारे प्रदेश के नौजवान भारत की सीमा पर खड़े होकर देश की रक्षा करते हैं और प्रदेश के किसान देश के खाद्यान का भण्डार भरते हैं, उनके बारे में अपशब्द कहा गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके मार्फत मांग करता हूँ कि उस मंत्री के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज होना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से श्री करण सिंह दलाल को बताना चाहता हूँ कि उसी समय इस संबंध में हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने और मैंने गोवा के माननीय मुख्यमंत्री जी से बात की थी। हमें कहा गया कि श्री विजय देसाई ने गोवा के लोगों के द्वारा भेजी गई एक वीडियो क्लिप दिखाई थी, जिसमें हरियाणा रजिस्ट्रेशन की बस जिसमें बच्चे घूमने के लिए गए हुए थे, उसमें से एक बच्चा चलती बस से टॉयलेट कर रहा था और पीछे से एक स्कूटर सवार पर गिर

रहा था। हरियाणा के बारे में श्री विजय देसाई द्वारा की गई टिप्पणी पर गोवा के माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने श्री विजय देसाई से क्षमा याचना करवाई थी, इसलिए वह बात वहीं समाप्त हो जाती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, उस गोवा के मंत्री के खिलाफ एफ.आई. आर. दर्ज होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, जब माफी ही मांग ली तो सब कुछ क्लीयर हो गया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जो मंत्री ने माफी मांगी है, वह सदन के पटल पर होनी चाहिए जिससे पता चले कि उन्होंने क्या माफी मांगी है। (शोर एवं व्यवधान)

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण लाल पंवार) : अध्यक्ष महोदय, अभी सदन में गोवा के संबंध में हरियाणा रोड़वेज की बस का जिक्र आया है। हरियाणा परिवहन की बस गोवा नहीं जाती है। कोई प्राईवेट बस हरियाणा से रजिस्टर्ड होकर हो सकती है, इसलिए इस बात को खत्म कर देना चाहिए।

श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया : अध्यक्ष महोदय, सदन को निंदा प्रस्ताव लाना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जब उसने माफी ही मांग ली और अपनी गलती भी मान ली तो फिर निंदा प्रस्ताव लाने का क्या मतलब रह गया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती नैना सिंह चौटाला: अध्यक्ष जी, 23 दिसम्बर, 1995 को हरियाणा प्रदेश के डबवाली के एक स्कूल में आग लग गयी थी । (विघ्न)

श्रीमती गीता भुक्कल: अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय शिक्षा मंत्री जी ने महिला अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर एक मदर के बारे में जो बात कही है वह ठीक नहीं है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: गीता जी, यह तो सिर्फ कहावत कही गयी है। इसमें यही समझाया गया है कि गलत कार्य किसी ने किया है और सजा दूसरों को मिल रही है। यह बात किसी माननीय सदस्य के एगेंस्ट नहीं है।

श्रीमती गीता भुक्कल: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी अच्छी कहावत भी तो कह सकते हैं।

श्री कुलदीप शर्मा: अध्यक्ष महोदय, यह कहावत किसलिए कही गयी थी और किस संदर्भ में कही गयी थी, हम इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं । (विघ्न)

श्रम एवं रोजगार मंत्री (श्री नायब सिंह सैनी) : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्यों के पास कोई मुददा नहीं है । (विघ्न) इसलिए वॉक आउट करने के लिए बहाना ढूंढ रहे हैं । (विघ्न)

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि अगर ये महिलाओं के सम्मान के लिए सदन में खड़े होकर 2 लाइन कह देते तो हमें बहुत अच्छा लगता।

श्रीमती नैना सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगी कि 23 दिसम्बर, 1995 को डबवाली के डी.ए.वी. स्कूल में अग्निकांड हुआ था और उसमें 442 बच्चों की मौत हुई थी। अध्यक्ष महोदय, इस अग्निकांड में श्री अनिल राव, डी.एस.पी. की बेटी की भी मौत हुई थी। अध्यक्ष महोदय, उन बच्चों के लिए श्मशान घाट भी छोटा पड़ गया था और उसके बाद उन बच्चों का खेतों या दूसरी जगह पर दाह–संस्कार हुआ था। अध्यक्ष महोदय, हमारे डबवाली में ब्लड–बैंक नहीं है। अध्यक्ष महोदय, हर साल अग्नि पीड़ितों की याद में जो रक्त दान शिविर लगता है और उन शिविरों में रक्त लेने के लिए लोग जयपुर और दिल्ली से आते हैं। अध्यक्ष महोदय, ब्लड बैंक न होने की वजह से वह ब्लड खराब हो जाता है और उसे फेंकना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह भी कहना चाहूंगी कि अग्नि पीड़ितों की याद में जो स्मारक बना हुआ है, उसे सरकार अपने अधीन ले ले तो अच्छा होगा। अध्यक्ष महोदय, उस स्मारक में एक ई–लाइब्रेरी है, जिसका रख–रखाव वहां के कर्मचारी करते हैं और उन कर्मचारियों को सैलरी भी नहीं मिलती है। उस लाइब्रेरी का अच्छे तरीके से रख–रखाव भी नहीं हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगी कि हमारे डबवाली में एक ब्लड–बैंक खोला जाए और अग्निकांड पीड़ितों की याद में जो स्मारक बनाया गया था उसे सरकार अपने अधीन कर ले ताकि उसका अच्छे तरीके से रख–रखाव हो। उस अग्निकांड में 442 बच्चों की मौत हुई थी, उस समय डी.ए.वी. स्कूल के प्रबंधन बोर्ड ने उन बच्चों के परिवारों को मुआवजा राशि देने के लिए कहा था। अध्यक्ष महोदय, उनका आज के दिन 3,42,24000 रुपये की मुआवजा राशि बकाया बन रही है। सिरसा कोर्ट ने 28 फरवरी, 2018 का समय दिया है। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि उन अग्नि पीड़ितों को मुआवजा राशि 23 सालों से नहीं मिली है। अध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार से रिक्वेस्ट है कि वे उन अग्नि पीड़ितों को वह मुआवजा राशि दिलवाए और दूसरी बात यह है

कि सरकार उस स्मारक को अपने अधीन ले ले और वहां पर इसके साथ–साथ एक ब्लड–बैंक भी खोला जाए।

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : अध्यक्ष महोदय, मैडम ने जहां तक ब्लड बैंक की बात की है तो मैं उनको बताना चाहूंगा कि हमारे हर जिले के डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में पहले से ही ब्लड–बैंक है और ब्लड–बैंक खोलने के जो राष्ट्रीय मानक होते हैं वे यह हैं कि जहां पर 2 हजार यूनिट्स से ज्यादा ब्लड ट्रांसफ्यूजन होता है वहां पर ब्लड–बैंक खोला जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि डबवाली में आज के दिन 1 हजार ही ब्लड ट्रांसफ्यूजन होता है।

श्रीमती नैना सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगी कि वहां पर एक डोनेशन कैम्प लगा था और उसमें जयपुर की टीम आई थी। कृपया मंत्री जी वहां जाकर पता करवाएं, क्योंकि इन्होंने तो डबवाली को बिल्कुल ही इग्नोर कर दिया है।

श्री अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि ये मेरी पूरी बात सुन लें। वहां पर ब्लड ट्रांसफ्यूजन 1 हजार यूनिट्स से कम है, चूंकि डबवाली जिला अस्पताल से काफी दूर है। इस बात को मद्देनजर रखते हुए, मैंने अपने अधिकारियों को आदेश दिए हैं कि वे वहां पर जाकर पता लगाएं कि वहां पर ब्लड–बैंक खोला जा सकता है या नहीं ? अगर वहां पर फिजीबल हुआ तो हम वहां पर ब्लड–बैंक खोल देंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं यह आश्वासन माननीय सदस्या को देता हूं।

श्रीमती नैना सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगी कि आज भी हमारे डबवाली के हॉस्पिटल में डॉक्टर नहीं हैं और अगर ये उसकी बिल्डिंग की हालत देखें तो इनको पता चलेगा कि उसकी जर्जर हालत हो चुकी है और कभी भी गिर सकती है। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने हमारे गांव में एक भी विजिट नहीं की है। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी आज हमें सिर्फ आश्वासन दे रहे हैं क्योंकि हमें ऐसा लगता है कि यह काम पूरा होते–होते इनकी सरकार के 5 साल पूरे हो जाएंगे।

श्री अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि कल रात को मैंने विभाग के कर्मचारियों के साथ बैठकर मीटिंग की थी और हमने 157 डॉक्टर्ज को, जहां–जहां आवश्यकता थी वहां–वहां लगाया है।

अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि अगर ये सारे डॉक्टर ज्वाइन कर लेंगे तो पूरे हरियाणा में ऐसी कोई पी.एच.सी. नहीं रहेगी, जहां पर डॉक्टर नहीं होंगे।

श्रीमती नैना सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगी कि मेरे गोरीवाला और कालवाना में एक भी डॉक्टर नहीं है।

श्री अध्यक्ष: नैना जी, मंत्री जी बता रहे हैं कि सारे डॉक्टर ज्वाइन कर लेंगे तो यह समस्या दूर हो जाएगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में ह्यूमन राईट्स कमीशन नहीं है इस बारे में मैंने कालिंग अटैंशन मोशन दिया था उसका क्या फेट है ?

श्री अध्यक्ष : यह कालिंग अटैंशन मोशन अस्वीकार कर दिया गया है । इसमें कालिंग अटैंशन मोशन जैसी कोई बात नहीं है । इस बारे में आप बजट पर बोलते समय चर्चा कर लेना । (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी जीरो आवर है और मुझे दो बहुत ही महत्वपूर्ण बात कहनी हैं । जब 2014 का पंचायत चुनाव होना था उस समय आचार सहिंता लगी हुई थी । उस दौरान 4.30 करोड़ रुपये हथीन ब्लोक में निकाले गए । सी.एम. विंडो पर भी इसकी शिकायत हुई थी और जांच भी हुई थी । उस जांच में विभागीय अधिकारियों और कुछ नेताओं को दोषी पाया गया था । आर.टी.आई. में यह जवाब दिया गया था कि वे लोग दोषी हैं । मुख्यमंत्री जी ने भी इसी सदन में आश्वासन दिया था कि उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी । सी.एम. फलाईंग वहां पर गई थी और वे 22 लाख रुपये लेकर बैरैंग लोट आई लेकिन दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई । जब आचार सहिंता लगी हुई थी तो ऐसी क्या जल्दी थी कि वह पैसा निकालकर उसका मिसयूज किया गया । मौजूदा सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन का नारा दिया हुआ है मैं चाहता हूं कि मुख्यमंत्री जी दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करवायें । अध्यक्ष महोदय, दूसरा विषय मैं पलवल शुगर मिल के बारे में उठाना चाहूंगा कि वहां पर इस वर्ष 36 लाख क्विंटल की बोंडिंग तय हुई है और 220 से 250 क्विंटल प्रति एकड़ की मात्रा तय की गई है । अब तक पलवल शुगर मिल में 1868900 क्विंटल गन्ने की पिराई हो चुकी है । गुड़गांव, मेवात, पलवल और फरीदाबाद इन चार जिलों का गन्ना इस शुगर मिल में आता है । मैंने पलवल शुगर मिल को अपग्रेडेशन के लिए प्रश्न लगाया था जिसमें कहा गया था कि घाटे में होने के कारण इस शुगर मिल को अभी अपग्रेड नहीं किया जायेगा । इस शुगर मिल में 146829 क्विंटल शीरा का उत्पादन पिछले साल

हुआ था और वह 710 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बेचा गया था । इस साल अब तक 86560 क्विंटल शीरा इस शुगर मिल में निकल चुका है और इसको बेचने की टैंडरिंग 202 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से की गई है । इस तरह से अनुमानत 7.50 करोड़ रुपये का घोटाला हो चुका है । हमारे सहकारिता मंत्री श्री मनीष कुमार ग्रोवर जी हैं इनको इस तरफ विशेष ध्यान देना चाहिए । तीन दिन के आनन–फानन के नोटिस पर यह टैण्डर किया गया है और अब तक 17849 क्विंटल शीरे की लिफ्टिंग हो चुकी है । इस टैण्डर को खारिज करके दोबारा से टैण्डर किए जायें ताकि शीरे का सही भाव पलवल शुगर मिल को मिल सके। यह शुगर मिल पहले ही 200 करोड़ रुपये के घाटे में चल रही है इसलिए इस पर तुरंत कार्रवाई की जाये ताकि यह शुगर मिल घाटे से बच सके । सरकार का दायित्व बनता है कि इस तरह के भ्रष्टाचार को तुरंत रोका जाए ।

महेन्द्रगढ़ के नगर पार्षदों का अभिनंदन

शिक्षा मंत्री(श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, नगर परिषद, महेन्द्रगढ़ के पार्षद दर्शक दीर्घा में विधान सभा की कार्यवाही देखने के लिए बैठे हुए हैं । मैं पूरे सदन की तरफ से उनका अभिनंदन करता हूं ।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचना

श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया : अध्यक्ष महोदय, मैंने भूना शुगर मिल के बारे में कालिंग अटैंशन मोशन दिया था उसका क्या फेट है ?

श्री अध्यक्ष : आपका यह कालिंग अटैंशन मोशन अभी विचाराधीन है ।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी महिलाओं/कन्याओं को बधाई

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, आज अंतराष्ट्रीय महिला दिवस है इस बारे में भी हमें चर्चा करने के लिए समय दिया जाये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैडम, इसके लिए आज दोपहर बाद 3.00 बजे का समय निश्चित किया गया है । 3.00 बजे आप इस विषय पर बोल लेना । (शोर एवं व्यवधान)

श्री असीम गोयल : अध्यक्ष महोदय, मुझे एक मिनट का समय दिया जाये । मैं केवल एक मिनट में अपनी बात खत्म कर दूंगा । आज इस महान सदन में महिला दिवस के उपलक्ष्य में मैं सभी को बधाई देता हूं और दो लाईनें महिला सशक्तिकरण के नाते सभी को समर्पित करता हूं –

यह मीरा की अमर भक्ति है, कभी मर नहीं सकती ।
यह झांसी की रानी है किसी से डर नहीं सकती ।(2)
साक्षी, गीता, बबीता और मन्नु ये सभी बेटियां हैं,
कौन कहता है कि बेटियां कुछ कर नहीं सकती । (2)

श्रीमती नैना सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बहुत लम्बा–चौड़ा भाषण महिला दिवस पर दे रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैडम, इन्होंने अपने आकलन से दो लाईनें महिलाओं की तारीफ में बोली हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री असीम गोयल : अध्यक्ष महोदय, मैंने अपने प्रदेश की उन चार बेटियों का नाम लिखा है जिन्होंने देश और हरियाणा का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया है। (शोर एवं व्यवधान) इसमें किसी तरह की राजनीति की बात नहीं है । इन लोगों को इन बेटियों का यहां नाम लेने पर भी ऐतराज है तो ये लोग महिलाओं के विरोधी हैं । (शोर एवं व्यवधान) इनको स्वीकार करना चाहिए कि इनकी पार्टी महिला विरोधी पार्टी है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्लीज, आप सभी बैठें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री असीम गोयलः क्या ये लोग इन जाट बेटियों को हरियाणा की बेटी नहीं मानते? (शोर एवं व्यवधान) मैंने अपनी कविता में उन चार बेटियों का नाम लिया है जिन्होंने हमारा मान बढ़ाया है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्लीज आप सभी बैठें । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती नैना सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं केवल यही कहना चाह रही हूं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्लीज, आप सभी बैठें । मैडम, क्या माननीय सदस्य ने कोई गलत बात कही है ? (शोर एवं व्यवधान) प्लीज, आप सभी बैठें । मैडम, आपको तीन बजे महिला दिवस पर बोलने के लिए अवसर दिया जायेगा । अभी आप बैठें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री असीम गोयल : अध्यक्ष महोदय, मैंने आपकी अनुमति से चार बेटियों की महिला दिवस पर प्रशंसा की है उसमें इनको ऐतराज क्यों है ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमेन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, नैना सिंह चौटाला जी महिला दिवस पर कुछ कहना चाहती हैं । आप इनको भी अभी समय दे दें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य ने महिला दिवस पर प्रदेश की बेटियों की तारीफ की है क्या उसमें आपको कोई दिक्कत है ? (शोर एवं व्यवधान) प्लीज, आप सभी बैठें । (शोर एवं व्यवधान) दोपहर बाद 3 बजे नैना जी को समय दिया जायेगा । उस समय ये महिला दिवस पर अपनी बात कह लें । (शोर एवं व्यवधान) आज तक ऐसा कभी नहीं हुआ है कि नैना जी ने बोलने के लिए हाथ उठाया हो और मैंने इनको बोलने के लिए समय न दिया हो । (शोर एवं व्यवधान)

श्री असीम गोयल : अध्यक्ष महोदय, मैंने आपकी अनुमति से चार बेटियों की महिला दिवस पर प्रशंसा की है उसमें इनको ऐतराज क्यों है ? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती नैना सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमें गीता, बबीता, मन्नु और साक्षी मलिक इन सभी पर गर्व है । (शोर एवं व्यवधान) मैं तो केवल यही कहना चाह रही हूं कि सरकार ने एक फौजी की विधवा के साथ न्याय नहीं किया इसलिए उस महिला ने अपना सर मुंडवा लिया है । उसके साथ भी सरकार न्याय करें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य ने महिलाओं के सम्मान में बहुत अच्छी लाईनें सुनाई और उस पर आप एकदम रियेक्शन देंगे तो वह ठीक नहीं लगता । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती नैना सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं इन बेटियों का खुलकर समर्थन कर रही हूं लेकिन जिस फौजी की विधवा ने न्याय न मिलने के कारण अपना सर मुंडवा लिया है उसकी तरफ भी सरकार ध्यान दे । (शोर एवं व्यवधान)

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा पुनरारम्भ

श्री अध्यक्ष : अब राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा का पुनरारम्भ होगा ।

श्री उदयभान (होडल) (अनुसूचित) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। महामहिम राज्यपाल महोदय ने 5 मार्च को जो अभिभाषण पढ़ा था उसको देख कर लगता है कि उसमें कोई विजन नहीं है। सरकार ने कोई नीतिगत फैसला नहीं लिया है जिसके बारे में यहां पर डिस्कस किया जा सके। यहां पर बार–बार हमारे साथियों ने सबका–साथ, सबका–विकास नारे पर बड़ा भारी जोर दिया। आज मैं सबसे पहले उसी सन्दर्भ में अपनी बात रखना चाहूंगा कि पलवल जिला भी हरियाणा प्रदेश का हिस्सा है। वहां पर विपक्ष के तीन विधान सभा क्षेत्र हैं । पलवल, होडल और हथीन के साथ सरकार ने पूरी तरह से नाइंसाफी की

है। यह बात मैं तथ्यों के साथ रखना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, होडल विधान सभा क्षेत्र के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने 9 अक्तूबर, 2016 को 21 घोषणाएं की थी और आज के दिन वे सभी 21 घोषणाएं पैंडिंग हैं। किसी घोषणा पर भी काम शुरू नहीं किया गया है। घोषणा नं. 10089 जिसके तहत बावली खेड़ा और हसनपुर रोड़ पर आर.ओ.बी. बनना था और यह 13 दिसम्बर, 2014 की घोषणा है। अक्तूबर, 2014 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी थी और 2 महीने बाद ही मुख्यमंत्री महोदय पलवल गये थे लेकिन 4 साल हो गये अभी तक इस पर कोई कदम नहीं उठाया गया है। इसी प्रकार से घोषणा नं. 12530 जो कि 5 अप्रैल, 2016 को के. एम.पी. के उद्घाटन के समय जब नितिन गडकरी जी आये हुये थे तब मुख्यमंत्री जी ने घोषणा की थी कि हसनपुर में दोनों प्रदेशों को जोड़ने के लिए यमुना पर पुल बनाया जायेगा जो अलीगढ़ से सीधा जोड़ेगा। इससे जनता को भी फायदा होना था और विशेषकर हमारे हसनपुर को बहुत लाभ होना था। इसके साथ ही साथ सरकार को भी राजस्व प्राप्त होना था। इससे मंडी तक पहुंचने में भी बहुत फायदा होना था। वहां पर इस पुल को बनवाने के लिए 2 बार लोग आमरण अनशन पर भी बैठे थे लेकिन सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। 5 अप्रैल, 2016 से आज तक उस घोषणा को लगभग 2 साल हो गये हैं लेकिन सरकार की तरफ से इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया है। इसी प्रकार से घोषणा नं. 15174 के तहत हसनपुर और होडल में एक बस स्टैंड बनना था लेकिन वह भी पैंडिंग है। इसी तरह से महाराज अग्रसैन पार्क के लिए 5 करोड़ रुपये की ग्रांट देनी थी और जो इस समय होडल का बस स्टैंड है उस जगह पर यह पार्क बनना था लेकिन वह भी पैंडिंग है। इसी प्रकार से होडल में गर्ल्ज कॉलेज की घोषणा थी जिसके बारे में आज सुबह प्रश्न भी लगा हुआ था जिसके बारे में माननीय मंत्री जी ने आश्वासन दिया है कि हम उसको बनवायेंगे। उसके लिए मैं माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं लेकिन अभी तक वह भी पैंडिंग है। इसी प्रकार से बंचारी में 66 के.वी.ए. का सब–स्टेशन बनना था जिसका घोषणा नं. 15179 है वह भी पैंडिंग है। घोषणा नं. 15180 जिसमें 2 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत आनी थी जिसके तहत सब–तहसील हसनपुर बननी थी लेकिन वह भी पैंडिंग है। इसी तरह से 9 अक्तूबर, 2016 की ही की गई घोषणा नं. 15182 जिसके तहत सति सरोवर, होडल का रैनोवेशन का काम होना था जिस पर 2 करोड़ रुपये खर्च होने थे, वह भी पैंडिंग है। इसी तरह से घोषणा नं. 15183 के तहत होडल में पी.डब्ल्यू.डी. का रेस्ट

हाउस बनना था जो कि अंग्रेजों के समय का है और उसकी हालत बहुत जर्जर है जिसको तोड़ कर नया बनाना है लेकिन वह भी पैंडिंग है। इसी प्रकार से घोषणा नं. 15185 जिसमें 4 करोड़ रुपये की लागत से हाईवे पर बड़ोता चौक का पानी उझीना ड्रेन में डालना था लेकिन वह भी पैंडिंग है। घोषणा नं. 15186 के तहत होडल में हुडा का नया सैक्टर फ्लोट किया जाना था लेकिन वह भी पैंडिंग है। इसी प्रकार से घोषणा नं. 15187 भी पैंडिंग है। इसके अतिरिक्त घोषणा नं. 15189 जो डाडका माइनर और हथीन माइनर की थी वह भी पैंडिंग है। इसी तरह से घोषणा नं. 15190 के तहत होडल का बस अड्डा बनना था वह भी पैंडिंग है। इसी प्रकार से घोषणा नं. 15191 जो कि केवल 2 करोड़ रुपये की है, ये इस प्रकार के छोटे–छोटे काम भी नहीं होते हैं और पैंडिंग पड़े रहते हैं । इसी तरह की घोषणा नं. 15192 जो कि 5 करोड़ रुपये की है वह भी पैंडिंग है। घोषणा नं. 15195 सिर्फ 2 करोड़ रुपये की चमेली और बनवाला की है, वह भी पैंडिंग है। इसी तरह से घोषणा नं. 15196 के तहत होडल में एक्सियन ऑफिस शिफ्ट होना था वह भी पैंडिंग है। घोषणा नं. 15212 जो कि स्पोर्टस स्टेडियम से संबंधित थी वह भी पैंडिंग है। अंत में घोषणा नं. 15214 के तहत हसनपुर के विकास के लिए 2 करोड़ रुपये दिये जाने थे वह भी पैंडिंग है। इस प्रकार से इस सरकार का सबका–साथ, सबका विकास का नारा पूरी तरह से फेल है। अध्यक्ष महोदय, हमारे पलवल में के.जी.पी. यानि कुंडली–गाजियाबाद–पलवल एक्सप्रैस हाई–वे बन रहा है । बड़े अफसोस की बात है कि यह हाई–वे पलवल में बन रहा है और उसमें पलवल शहर को ही नहीं जोड़ा गया। उसमें पलवल शहर से कोई एग्जिट व एंट्री नहीं दी गई है। वह स्टेट हाई–वे अलीगढ़ के लिए, बुलंद शहर के लिए, खुड़जा के लिए, गौतम बुद्ध नगर के लिए मेन रास्ता है उसमें जो पलवल से अलीगढ़ रोड़ है उस पर कोई एग्जिट व एंट्री नहीं दी गई है । उस पर जितना भी ट्रैफिक आता है उसमें चाहे आगरा साईड को जाने वाला हो, चाहे जयपुर साईड को जाने वाला हो वह सारा का सारा ट्रैफिक पलवल शहर से गुजरता है जिससे पलवल शहर नरक बनकर रह गया है । ट्रैफिक की अधिकता से पलवल शहर में पूरी तरह से जाम लगा रहता है । उस रोड़ पर ट्रैफिक घण्टों खड़ा रहता है। जिससे उन गाड़ियों में जो तेल जलता है उसके धुएं से वहां के लोगों को वहां से निकलना दुभर हो गया है । जब नितिन गडकरी जी मोहना में आए थे तो उन्होंने खुद वहां का मौका देखा था और वह कह कर गये थे कि हम इस रोड़ पर एग्जिट और एन्ट्री दिलवाएंगे । यहां स्टेट

गवर्नमैंट ने भी कहा था कि हम इस रोड़ पर एग्जिट और एन्ट्री बनवाएंगे । लेकिन यह सिवाय झांसेबाजी के और कुछ भी साबित नहीं हुआ । अध्यक्ष महोदय, इस के. जी.पी. को बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत है । इसके लिए हमने आपसे आधा घंटे की डिस्कशन की मांग भी की थी कि पलवल के लिए उस रोड़ से पूरी तरह से एन्ट्री नहीं कर सकते हैं। जिससे सारा ट्रैफिक पलवल शहर से गुजरेगा जो सबके लिए बहुत भारी दिक्कत है क्योंकि अभी भी वह सारा ट्रैफिक उधर से गुजर रहा है । आज जितनी दिक्कत पलवल शहर को पार करने में हो रही है उतनी दिक्कत आज दिल्ली को पार करने में भी नहीं होती । लेकिन उसकी तरफ सरकार का कोई ध्यान नहीं है । सरकार 'सबका साथ व सबका विकास' की बात तो कर रही है लेकिन पलवल की तरफ किसी का ध्यान नहीं है । हमारे होडल में पिछली सरकार ने अनाज मण्डी के लिए 99 एकड़ तीन कनाल 18 मरले जमीन का किसानों से 96 करोड़ रूपये मुआवजा देकर अधिग्रहण किया था । आज इस सरकार को साढ़े तीन साल हो गये हैं लेकिन उस मण्डी को डवैल्प करने के लिए न कोई सड़क बनाई गई है, न कोई नाली बनाई गई है, न कोई उसका प्लेटफॉर्म है, न कोई शैड है, न ऑफिस है, न किसान के लिए कोई रैस्ट हाउस है । आज डवैल्पमैंट का काम पूरी तरह से ठप्प है । आज सरकार कान में तेल डाल कर सोई हुई है । इस सरकार ने साढ़े तीन साल से उस अनाज मण्डी में कोई काम नहीं किया । इसी तरह से होडल में सीवरेज और पानी की कोई व्यवस्था नहीं है । इसी तरह से मैं 'सबका साथ, सबका विकास' की कहावत पर सरकार की पोल खोल रहा हूं कि किस तरह से यमुना के दूषित पानी को लेकर कहीं भी जो घोषणाएं की गई हैं वह सारी झांसे बाजी है । वह सारी झूठी बाते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, माननीय उदयभान जी ने पलवल की चिन्ता की है । मैं उनको बताना चाहता हूं कि पिछली सरकार के समय के बहुत से काम रूके हुए थे जो ये के.एम.पी. मार्ग था वह भी पिछले 10 साल से रूका हुआ था । उदय भान जी, क्या आप यह चाहते हैं कि यह के.जी.पी. कुंडली–गाजियाबाद–पलवल मार्ग से पलवल को न जोड़ा जाए । पलवल के बारे में श्री करण दलाल जी बता देंगे क्योंकि वह पलवल में रहते हैं अब उन्होंने किठवाड़ी में रहना छोड़ दिया है । ये बता दें कि पलवल को के.एम.पी. से जोड़ा गया तो क्या उससे पलवल के लोगों को सुविधा नहीं हुई । के.जी.पी. से पलवल को जोड़ा

जा रहा है तो क्या उससे पलवल को सुविधा नहीं होगी ? उदय भान जी, सड़क बनने में समय लगता है ।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, अलीगढ़ रोड़ पर न तो एग्जिट है और न एन्ट्री है और अलीगढ़ रोड़ पर जितना ट्रैफिक है वह सारा उत्तर प्रदेश का है । वहां पर 10–10, 12–12 घण्टे जाम लगा रहता है । हमारा भी वहां से आना–जाना लगा रहता है । नितिन गडकरी जी ने यही कहा था कि अलीगढ़ रोड़ पर एग्जिट व एन्ट्री नहीं है बल्कि जो आगरा रोड़ है उस पर एग्जिट एन्ट्री है तो वह सारा ट्रैफिक पलवल के अन्दर से जाएगा ।

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जो माननीय मंत्री जी ने कहा है और चौधरी उदय भान जी हमारे तमाम जिले का जो दर्द ब्यान कर रहे हैं वह इनकी बात शत्प्रतिशत सही है । के.जी.पी. जो निर्माणाधीन है उसके नीचे से तीन मुख्य मार्ग गुजरते हैं जिसमें पलवल–अलीगढ़ रोड़ जैसा कि श्री उदय भान जी ने बताया है कि तमाम उत्तर प्रदेश खुर्जा, बुलंद शहर, अलीगढ़ की हजारों गाड़ियां हर रोज वहां से निकलती हैं । उन तीनों सडकों में से एक भी सड़क को के.जी.पी. से न एग्जिट किया गया है और न ही इन्टरलिंक किया गया है । उससे पलवल के लोगों को और वहां से गुजरने वाले लोगों को जो मथुरा, आगरा, वृन्दावन जाना चाहते हैं बहुत बड़ी दिक्कत हो रही है । वे लोग उस जाम में फंसे रहते हैं । अध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा कि मैंने इस पर एडजर्नमैंट मोशन भी दिया था तो अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे और साथ ही साथ मंत्री जी से भी निवेदन करता हूँ कि इस महत्वपूर्ण विषय पर सदन में आधा घंटे तक चर्चा करवाई जाये। अध्यक्ष महोदय, जैसाकि मुझे हरियाणा सरकार के एक मंत्री राव नरवीर जी ने बताया था कि "पलवल अलीगढ़ रोड़ को के.जी.पी के साथ जोड़ने संबंधी" विषय पर हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने केन्द्रीय सड़क परिवहन, राजमार्ग एवं जहाजरानी मंत्री श्री नितिन गड़करी जी को चिट्ठी लिखी है लेकिन यह जानकार दुख हुआ कि मुख्यमंत्री जी की उस चिट्ठी का कोई भी जवाब श्री नितिन गड़करी जी द्वारा आज तक नहीं दिया गया है। कई महीने हो चुके हैं, यह हालत तो हमारे हरियाणा के मुख्यमंत्री जी की है? केन्द्रीय मंत्री तक उनकी चिटिठ्यों का जवाब नहीं देते हैं?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): स्पीकर सर, आज सदन में उदय भान जी ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण जनहित का मुद्दा उठाया है। चौधरी जाकिर हुसैन जी जोकि बहुत सयाने, समझदार और पुराने अनुभवी आदमी हैं, वह भी इस विषय में

कुछ जानने के इच्छुक है, की जानकारी के लिए मैं बताना चाहूंगा कि जब नितिन गड़करी जी वर्ष 2016 में के.एम.पी. का उद्घाटन करने के लिए आए थे तो उस समय गड़करी जी ने के.जी.पी का संज्ञान लिया था। स्पीकर सर, एक तरफ तो पलवल को चारों दिशाओं से जोड़ने का काम किया जा रहा है, यहां के संबंधित विधायकों की दिक्कतों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर कटाक्ष करने का भी काम किया जा रहा है और जैसाकि उदय भान जी प्रश्न कर रहे हैं उससे तो ऐसा लगता है कि उदय भान जी चाहते हैं कि अलीगढ़ वाला रोड़ पहले बनाया जाये? (शोर एवं व्यवधान)

श्री जाकिर हुसैनः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी को उदय भान जी द्वारा किए गए प्रश्न का वास्तविक रूप बताना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, जो राजमार्ग पलवल को अलीगढ़ व कानपुर के साथ जोड़ता है उस राजमार्ग के उपर से के.जी.पी. एक्सप्रैस हाईवे निकलता है। इस राजमार्ग पर बहुत ज्यादा ट्रैफिक होता है। यदि इस राजमार्ग को के.जी.पी एक्सप्रैस हाइवे से जोड़ते हुए एंटरी और एग्जिट का प्रावधान किया जाये तो यहां पर हैवी ट्रैफिक की समस्या से निजात मिल सकती है।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, प्रस्तुत संदर्भ में मैं आपके माध्यम से श्री करण सिंह दलाल, श्री उदय भान तथा श्री जाकिर हुसैन जी को आग्रह करना चाहूंगा कि वे अपनी समस्या को लिखकर मुझे दे दे और उसमें यह भी बता दें कि इनकी समस्या का क्या समाधान हो सकता है। निश्चित रूप से इनकी समस्या का समाधान करवाया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय शिक्षा मंत्री जी पलवल जिले के गांव गांव से वाकिफ हैं। असल बात यह है कि अगर के.जी.पी. को पलवल अलीगढ़ मार्ग से पलवल रसूलपूर मार्ग व पलवल अलावलपुर मार्ग से कनैक्ट नहीं करेंगे तो तमाम ट्रैफिक पहले पलवल शहर में आयेगा और उसके बाद घूमकर के.एम.पी व के.जी.पी. पर ही जा पायेगा। यह मेन दिक्कत है।

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार काम करने वाली सरकार है। अतः श्री करण दलाल, श्री उदय भान तथा श्री जाकिर हुसैन जी इस समस्या के समाधान के लिए जो भी सुझाव देंगे, उन सुझावों पर चार महीने की निश्चित समयावधि में काम किया जायेगा। (इस समय मेजें थपथपाई गई।)

श्री जाकिर हुसैनः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूँ।

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनंदन

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : माननीय सदस्यगण, पूर्व विधायक श्री ईश्वर सिंह पलाका जी आज सदन वी.आई.पी. गैलरी में उपस्थित हैं, मैं अपनी ओर से और आप सबकी और से उनका स्वागत करता हूँ।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ और साथ ही यह निवेदन भी करना चाहूंगा कि क्यों न मंत्री जी, चौधरी जाकिर हुसैन जी, चौधरी उदय भान जी तथा मुझे श्री नितिन गड़करी जी के पास लेकर चलें? कारण यह है कि श्री नितिन गड़करी जी ने माननीय मुख्यमंत्री जी की चिट्ठी का जवाब तक नहीं दिया है।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, मैं एक बात आपके माध्यम से दलाल साहब को कहना चाहूंगा कि मैंने दलाल साहब को शिक्षा देते हुए अच्छी तरह से संस्कारित किया था लेकिन बावजूद इसके यह ठीक ट्रैक पर चलते–चलते आचानक बीच में ही वापिस यू–टर्न कर लेता है। यह बात ठीक कह रहे हैं और इनकी समस्या को ध्यान में रखते हुए मैं संबंधित समस्या से जुड़े सभी माननीय सदस्यों को आश्वस्त करता हूँ कि मैं एक सप्ताह के अंदर–अंदर इन तीनों माननीय सदस्यों को माननीय नितिन गड़करी जी से मिलाने के लिए लेकर चलूंगा।

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, आज सदन में माननीय मंत्री जी ने जिस प्रकार से हमारी समस्या को समझते हुए हल बताया है और हमें आश्वस्त किया है, उस परिपेक्ष्य में मैं माननीय मंत्री जी का बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, मैं एक दूसरी समस्या की ओर भी सदन का ध्यान दिलाना चाहूंगा और वह समस्या है यमुना में दूषित पानी की जिसके बारे में हमारे साथी समय समय पर सदन में आवाज भी उठाते रहते है। अभी पीछे हरियाणा विधान सभा की जन स्वास्थ्य, सिंचाई, बिजली तथा लोक निर्माण (भवन तथा सड़कें) संबंधी विषय समिति के पांच सदस्य ई.आई.सी, इरीगेशन के साथ किठवाड़ी हैड पर गए थे। यहां पर जैसे ही हम पहुंचे तो ई.आई.सी. इरीगेशन ने जेब से रूमाल निकाला और सीधा अपने मुंह पर रख लिया और कहने लग गए कि आप इतनी गंदी बदबू को किस तरह से सह लेते हो। अध्यक्ष महोदय, वहां पर कैमिकल अमोनिया युक्त पानी है जिसमें से झाग

और बदबू निकलती है। कहने का भाव यही है कि प्रदूषित पानी ने जीना मुहाल कर दिया है। कोई भी ऐसा विधान सभा का सैशन नहीं होता जिसमें इस मुद्दे को न उठाया जाता हो लेकिन रिजल्ट जीरो ही निकलता है। यह भी पता नहीं कि इस विषय में एन.जी.टी. क्या कर रहा है। यमुना एक्शन प्लान के तहत सीवरेज ट्रीटमैंट प्लांट्स का निर्माण किया जाना था उनका भी कुछ पता नहीं है? अध्यक्ष महोदय, दिल्ली के 38 गन्दे नाले यमुना नदी में पड़ रहे हैं जिनका गन्दा कैमिकलयुक्त पानी हमारे क्षेत्र में इस्तेमाल किया जाता है । इस गन्दे पानी की वजह से हमारे चार जिलों गुड़गांव, मेवात, पलवल और फरीदाबाद में कैंसर, पीलिया और लीवर व हड्डी से संबंधित रोगों के सबसे ज्यादा केसिज आ रहे हैं । हम हर सत्र में इस समस्या को बताकर चले जाते हैं लेकिन उसे कभी भी गम्भीरता से नहीं लिया जाता है । हरियाणा सरकार को इस मुद्दे को एन.जी.टी., दिल्ली में लेकर जाना चाहिए । हमें दिल्ली सरकार को यमुना नदी में गन्दा पानी छोड़ने के इशू पर चेतावनी देनी चाहिए । इसके अतिरिक्त सरकार को इस मामले को ऑनरेबल सुप्रीम कोर्ट में लेकर जाना चाहिए और उसमें दिल्ली सरकार को पार्टी बनाया जाना चाहिए । हमारे द्वारा हर सत्र में इस मामले को उठाया जाता है लेकिन उस कैमिकलयुक्त पानी को यमुना नदी में डालने से रोकने का कोई उपाय नहीं किया जाता है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : उदय भान जी, अब आप प्लीज वाइंड अप कर लीजिए । आपका बोलने का निर्धारित समय पूरा हो चुका है । (विघ्न)

श्री उदय भान : अध्यक्ष जी, हमारे क्षेत्र में यू.डी.डी. द्वारा वर्ष 1998 में 6.7 किलोमीटर पर एक रैगुलेटर बनाया गया था । यह रैगुलेटर वर्ष 2013 में खण्डित हो गया । इसका डी.सी.ई. एण्ड प्रोजैक्ट मैनेजर डब्ल्यू.ऐ.पी.सी.ओ.एस. (वैप) लिमिटेड से अध्ययन करवाया गया था । इस पर उन्होंने कहा कि यह रैगुलेटर बिल्कुल कंडम हो चुका है और नीचे कच्चा है । अब यह सक्सैस नहीं हो सकता । अतः इसको 7.5 किलोमीटर पर शिफ्ट किया जाना चाहिए परंतु अभी तक उसको शिफ्ट नहीं किया गया है । इसकी वजह से हमारे क्षेत्र के दर्जनों गांव प्रभावित हो रहे हैं और उनमें प्रोपरली सिंचाई नहीं हो पा रही है । अभी माननीय मंत्री जी सदन में बैठे हुए हैं । मेरा इनसे निवेदन है कि इसको शीघ्रातिशीघ्र शिफ्ट करवाया जाए । पिछले दिनों माननीय मंत्री जी मेरे हल्के होडल के गांव गढ़ी में गये थे । उस समय भी इस समस्या को उनके सामने उठाया गया था । मेरे हल्के में दो

माइनर 'डाडका माइनर' और 'डकौरा माइनर' हैं । सरकार कहती है कि हमने हर माइनर की टेल तक पानी पहुंचाया है । मेरा कहना है कि इन माइनर्ज के हेड पर भी पानी नहीं है । इस सरकार ने जनता से जो वादे किये थे उनको पूरा नहीं किया है । मैं पूछना चाहता हूं जिस एस.सी. कमीशन को अधिकार सम्पन्न बनाकर संवैधानिक दर्जा देने की बात कही गई थी उसका क्या हुआ ? बी.पी.एल. परिवारों को जो 50–50 गज जमीन पर मकान देने का वादा किया गया था उसका क्या हुआ ? सरकार ने एस.सी. कैटेगरी के लिए रिजर्वेशन इन प्रमोशन की बात कही थी उसका क्या हुआ ? जिन लघु उद्योगों को 2–10 लाख रूपये तक के कर्ज बिना ब्याज के देने की बात कही थी उसका कुछ नहीं हुआ । सरकार ने मजदूरों को जो 15000 रूपये न्यूनतम वेतने देने की बात कही थी उसका क्या हुआ ? सरकार ने जो एस.सी. कैटेगरी को प्रमोट करने के लिए इंडस्ट्रीज में 20 परसैंट छूट देने की बात कही थी उसका क्या हुआ ? (विघ्न)

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार बेदी) : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य उदय भान जी ने कई घोषणाओं के पूरी न होने की बात कही है । मेरा कहना है कि ये सारी घोषणाएं पूरी हो चुकी हैं । मेरे विचार से माननीय सदस्य इण्डिया में नहीं रहते हैं । (विघ्न)

श्री उदय भान : अध्यक्ष जी, इस सरकार ने प्रदेश में 50 हजार नौकरियां देने की बात कही थी । (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदी : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य ने अभी एस.सी. कमीशन को संवैधानिक दर्जा न देने और बी.पी.एल. परिवारों को मकान न देने की बात कही है । इस पर मेरा कहना है कि माननीय सदस्य न तो अखबार पढ़ते हैं और न ही टी.वी. देखते हैं । इनके नेता अभी अपनी नानी के घर घूमने गये थे । मुझे लगता है कि ये भी उनके साथ घूमने के लिए चले गये थे । हमने अपने कहे हुए सारे काम कर दिए हैं । हमने एस.सी. कमीशन और सफाई कर्मचारी आयोग बनाने की घोषणा कर दी है । इनको इस बात का पता ही नहीं है । ये सदन में बेवजह ही ऐसी बातें कर रहे हैं । इन्होंने जितना सोचा था हमने उससे ज्यादा काम कर दिए हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : उदय भान जी, अब आपकी स्पीच का टाइम काफी ज्यादा हो गया है । आपको बोलते हुए लगभग 17 मिनट हो चुके हैं । आपको बीच में डिस्टर्ब

किया गया था, इसीलिए मैंने आपको 5 मिनट का अतिरिक्त समय दिया था । (शोर एवं व्यवधान)

श्री उदय भान : अध्यक्ष जी, अभी 23 तारीख को प्रदेश में 2 मर्डर किये गये हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : उदय भान जी, आपको बोलते हुए अब 18 मिनट हो चुके हैं । आप 4–5 बार विधान सभा के सदस्य बन चुके हैं । अतः आपको अनुमान होना चाहिए कि एक सदस्य को अपनी स्पीच किस तरह से कितने टाइम में कम्पलीट करनी चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदी : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को मिर्चपुर और गोहाना की घटनाओं का भी जिक्र करना चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : उदय भान जी, आपको बोलते हुए 19 मिनट हो चुके हैं । मैंने हर सदस्य के लिए 10 मिनट का समय निर्धारित किया है । आप हाउस के सीनियर मैम्बर हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको बोलने के लिए डबल समय मिलेगा । अतः आपको अपने बोलने का समय हमसे प्राप्त समय के साथ एडजस्ट करना होगा । (शोर एवं व्यवधान) अब माननीय सदस्य जाकिर हुसैन जी अपनी बात रखेंगे । इनके अलावा किसी भी अन्य सदस्य की बात रिकॉर्ड नहीं की जाएगी । (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदी : अध्यक्ष महोदय, *****

श्री अध्यक्ष : अगर आप जैसे सीनियर सदस्यों का यही व्यवहार रहेगा तो फिर हाउस का सारा समय ऐसे ही निकल जाएगा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, *****

श्री अध्यक्ष : मेरा सभी सदस्यों से कहना है कि जिस सदस्य को जितना समय दिया जाए वह अपनी बात उसी समय सीमा में पूरा करें । किसी को भी निर्धारित समय से ज्यादा समय नहीं दिया जाएगा ।

श्री जाकिर हुसैन (नूंह) : अध्यक्ष जी, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं । स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से सरकार के संज्ञान में लाना चाहूंगा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में 'मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड'

***चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया ।**

का जिक्र नहीं किया गया है जबकि इसका वर्ष 1991 से राज्यपाल अभिभाषण में जिक्र होता आ रहा है । मेवात हरियाणा का एक पिछड़ा हुआ इलाका है और इस बात को सरकार भी मानती है । अतः सरकार को इस क्षेत्र के लिए कोई अच्छी योजना बनानी चाहिए और ऐसी याजनाएं सरकार हर साल बनाती है । इस बार राज्यपाल अभिभाषण में मेवात के लिए कोई ऐसी योजना बनाने का कोई हवाला नहीं दिया गया है । मेरा निवेदन है कि जब माननीय मुख्य मंत्री महोदय अपना रिप्लाई दें तो 'मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड' के बारे में अवश्य बताएं । इस सरकार ने हमारी बहन–बेटियों के लिए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा दिया है । इस तरफ सरकार के साथ–साथ अन्य सभी पार्टियों का काफी जोर है क्योंकि बहन–बेटियां सबकी सांझी होती है । सरकार ने मेवात के लिए एक 'बालिका शिक्षा वाहिनी' योजना बनाई है । यह योजना 'मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड में मंजूर भी हुई थी लेकिन इस योजना पर आज तक काम नहीं हुआ है । हमारे मेवात के क्षेत्र में बच्चियां पांचवी क्लास के बाद स्कूलों में नहीं जा पाती हैं और अच्छी शिक्षा नहीं ले पाती । मैंने आज सुबह भी शिक्षा के विषय में प्रश्न लगाया था । हरियाणा प्रदेश में अभी 22 कॉलेजिज को अपग्रेड किया गया है । हरियाणा के गांव कुरथला की एक बेटी फ्लाइंग ऑफिसर किरण शेखावत शहीद हो गई थी । माननीय मुख्य मंत्री महोदय और माननीय शिक्षा मंत्री महोदय कुरथला गांव में गये थे । वहां पर माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने घोषणा की थी कि उस बेटी के नाम पर कुरथला गांव में एक महिला कॉलेज खोला जाएगा । यह बात मैंने पिछले सत्र में उठाई थी तब माननीय शिक्षा मंत्री महोदय ने इस कॉलेज को खोलने की बात कही थी । बड़े दुःख की बात है कि कुरथला गांव में अब तक वह कॉलेज नहीं खोला गया है । यह हरियाणा की उस बेटी का अपमान है । अतः मेरी विनती है कि माननीय मुख्य मंत्री जी को कुरथला गांव में उस कॉलेज को प्रॉयर्टी के तौर पर खोलना चाहिए । उस बेटी को यह हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी । (विघ्न)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य चौधरी जाकिर हुसैन सही बात कह रहे हैं कि गांव कुरथला की बेटी किरण शेखावत शहीद हो गई थी । मैं और माननीय मुख्य मंत्री महोदय तब उस गांव में गये थे । उस समय लोगों ने उस बेटी के नाम पर गांव में एक महिला कॉलेज स्थापित करने की मांग रखी थी । मेरा मानना है कि कुरथला गांव की लोकेशन महिला कॉलेज स्थापित करने के लिए उचित नहीं है । इस कॉलेज के लिए सी.एम. अनाउंसमैंट

भी है । मेरा कहना है कि चौधरी जाकिर हुसैन जी इस कॉलेज के लिए स्वयं जगह निर्धारित कर लें । यह बात मैं उन पर छोड़ता हूं ।

श्री जाकिर हुसैन: अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय शिक्षा मंत्री जी मेवात के हर गांव से परिचित हैं, इसलिए मेरा माननीय मंत्री जी से आपके माध्यम से यह निवेदन है कि ये हमारे कुरथला गांव में आएं और कुरथला गांव के लोगों के साथ विस्तारपूर्वक विचार करके उस बहन के नाम पर शहीद स्मारक बनवाएं और माननीय मुख्य मंत्री जी ने जैसा कहा है उसी हिसाब से आप वहां स्मारक बनवाएं। मंत्री जी, आप तारीख तय कर लें, जब आप कहेंगे मैं आपका स्वागत करने के लिए संबंधित स्थान पर हाजिर मिलूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं कुरथला गांव से बाहर शहीद स्मारक को नहीं ले जाना चाहूंगा क्योंकि शहीद की समाधि गांव में ही है। कुरथला में ही शहीद स्मारक बनना चाहिए और सरकार को इसके लिए प्रयास करना चाहिए। हमारी दूसरी बात का जिक्र एडजर्नमैंट मौशन में भी किया गया था। एस. वाई.एल. नहर और दादूपुर नलवी नहर पर भी बार–बार बात हुई है लेकिन इसके साथ ही साथ हमारे मेवात जिले की कैनाल का मामला भी इसमें शामिल था। आप वहां पर रहकर देखें तो स्थिति का पता चल जाएगा क्योंकि अगर मेरे पास हनुमान वाली शक्ति होती तो मैं अपनी छाती फाड़कर भी आपके सामने दिखा सकता था। (विघ्न) बेदी जी, प्लीज आप इस बात में इन्टरफियर न करें। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस महान सदन के माननीय सदस्यों, अधिकारीगण तथा पत्रकार साथियों के संज्ञान में एक बात लाना चाहूंगा कि इस बात की तह तक जाने की बजाए इस मुददे को घुमाकर बातों में टालने की कोशिश की जा रही है। लेकिन यह मामला इस हद तक पहुंच चुका है कि अब यह बात चलने वाली नहीं है। इसके लिए जिम्मेवार चाहे कोई भी रहा हो, परन्तु मेन बात यह है कि हमारे क्षेत्र के लोगों के साथ अन्याय हुआ है। हरियाणा प्रदेश में पानी के बंटवारे के लिए एक सिस्टम बनाया गया था। इसके लिए दिनांक 20 अक्टूबर, 1961 को श्री बी.बी. महाजन डिप्टी सैक्रेटरी इरीगेशन/पॉवर (आई.ए.एस.) की अध्यक्षता में कमेटी बनाकर पंजाब के पानी को सिस्टम बनाकर बांटा गया था। मेरे पास इस लैटर की कॉपी है मैं यह सारे लैटर रिकार्ड पर प्लेस कर दूंगा। इसमें गुड़गांव कैनाल सिस्टम को पंजाब गवर्नमैंट के समय में बांटा गया था । उस समय मेरे दादा जी श्री यासीन खान पंजाब से विधायक होते थे इसमें एस.वाई.एल. का मामला भी शामिल था परन्तु उस समय एस.वाई.एल. बनने की बात नहीं आयी थी क्योंकि उस

समय दिल्ली में इतना पॉल्युशन नहीं था और पानी भी मिल रहा था। मैं वर्ष 1991 में विधायक बना था और मेरे पास वर्ष 1992–93 की विधान सभा की एस्टिमेट्स कमेटी की रिपोर्ट है उस कमेटी के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश बेरी जी थे। यह बात उस कमेटी की रिपोर्ट के पेज नं0 90 पर पैराग्राफ 16 में बताया गयी है कि–

> " The Committee further recommend that there should be an equitable distribution of water for irrigation purposes so that the farmers of each area in the State may get irrigation water for at least two weeks in a month. At present the farmers of certain areas get irrigation water for three weeks in a month while the farmers getting irrigation water from W.J.C. system; getting for a week only in a month. This injustice be removed and the irrigation water be distributed equitably."

ये सारी मांग उस रिपोर्ट में की गयी हैं।

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑडर यह है कि कमेटी द्वारा जो रिपोर्ट दी गयी है माननीय सदस्य इस रिपोर्ट को आगे भी पढ़े। अध्यक्ष जी, उस समय बेरी साहब के साथ–साथ मैं भी उस समय विधायक था। उसमें यह भी कहा गया था कि चौधरी देवीलाल और चौटाला जी की सरकार सारा पानी अपने जिले में ले गयी है परन्तु वह पानी मेवात फरीदाबाद, होडल और पलवल जिलों के लिए था।

श्री जाकिर हुसैनः अध्यक्ष महोदय, जब माननीय सदस्य को बोलने का मौका मिले तब यह बात ये ढूंढकर पढ़ लें। माननीय विधायक मेरी आंसर शीट पर अपनी बात क्यों एटैच कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आप माननीय सदस्य को कहें कि मुझे अपनी बात पूरी करने दें। दलाल जी, अगर आप मुझे 2 घंटे बोलने के लिए टाईम दिलवा दें तो मैं पूरी बात पढ़ दूंगा। इसलिए प्लीज, आप मेरी बात पर बीच में मत बोलिए।

श्री कृष्ण कुमार बेदीः अध्यक्ष महोदय, रिपोर्ट में तो जो मर्जी आए वह बात लिख दें परन्तु सिरसा जिले में सेम की समस्या हो गयी है और सिरसा जिले में वाटर लॉगिंग हो रहा है।

श्री अध्यक्षः बेदी जी, प्लीज आप बैठ जाईये । (विघ्न)

श्री जाकिर हुसैनः अध्यक्ष महोदय, आप बेदी जी को बैठाएं ताकि मैं अपनी बात पूरी कर सकूं । (विघ्न)

श्री कृष्ण कुमार बेदीः अध्यक्ष महोदय, सिरसा जिले में सेम की समस्या हो गयी है।

श्री अध्यक्षः बेदी जी, माननीय सदस्य बहुत ही गम्भीर बात कह रहे हैं। इसलिए आप बैठें।

श्री जाकिर हुसैनः अध्यक्ष महोदय, वर्ष 1992 और 1993 में जो गवर्नर एड्रैस हुआ था उस गवर्नर एड्रैस पर और बजट स्पीच में मेरी और बेरी साहब की भी स्पीच है और यह स्पीच फोटो कॉपी करवा कर मैं रिकार्ड पर प्लेस कर दूंगा। इसमें हमने पानी देने की डिमांड की थी। उस समय हमारे माननीय सदस्य श्री करण सिंह दलाल जी, श्री आनंद सिंह दांगी जी और राव इन्द्रजीत सिंह जी भी साथ होते थे और दक्षिण हरियाणा के 24 माननीय विधायक पानी की समस्या से इफैक्टिड होते थे। दक्षिण हरियाणा के अलावा रोहतक, झज्जर और सोनीपत जिलों ने भी पानी की मांग की थी और इस पानी को रि–डिस्ट्रिब्यूट करने की मांग की थी। पानी को रि–डिस्ट्रिब्यूशन की बात सरकार ने इस रिपोर्ट के बाद मानी।

12:00 बजे

अध्यक्ष महोदय, 13 जून, 1994 को हरियाणा सरकार के इरीगेशन डिपार्टमेंट ने एक लैटर जारी की और उस लैटर में लिखा हुआ था कि पूरे हरियाणा प्रदेश में 600 क्यूसिक पानी का रि–डिस्ट्रीब्यूशन हुआ है और हमें यमुना का 600 क्यूसिक पानी गुरुग्राम कैनाल पर दिया गया। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि हथनी कुंड बैराज बना, दिल्ली में पोल्यूशन का लैवल बढ़ा और हरियाणा में पानी की डिमांड भी बढ़ गई, जिसके कारण हमें पानी मिलना कम हो गया और हमारे पास तो केवल दिल्ली के सीवरेज का पानी आने लगा। (विघ्न)

श्री कृष्ण कुमार बेदीः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को कुछ बतना चाहूंगा, जिसके लिए मैं बस 1 मिनट का समय लूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जाकिर हुसैनः अध्यक्ष महोदय, कृपया मुझे बोलने दिया जाए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदीः जाकिर हुसैन जी, मैं आप की ही बात का समर्थन करूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि मैं मेवात में एक साल ग्रीवेंसिज कमेटी का चेयरमैन रहा हूं और जैसा जाकिर हुसैन जी बोल रहे हैं, मैं इनकी ही बातों का समर्थन करता हूं परंतु एक बार ये यह बता दें कि दक्षिण हरियाणा के साथ पाप किसने किया। अध्यक्ष महोदय, माखन लाल सिंगला जी पोस्टर लगाते हैं और कहते हैं कि सिरसा जिले के दो गांवों नहराना और मरानखेड़ा में वाटर लॉगिंग है। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि जिनकी पार्टी के ये एम.एल.ए. हैं वहां तो वाटर लॉगिंग है और मेवात प्यासा मर रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं श्री जाकिर हुसैन

जी से बस यह पूछना चाहूंगा कि क्या इनके साथ भेद–भाव बी.जे.पी. ने किया? ये इस बात को ईमानदारी से एक बार बता दें कि क्या इनके साथ भेद–भाव बी.जे.पी. ने किया ? (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं नसीम जी के साथ हूं और मैं बताना चाहूंगा कि मेवात में स्थिति वाकई में गंभीर है, लेकिन ये जवाब जरूर दे दें कि यह पाप किसने किया है ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री जाकिर हुसैनः अध्यक्ष महोदय, इतिहास में कौन किस पार्टी में था, इसके बारे में सभी को पता है और उसका असर देखा जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, आज इस सदन में बेदी साहब हरी कमीज पहनकर बैठे हुए हैं (हंसी) अध्यक्ष महोदय, ये तो हमारी पार्टी के झंडे के रंग की कमीज पहने हुए हैं अगर इनका मन कर रहा है तो हमें कोई एतराज नहीं हैं हम इनकी पुराने घर में वापसी कर लेंगे। इस तरह से तो ये हमें इंडीकेशन दे रहे हैं कि हमारी बात मानो, चलिए हमने इनकी बात मान ली, क्योंकि इन्होंने हमारी पार्टी के झंडे के रंग की कमीज पहनी हुई है।

श्री अध्यक्षः जाकिर हुसैन जी, ऐसे तो आज आपकी भी कमीज का रंग हरा नहीं है। (हंसी)

श्री जाकिर हुसैनः अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि उस समय हरियाणा में पानी के बंटवारे का रि–डिस्ट्रीब्यूशन हो गया और सरकार ने उस कमेटी की रिपोर्ट भी मान ली।

श्री राम बिलास शर्माः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि जो राजनीतिक आदमी होता है, उसकी असलियत सदन में आती है। अध्यक्ष महोदय, श्री जाकिर हुसैन जी की तीन पीढ़ियां राजनीति में हैं। अध्यक्ष महोदय, इनके अब्बू जान चौधरी तैयब हुसैन जी के साथ हमने इस सदन में काम किया है और इनके दादू जान चौधरी यासिन खान उस क्षेत्र को रिप्रजेंट करते थे। अध्यक्ष महोदय, श्री कृष्ण कुमार बेदी जी ने एक सवाल किया था कि दक्षिण हरियाणा के साथ भेदभाव किसने किया इसका जवाब जाकिर हुसैन जी से अच्छा कोई नहीं दे सकता है। अध्यक्ष महोदय, दक्षिण हरियाणा के साथ भेद–भाव किसने किया, इसका फैसला जाकिर हुसैन जी अपनी विरासत के हिसाब से अभी इसी सदन में कर दें। दक्षिण हरियाणा जैसे लोहारू, महेंद्रगढ़, नांगल चौधरी, नारनौल, कोसली और ये दक्षिण हरियाणा की फरीदाबाद और गुरुग्राम की बैल्ट इन सभी के साथ किस पार्टी ने भेदभाव किया ? हम सभी यही चाहते हैं कि इसका फैसला स्वयं श्री जाकिर हुसैन जी ही कर दें।

श्रम एवं रोजगार मंत्री (श्री नायब सैनी) : स्पीकर सर, पूर्व की सरकारों ने जितना भेदभाव दक्षिणी हरियाणा के साथ किया उससे कहीं ज्यादा भेदभाव उत्तरी हरियाणा के साथ किया गया।

श्री जाकिर हुसैन : स्पीकर सर, जब हरियाणा पंजाब का हिस्सा हुआ करता था उस समय सरदार प्रताप सिंह कैरों द्वारा एक पब्लिक मीटिंग ली जा रही थी। उस समय मेवात से चौधरी यासीन खां, एम.एल.ए. होते थे। उस पब्लिक मीटिंग में सरदार प्रताप सिंह कैरों स्पीच दे रहे थे और कह रहे थे कि मैं ऐत्थे ए करांगा, मैं ऐत्थे ए करांगा। चौधरी यासीन खां साहब उनसे उम्र में बड़े थे तो उन्होंने उससे उस समय माईक ले लिया और कहने लगे कि भाई तुम बाद में मेरे कपड़े मत फाड़ना क्योंकि ये सरदार गरजेगा यहां और बरसेगा राजपुरे से आगे की तरफ। मुझे उम्मीद है कि मेरी इस बात से श्री राम बिलास शर्मा जी भी सहमत होंगे। ये उस समय पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा हमारे साथ किया गया।

श्री अध्यक्ष : जाकिर जी, आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है इसलिए अब आप कृपया करके जल्दी वाईंड अप करें।

श्री जाकिर हुसैन : स्पीकर सर, इस ज्यादती का सबसे बड़ा कारण यह रहा कि उस समय हमारा जिला हिसार होता था जो कि काफी बड़ा था। हिसार में से ही भिवानी बना और हिसार में से ही सिरसा बना। अगर ये सिरसा के बारे में कहना चाहते हैं तो मैं इनको यह कहना चाहूंगा कि अगर सिरसा ने ज्यादती की है तो उसके सन् 1977 से सबसे बड़े सहयोगी श्री राम बिलास शर्मा जी और उनकी पार्टी ही रहे हैं इसलिए यह ज्यादती सबसे ज्यादा इन्होंने ही हमारे साथ करवाई है। ये फैसले लेने में सबसे आगे रहते थे। जहां तक हमारी पार्टी का सम्बन्ध है तो मैं यही कहना चाहूंगा कि आई.एन.एल.डी. ने तो मेवात को इतना दिया है कि उसका ब्यान नहीं हो सकता।

श्री अध्यक्ष : जाकिर जी, आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है इसलिए अब आप कृपया करके जल्दी वाईंड अप करें।

श्री जाकिर हुसैन : स्पीकर सर, मैं यह कहना चाहूंगा कि सन् 2005 तक हमारे इलाके को पर्याप्त पानी मिलता था। उसके बाद दिल्ली में पॉल्यूशन बहुत ज्यादा बढ़ गया था और रोहतक–सोनीपत–झज्जर की चौधर हरियाणा की सरकार में आ गई तो हमारे हिस्से का पानी इन जिलों में जाने लगा। इस प्रकार से हमारा पानी कम हो गया। सरकार ने मेवात फीडर कैनाल एक प्रोजैक्ट बनाया ताकि मेवात को

सीधा जे.एल.एन. से पानी दिया जा सके। इसी प्रकार से इससे गुड़गांव कैनाल में भी पानी देने की व्यवस्था की गई। नवम्बर, 2014 में यह स्कीम मंजूर हो गई थी। सैंट्रल वॉटर कमीशन ने भी इसको अपनी मंजूरी दे दी है। यह मामला डी.पी.आर. के लिए पैंडिंग है लेकिन फिर भी सरकार ने इस मामले में न तो एक भी पत्र लिखा और न ही इस मामले को परस्यू ही किया। मुख्यमंत्री जी और तत्कालीन सिंचाई मंत्री जी ने यह प्रपोज़ल तैयार करवाई कि मेवात को 300 क्यूसिक पानी कॉक्रोई हैड से के.एम.पी. के साथ पाईप डालकर दिया जाये क्योंकि अगर ऐसा किया जाता है तो इस प्रोजैक्ट के लिए जमीन भी एक्वॉयर नहीं करनी पड़ेगी।

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड) : आदरणीय अध्यक्ष जी, इस मामले में मैं जाकिर जी के लिए एक शेर अर्ज़ करना चाहता हूं। यह शेर मैंने अभी बनाया है। शेर है कि –

इतिहास के पन्नों को मत उठा जाकिर,
जिक्र अपनों का ही हर पन्ने पर दर्ज़ है।

श्री जाकिर हुसैन : स्पीकर सर, इसके लिए 69 लाख रूपये मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड में पास करके इस प्रोजैक्ट को बनाने के लिए आई.आई.टी., दिल्ली में दे दिये लेकिन अभी तक भी उसको स्कीम के लिए रैफरैंस नहीं गया है। सरकार की तरफ से अब तक भी यह नहीं बताया गया है कि यह पानी कौन से हैड से दिया जाना है। मैं पुनः बताना चाहूंगा कि मेवात को 300 क्यूसिक पानी कॉक्रोई हैड से के.एम.पी. के साथ पाईप डालकर दिया जाना है। मेरी अर्ज़ यह है कि उसको बार–बार घुमाया जा रहा है। हम अपने हक के पानी की मांग कर रहे हैं। हम किसी के हक का पानी नहीं मांग रहे हैं। आज हरियाणा प्रदेश में पानी कम है। यह बात हम मानते हैं। एस.वाई.एल. कैनाल जब बनेगी तब बनेगी। मेरा सरकार से यह अनुरोध है कि प्रो–रेटा बेसिज पर अगर पानी की उपलब्धता कम है तो हमें कम पानी दे दिया जाये। जैसे हमें 300 क्युसिक पानी देने की बात की जा रही है। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जब भी हमें दिल्ली के थ्रू पानी मिलेगा वह कंटैमिनेटिड मिलेगा अर्थात जहरीला मिलेगा। मैं यह कहना चाहता हूं कि इस वॉटर चैनल को तो हर हालत में बनाना ही पड़ेगा। एस.वाई.एल. का पानी ले जाने के लिए भी इस चैनल की उपयोगिता है। मैंने बार–बार इस विषय को सरकारी नेतृत्व के समक्ष उठाया है जिसका मेरे पास रिकार्ड है अगर आप कहेंगे तो मैं उसको विधान सभा के पटल पर भी रख सकता हूं। मेरा इस बारे में सरकार से यह आग्रह है कि इस मामले को अब और न घुमाया जाये बल्कि इस प्रोजैक्ट का निर्माण कार्य शीघ्रता से पूरा करके

मेवात को पानी दिया जाये। इससे सिर्फ मेरे नूंह विधान सभा क्षेत्र का ही फायदा नहीं होगा अपितु इससे 2 लाख एकड़ जमीन जिसमें पूरी हथीन तहसील, पूरा नूंह डिस्ट्रिक्ट और इसके साथ ही साथ तेज पाल तंवर जी के विधान सभा क्षेत्र सोहना के 24 गांव भी इससे लाभान्वित होंगे। सर, यह टोटल 2 लाख एकड़ जमीन है और 30 लाख की आबादी है। यह कंटैमीनेटिड वॉटर जोहड़ों में जा रहा है जिससे पशुओं में बीमारियां फेल रही है। यह जहरीला पानी खेतों में जा रहा है जिससे इंसानों में कैंसर जैसी घातक बिमारियां फैल रही हैं। अण्डर ग्राउंड वॉटर में जब यह कंटैमीनेटिड वॉटर जाकर मिलता है तो वह भी जहरीला हो रहा है। खास तौर पर यह माईनोरिटी डिस्ट्रिक्ट है। प्रधानमंत्री जी द्वारा माईनोरिटी डिस्ट्रिक्ट्स के लिए एक विशेष योजना चलाई गई है जिसमें अभी 115 जिलों में को रखा गया है। मेवात को भी इस योजना में शामिल किया गया है। इसके लिए भी नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया है। हमें दिल्ली के इतना नजदीक होते हुए भी सिंचाई और पीने के लिए पानी नहीं मिल रहा है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि इस प्रोजैक्ट को टाईम बाउंड करके जल्दी से जल्दी पूरा करवाया जाये। तीन साल से यह आई.आई.टी. के पास लम्बित पड़ा है। वहां पर सरकार की तरफ से यह लिखकर नहीं दिया गया है कि यह कहां पर बनना है। जैसा कि मैंने पहले बताया यह सरकार के स्तर पर फैसला हो चुका है कि यह काक्रोई हैड पर बनना है। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय सिंचाई मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि जब वे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर वे जवाब दें तो इस बारे में भी कृपया करके बताया जाये कि कब तक यह स्कीम चालू हो जायेगी जिससे कि हमें पीने का पानी मिले। पानी लेने का हमें भी उतना ही हक है जितना हरियाणा प्रदेश के किसी और निवासी का है।

श्री अध्यक्ष : जाकिर जी, आप बैठिये। आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है।

श्री जाकिर हुसैन : स्पीकर सर, मेरी थोड़ी बातें और कहने से रह गई हैं यदि आप इजाजत दें तो मैं इन बातों से सम्बंधित डॉकूमैंट्स सदन के पटल पर रख देता हूं। आप इनको प्रोसीडिंग्स का पार्ट बनवा देना।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, आप पटल पर रख दें।

***श्री जाकिर हुसैन :** ठीक है जी ।

***चेयर के आदेशानुसार लिखित डॉकूमैंट्स को प्रोसीडिंग्स का पार्ट बनाया गया।**

HARYANA VIDHAN SABHA

COMMITTEE ON ESTIMATES

1992-93

(TWENTY-FIFTH REPORT)

REPORT

ON THE

BUDGET ESTIMATES

FOR 1992-93

IRRIGATION DEPARTMENT

Presented to the House on 12th March, 1993

HARYANA VIDHAN SABHA SECRETARIAT
CHANDIGARH
MARCH, 1993.

COMPOSITION OF THE COMMITTEE ON ESTIMATES FOR THE YEAR 1992-93

CHAIRMAN

Shri Om Parkash Beri

MEMBERS

*1. Shri Anand Singh Dangi

2. Smt. Chandrawati

3. Shri Dharam Pal Singh

**4. Shri K.L. Sharma

5. Shri Mani Ram Keharwala

***6. Shri Purush Bhan

7. Shri Ram Pal Singh

****8. Shri Surjit Kumar

9. Shri Zakir Hussain

10. Shri Zile Singh

SECRETARIAT

1. Shri Sumit Kumar, Secretary

2. Shri Ashok Kumar, Deputy Secretary

---

*Shri Anand Singh Dangi, M.L.A. resigned from the membership of the Committee on his appointment as Minister w.e.f. 12th October, 1992.

** Shri K.L. Shrma, M.L.A. was nominated to serve on the Committee on Estimates for the remaining period of the year 1992-93 on 27th November, 1992.

***Shri Purush Bhan, M.L.A., expired on the 8th December, 1992.

****Shri Surjit Kumar, M.L.A. was nominated to serve on the Committee on Estimates for the remaining period of the year 1992-93 on 5th January, 1993.

should also be deposited with the Punjab Government to avoid any bottle neck in this regard.

PROPER MANAGEMENT FOR EQUAL WATER DISTRIBUTION

16. During the course of oral examination of the Department, the Committee was informed that the Ravi-Beas waters which was purchased from Pakistan for Rs. 110.00 crores by Government of India is exclusively meant for arid areas and in Haryana it is meant for the areas of Rohtak, Sonepat, Bhiwani, Rewari, Mahendergarh, Gurgaon and Faridabad districts. The total share of Haryana State in Ravi-Beas Waters can be taken by Haryana only when S.Y.L. Canal is completed in the area of thePunjab State. But at present also, the water of these rivers to the tune of 1.6 m.a.f. to 1.8 m.a.f. comes to Haryana State by Bhakra Main Canal. There is a Channel by which the water from Bhakra Main Canal can be diverted to Western Yamuna Canal but due to its lesser capacity, only 0.6 m.a.f. water of the said rivers is diverted to W.J.C. from Bhakra Main Canal as informed by the Department. The Committee was also informed by the Department that at least 1.00 m.a.f. water of Ravi-Beas waters which is meant for the above said districts of Haryana State, is flowing to the areas of districts Sirsa, Hisar and Jind by Bhakra Canal for the last about 15 years.

The Committee, therefore, recommend that the capacity of the above said channel connecting W.J.C. and Bhakra Main Canal be increased/augmented by desilting the same on war-footing. The Committee also recommend that, if necessary, a new channel to take the abovesaid water from Bhakra Main Canal to W.J.C. be constructed on war-footing so that it is completed within a year and so that the water could reach the areas for which it is meant. The proper scheme for implementing the abovesaid proposal be prepared at once and it be implemented without any further delay.

The Committee, further, recommend that there should be an equitable distribution of water for irrigation purposes so that the farmers of each area in the State may get irrigation water for at least two weeks in a month. At present, the farmers of certain areas get irrigation water for three weeks in a month while the farmers getting Irrigation water from W.J.C. system, get this for a week only in a month. This injustice be removed and the irrigation water be distributed equitably.

In the opinion of the Committee, as no proper districtwise distribution of Western Yamuna Canal have been made in this regard, thus there is also a need to formulate any such system under which proper management can be maintained so that equal water could be given to every district of the State for at least two weeks in a month.

The Committee, therefore, recommend that the department may immediately prepare a concrete proposal regarding proper management for equal water distribution of Western

Cancel

Yamuna Canal and Bhakra Main Canal to all the districts of the State giving full justice in order to stop discrimination with the farmers of the State in this regard and also submit this proposal for consideration of the Committee.

91

3	4
	farmers getting Irrigation water from W.J.C. system, get this for a week only in a month. This injustice be removed and the irrigation water be distributed equitably.
	The Committee, therefore, recommend that the department may immediately prepare a concrete proposal regarding proper management for equal water distribution of Western Yamuna Canal and Bhakra Main Canal to all the districts of the State giving full justice in order to stop discrimination with the farmers of the State in this regard and also submit this proposal for consideration of the Committee.
	The Committee suggested that money should be collected from the farmers concerned in the shape of 'surcharge' or any other method be adopted to achieve the target.

डॉ. पवन सैनी (लाडवा) : आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत ही आभार प्रकट करता हूं जो आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। वर्ष 1966 में हरियाणा प्रदेश बना था उस हिसाब से पिछले वर्ष हरियाणा प्रदेश ने अपने 50 वर्ष पूरे किये हैं। **(इस समय उपाध्यक्ष महोदया पदासीन हुई।)** इस स्वर्ण ज्यंती वर्ष के दौरान पूरे हरियाणा प्रदेश में सरकारी स्तर पर बहुत से भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उन सभी कार्यक्रमों से पूरे हरियाणा प्रदेश की अढ़ाई करोड़ जनता को महसूस हुआ कि हमारे माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी ने जो – हरियाणा एक और हरियाणवी एक का नारा दिया था वास्तव में पूरे प्रदेश के लोग भाई–चारे को कायम करते हुए इस भावना के ऊपर काम कर रहे हैं। माननीय मनोहर लाल जी को जो मूल मंत्र दुनिया के सबसे ताकतवर प्रधानमंत्री और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिया था सबका साथ और सबका विकास उस मूल मंत्र पर चलते हुए बिना किसी क्षेत्रवाद की भावना के, बिना किसी भाई–भतीजावाद की

भावना के और बिना परिवारवाद की भावना के राष्ट्रवाद की भावना को लेकर के हमारे प्रदेश की देश के अग्रणी प्रदेशों में गिनती हो उस दिशा में माननीय मनोहर लाल जी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार काम कर रही है। शुरूआत में ही हमारा प्रदेश पूरे देश का पहला ऐसा प्रदेश बना जिसको हम पूरी तरह से कैरोसिन मुक्त प्रदेश कह सकते हैं। हरियाणा सरकार में जो हमारे पंचायत मंत्री माननीय ओम प्रकाश धनखड़ जी हैं और माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त करने के लिए एक ऐसा निर्णय लिया जिससे हमारी पंचायतों के सभी प्रतिनिधि पढ़े–लिखे हों। इसके अंदर खास बात यह रही कि सरकार द्वारा यह व्यवस्था की गई कि इन प्रतिनिधियों में से कोई ऐसा उम्मीद्वार अपना नामांकन न भरे जो किसी बैंक का डिफॉल्टर हो, उसके ऊपर किसी प्रकार का कोई क्रिमिनल केस दर्ज़ न हो और उसके ऊपर सरकार के किसी भी विभाग का कोई भी बकाया न हो चाहे वह बिजली का बिल हो या कोई दूसरा बकाया हो। माननीय प्रधानमंत्री जी ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरूआत हरियाणा प्रदेश से की। खासकर हरियाणा प्रदेश में जैण्डर रेशो बड़ी डिस्टर्ब थी। हमारे यहां पर लिंगानुपात बड़ी विषम स्थिति में था। उपाध्यक्ष महोदया, इसके लिए मैं माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज जी और माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूं और उनका धन्यवाद करता हूं कि जिनके प्रयासों के कारण आज हरियाणा प्रदेश का लिंगानुपात तेजी से सुधरा है। खास कर मेरे विधान सभा क्षेत्र लाडवा का, जो हरियाणा के सभी जिलों में से विषम स्थिति में था लेकिन आज मुझे यह कहते हुए फख्र हो रहा है, गर्व हो रहा है कि आज पूरे हरियाणा प्रदेश का लिंगानुपात का आंकड़ा जहां 915 है वहीं मेरे विधान सभा क्षेत्र लाडवा का आंकड़ा 965 है यानि 1000 लड़कों के पीछे 965 बेटियां हैं। उपाध्यक्ष महोदया, इसी प्रकार से जहां तक भर्तियों में पारदर्शिता की बात की जाये तो मैं कांग्रेस के शासनकाल की भी बात करना चाहूंगा। उस समय जब भी कोई बेरोजगार बेटा रोजगार की चिन्ता करता था तो वह अपने पिता जी को यह कहता था कि पिता जी अगर आप मुझे नौकरी दिलवाना चाहते हो तो किसी रिश्तेदार या किसी आढ़ती के साथ सांठ–गांठ करनी पड़ेगी यानि किसी से 10–15 लाख रुपये जो भी इनके समय में नौकरियों का रेट था, का इंतजाम करना पड़ेगा तभी नौकरी मिल सकती है। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि आज पूरे प्रदेश के अपेक्षित, दलित, मजदूर और किसान जिनका कोई राजनीतिक वजूद नहीं था

उनके बच्चे भर्ती हुये हैं। आज बाप अपने बेटे को बोलता है कि बेटा अगर नौकरी लगना है तो अच्छी तरह से पढ़ कर अच्छे नम्बर लेकर आ तभी आपको नौकरी मिलेगी। जब एच.सी.एस. की भर्ती हुई तो माननीय मुख्यमंत्री जी ने हम सभी को कहा कि जो–जो नौजवान बच्चे इस भर्ती में चयनित हुये हैं उनके परिवारों में आप लोगों को जाना चाहिए। हम लोग भी उनके घर गये। उपाध्यक्ष महोदया, वहां पर ऐसा देखने को मिला कि उस बेटे की मां की आंखों में आंसू आ गये और वह कहने लगी कि विधायक जी अगर मनोहर लाल जी की, भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं होती तो मेरा बेटा भर्ती नहीं हुआ होता। उनके घर में जो टॉयलेट था उस पर दरवाजा नहीं था बल्कि उसकी जगह पर खाद के कट्टों की पल्ली लगी हुई थी। जब वे बाप–बेटा बधाई देने के लिए आये तो मैंने उनसे कहा कि बेटा आप अच्छे कपड़े और जूते नहीं डाल कर आये तो उन्होंने कहा कि विधायक जी मैं पहली तनख्वाह से अच्छे कपड़े और जूते खरीदूंगा। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी को बहुत–बहुत बधाई देता हूं। इसी प्रकार से जहां तक नौकरियों में संख्या की बात आती है तो हमारे कांग्रेस के साथी उस दिन से लगातार बोल भी रहे हैं कि हरियाणा सरकार रोजगार नहीं दे रही है लेकिन मैं उनसे पूछना चाहता हूं, हमारे पत्रकार साथी भी यहां पर बैठे हैं और दर्शक भी बैठे हुये हैं। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि जब इनका राज था तो क्या ये लोगों को पकड़–पकड़ कर लाते थे कि चल नौकरी लग, अगर नौकरी नहीं लगेगा तो तेरे को अन्दर कर देंगे। क्या उस समय कोई ऐसी स्थिति थी कि गांव में से पकड़कर लेकर आते थे कि पकड़ कर लाओ इनको नौकरी लगायेंगे। यह इस प्रकार का माहौल पैदा किया गया है, अगर इनके इतने लम्बे कार्यकाल की कोई उपलब्धि है तो उसका खामियाजा आज हमारे बेरोजगार साथी भुगत रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदया, आज 8 तारीख हुई है और मैं यह बताना चाहता हूं कि हरियाणा के इतिहास में किसी भी सरकार में इतने कम समय में इतनी नौकरियां नहीं मिली हैं जितनी हमारी श्री मनोहर लाल जी की सरकार ने देने का काम किया है। चाहे एच.सी.एस. की भर्ती हो, चाहे जे.बी.टी. की भर्ती हो, पटवारी हों, पॉवर में जे.ई. लगे हों, पी. डब्ल्यू.डी. में जे.ई. लगे हों, स्टाफ नर्स लगी हों या ड्राईवर लगे हों, पुलिस कांस्टेबल हमारे 5 हजार लगे हैं और 1 हजार हमारी महिला कांस्टेबल भर्ती हुई हैं। चाहे आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट की बात हो, चाहे गैस्ट टीचर हों सभी में आज सुरक्षा का भाव है। औद्योगिक सुरक्षा बल के नौजवान 12, 13 साल पहले जिनकी भर्ती

हमारे इंडियन नैशनल लोकदल के साथियों ने की थी। भर्ती होने के बाद उनके अच्छी–अच्छी जगह रिश्ते हो गये और उसके बाद उनको नौकरी से निकाल दिया गया। वे बेचारे बड़े परेशान थे। माननीय मनोहर लाल की सरकार ने उन सबको दोबारा से लगाने का काम किया। चाहे कम्यूटर टीचर की बात हो चाहे कम्यूटर लैब असिसटैन्ट हैं, अटेंडेंट हैं उनको भी मनोहर जी की सरकार ने पुनः नौकरी देने का काम किया । आगे भी ऐसे बहुत से काम पाइप लाईन में हैं उसमें चाहे क्लर्क की भर्ती हो, चाहे ऑक्शन रिकॉर्डर की भर्ती हो, चाहे पटवारी की भर्ती हो या कोई और भर्ती प्रक्रिया हो। इसके साथ–साथ हमारी सरकार ने सक्षम योजना के तहत हमारे पी.जी.टी., टी.जी.टी. के नौजवान बच्चों को 100 घंटे काम करने पर 9,000 रूपये मानदेय देने का काम किया हैं। जहां किसान की बात आती है उसमें माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमारी सरकार के सामने लक्ष्य रखा है कि वर्ष 2022 तक हमारे सभी किसानो की आय दोगुनी होगी । उस लक्ष्य को सामने रख कर सरकार काम कर रही है और उसी दिशा में आगे बढ़ रही है । अध्यक्ष महोदय, अखबारों के माध्यम से और सत्र के अन्दर भी हमारे विपक्षी साथी एस.वाई. एल. नहर के बारे में बोलते हैं और जगह–जगह जल बचाने की बात कर रहे हैं, जल लाने की बात कर रहे हैं । मुझे लगता है कि वह जल लाने की नही, दल बचाने की बात कर रहे हैं। मैं और अधिक कुछ न कहते हुए इतना ही कहना चाहूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से सर्वोच्च न्यायालय ने जो हरियाणा के पक्ष में एस.वाई.एल. नहर का पानी देने का फैसला किया है उस दिशा में भी केन्द्र सरकार आगे बढ़ रही है। हमारे साथियों ने जिनका मैं नाम तो नहीं लेना चाहता नहीं तो बीच में फिर व्यवधान होगा। इन्होंने कल भी रैली की है और हमने रैली में लोगों को तो सुनते देखा है, लेकिन हमने पहली बार ऐसी वीडियो देखी है जिसमें कुर्सियों को भी सुनते देखा है। आज उस अवसाद के कारण हमारे साथी यहां पर सदन में नहीं पहुंचे । दूसरा हमारे कांग्रेस के साथियों ने अपने विधान सभा क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को उजागर करने के लिए, अपने विधानसभा क्षेत्र का विकास करवाने के लिए उन्हें विधान सभा का सदस्य बनवाने का काम किया है। उनको मैं देशद्रोही तो नहीं कहता लेकिन प्रदेश द्रोही जरूर कहता हूं। जिन्होंने पंजाब के चुनाव में जाकर ऐसा प्रचार किया है कि एस.वाई.एल. नहर के पानी में से हरियाणा को एक बूंद भी नहीं मिलेगी । वह लोग विधान सभा सत्र के अन्दर भी नहीं आते । ऐसे व्यक्तियों के साथ आने वाले समय में वहां के क्षेत्र के साथी

उनको सारी बातों से अवगत करवाने का काम करेंगे। जब अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे उस समय को–ऑपरेटिव सोसायटी का ब्याज 18 प्रतिशत था लेकिन मनोहर सरकार ने आते ही इस ब्याज को 0 प्रतिशत कर दिया है। जहां गेहूं और जीरी के न्यूनतम समर्थन मूल्य की बात आती है तो देश की आजादी के बाद पिछली बार पहली बार ऐसा हुआ है कि मोदी सरकार ने गेहू की एम.एस.पी 100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से बढ़ाने का काम किया है और अबकी बार गेहू की एम.एस.पी 110 रूपये प्रति क्विंटल की दर से बढाई गई है और जीरी का रेट भी 90 रूपये प्रति क्विंटल की दर से बढ़ाने का काम किया है । अगर मैं जीरी की 30 क्विंटल और गेहूं की 20 क्विंटल उत्पादन की एवरेज की बात करूं तो केन्द्र सरकार ने एक एकड़ पर 5000 रूपये न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया है। जिससे हमारे किसान की आमदनी बढ़ी है। जहां तक गन्ने की बात है तो हमारे साथी कल बहुत पतला गन्ना लेकर के यहां आए, वे सरकन्डा लेकर के आए जिसकी कल हमने चर्चा सुनी है । हमें दुःख इस बात का आया कि इन्होंने यह कहा कि हम यह गन्ना यमुनानगर से लेकर के आए। हमारे साथी घनश्याम जी वहां से विधायक हैं । उपाध्यक्ष महोदया, यमुनानगर जिले में गन्ने की खेती बहुतायत में होती है। हमारे इलाके में पैदा होने वाले गन्ने में चीनी बहुत है। इसी कारण से कुरूक्षेत्र में जो शुगर मिल है वह सबसे ज्यादा प्रोफिट में चल रही है। हमारी सरकार ने हिन्दुस्तान में सबसे ज्यादा गन्ने का रेट देने का काम किया है और यही नहीं जो गन्ने का पिछला बकाया था उसको भी हमारी सरकार ने किसान भाईयों को देने का काम किया है। जिस प्रकार हमारी सरकार ने पिछली बार किसानों की पोरी–पोरी खरीदकर उनको सारी पेमेंट अदा की थी ठीक उसी प्रकार अब की बार भी हमारी सरकार गन्ना किसान भाईयों के गन्ने की पोरी–पोरी को खरीदकर, पेमेंट करेगी।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः उपाध्यक्ष महोदया, माननीय विधायक महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए गन्ने का जिक्र करते हुए, गन्ने की पोरी–पोरी खरीदने की बात कर रहे है। पिछली बार सदन में इसी प्रकार गन्ने की पोरी–पोरी खरीदने की बात कही गई थी। असल बात यह है कि आज भी हरियाणा प्रदेश के किसानों का गन्ना नहीं खरीदा जा रहा है। गन्ना उत्पादक किसानों को अपना गन्ना ओने–पोने दामों पर उत्तर प्रदेश में बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। आज हरियाणा का गन्ना पंजाब में जा रहा है। सरकार प्रति एकड़ 150 क्विंटल गन्ने का बॉंड कर रही है। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय

मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या प्रति एकड़ केवल 150 क्विंटल गन्ना ही पैदा होता है? मेरा अनुरोध है कि सरकार को किसानों का सारा गन्ना खरीदने की व्यवस्था करनी चाहिए।

सहकारिता राज्य मंत्री (श्री मनीष कुमार ग्रोवर): उपाध्यक्ष महोदया, मैं हाऊस में नहीं था तब माननीय सदस्य श्री केहर सिंह ने सवाल उठाया था कि पलवल शुगर मिल में शीरे के भाव के संदर्भ में जारी किए गए टैंडर में घोटाला हुआ है। उपाध्यक्ष महोदया, शीरे का जो भाव पिछली बार 700 रूपये प्रति क्विंटल था, वह भाव अब घटकर 200 रूपये प्रति क्विंटल हो गया है। श्री केहर सिंह ने सदन में इस पूरे प्रकरण में मेरा नाम भी कोट किया है। अगर इस प्रकरण में मेरा नाम शामिल है तो मैं उसकी जांच कराने के लिए तैयार हूँ। उपाध्यक्ष महोदया, इन्होंने सदन को गुमराह करने का प्रयास किया है और सदन को गुमराह करने की एवज में इनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) शीरे का मार्किट रेट होता है जोकि समय समय पर अप–डाउन होता रहता है। (शोर एवं व्यवधान) नवम्बर से पहले चीनी 38 रूपये प्रति किलो हुआ करती थी लेकिन आज यह 33 रूपये प्रति किलो है। उपाध्यक्ष महोदया, हरियाणा के इतिहास में यह पहली बार होगा कि हैफेड और को–आपरेटिव शुगर मिल्ज मिलकर साढ़े चार सौ लाख क्विंटल से उपर गन्ने की पिराई करेंगे। उपाध्यक्ष महोदया, मैं सदन के माध्यम से हमारे गन्ना उत्पादक किसानों को आश्वस्त करता हूँ कि उनके गन्ने की पोरी–पोरी सरकार द्वारा खरीदने का काम किया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविंद्र सिंह संधू: उपाध्यक्ष महोदया, अगर मंत्री जी गन्ने की पोरी–पोरी खरीदने की बात कह रहे हैं तो फिर गन्ना उत्पादक किसान से प्रति एकड़ 150 क्विंटल गन्ने का बॉंड क्यों भरवा रहे हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनीष कुमार ग्रोवर: उपाध्यक्ष महोदया, यह बात तो कृषि मंत्री जी बतायेंगे। (शोर एवं व्यवधान) संधू साहब, मैं पूरे हाउस के सामने विश्वास दिला रहा हूँ कि किसान के गन्ने की एक–एक पोरी सरकार द्वारा खरीदी जायेगी और यह बात संधू जी को याद भी रखनी चाहिए कि आज हरियाणा प्रदेश में गन्ने का दिया जाने वाला 330 रूपये प्रति क्विंटल का भाव देशभर में सबसे ज्यादा है। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविंद्र सिंह संधू: उपाध्यक्ष महोदया, आप प्रदेश का किसान परेशान है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनीष कुमार ग्रोवरः उपाध्यक्ष महोदया, किसान परेशान नहीं है बल्कि परेशान हमारे इंडियन नैशनल लोकदल पार्टी के सदस्य हैं क्योंकि इनकी राजनीतिक जमीन खत्म होती जा रही है। (शोर एवं व्यवधान) हमारे किसान खुश है।(शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदया, गोहाना के किसान तो मेरे पास मिलने आये थे और मुझे धन्यवाद तक देकर गए हैं। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः उपाध्यक्ष महोदया, माननीय मंत्री जी इतनी बड़ी–बड़ी बातें सदन में बयान कर रहे हैं। क्या यह बता सकते हैं कि एक एकड़ में कितना क्विंटल गन्ना पैदा होता है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनीष कुमार ग्रोवरः उपाध्यक्ष महोदया, गन्ने की पैदावार जमीन की गुणवत्ता पर आधारित होती है। मान लो 400 एकड़ जमीन यमुना के साथ लगती है तो उससे पैदा होने वाले गन्ने की उपज ज्यादा होगी और इसी तरह से मान लो 200 एकड़ जमीन यमुना के साथ नहीं लगती है तो उससे पैदा होने वाले गन्ने की उपज की प्रतिशतताः कुछ कम होगी अर्थात जहां–जहां पर जैसी जमीन होगी वहां–वहां पर वैसा ही गन्ना पैदा होगा। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविंद्र सिंह संधूः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि गन्ने का "पड़ता" किस हिसाब से लगाया जाता है?

श्री मनीष कुमार ग्रोवरः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से संधू जी की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि किसान के पिछले तीन साल की गन्ने की फसल के औसत के आधार पर "पड़ता" लगाया जाता है।

सरदार जसविंन्द्र सिंह संधूः उपाध्यक्ष महोदया, मंत्री जी बयान दे रहे हैं कि पिछले तीन साल की गन्ने की फसल के औसत के आधार पर "पड़ता" लगाया जाता है, तो फिर यह बतायें कि सरकार द्वारा गन्ना उत्पादक किसान से प्रति एकड़ 150 क्विंटल का बॉंड क्यों भरवाया जा रहा है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंहः उपाध्यक्ष महोदया, पलवल शुगर मिल के पास 36 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई करने की क्षमता है लेकिन अभी तक इस मिल में 18,68,900 क्विंटल गन्ने की पिराई ही हो पाई है। अगर यह रेशो इसी तरह से चलता रहा तो स्वाभाविक सी बात है कि चीनी कम निकलेगी और शीरा ज्यादा निकलेगा इस प्रकार मिल को बहुत ज्यादा नुकसान होगा। इसके अलावा जो मैंने शीरे के रेट बताएं हैं वे टैंडर के द्वारा तय किए हुए रेट बताएं हैं। उपाध्यक्ष महोदया, आज टैंडर के माध्यम से जो रेट तय हुआ है वह 202 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से है।

पिछली बार हमारी शुगर मिल 28 मई तक चली थी और उस समय 1,46,829 क्विंटल शीरे का उत्पादन हुआ था और उसकी बोली 710 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से लगाई गई थी। लेकिन अबकी बार केवल 202 रूपये प्रति क्विंटल का रेट दिया जा रहा है वो भी तीन दिन के नोटिस के बाद इसका टैंडर लगाया गया था। उपाध्यक्ष महोदया, माननीय मंत्री जी ने कहा कि इसका टैंडर मेरे पास नहीं है। यदि माननीय मंत्री जी के पास या अपने किसी चेहते या रिश्तेदारों के पास टैंडर नहीं है तो इसकी जांच करवाई जानी चाहिए।

श्री मनीष कुमार ग्रोवर : उपाध्यक्ष महोदया, माननीय सदस्य श्री केहर सिंह तथ्यों पर जाकर सदन में जानकारी दें। यदि मेरे माननीय साथी इस बात को सही साबित कर देते हैं तो मैं विधान सभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दूंगा नहीं तो श्री केहर सिंह विधान सभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दें। उत्तर प्रदेश में 30 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से शीरा बिक रहा है और हमारे हरियाणा प्रदेश में 202 रूपये प्रति क्विंटल का भाव है। यह रेट मार्किट के रेट पर निर्भर करता है। जिस तरह से नवम्बर में चीनी का भाव 38 रूपये प्रति किलो था और अब 33 रूपये प्रति किलो का भाव है, इस तरह से चीनी के रेट में 5 रूपये प्रति किलो का फर्क आ गया है। पिछली सरकार में पलवल शुगर मिल में प्रतिदिन 1600 टन गन्ने की पिराई होती थी। लेकिन मैं सदन को आश्वस्त करता हूँ कि जितनी भी हरियाणा प्रदेश की शुगर मिलों की पिराई की क्षमता है उससे भी ज्यादा किसानों का गन्ना लिया जायेगा। पिछली सरकार में सिरसा के पन्नीवाला मोटा में जो शुगर मिल थी वह बंद हो गई और भूना में भी जो शुगर मिल थी, वह भी बंद हो गई। हमारी सरकार तो हरियाणा की सभी शुगर मिलों की क्षमता बढ़ा रही है। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : श्री केहर सिंह जी, आप बैठ जाइये। (शोर एवं व्यवधान) पवन जी, आप अपनी स्पीच कंक्लूड कीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनीष कुमार ग्रोवर : केहर सिंह जी, आप इस बारे में लिख कर सदन को दे दें। मैं इसकी जांच करवा दूंगा। (शोर एवं व्यवधान) आपने मेरा और मेरे परिवार का नाम लिया है, इसलिए केहर सिंह जी, यदि जांच में यह बात सिद्ध हुई तो आपके खिलाफ कार्रवाई होगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमेन्द्र सिंह ढुल : उपाध्यक्ष महोदया, उत्तर प्रदेश में में शीरे का भाव 30 रूपये प्रति क्विंटल और हरियाणा प्रदेश में शीरे का भाव 202 रूपये प्रति क्विंटल। अध्यक्ष

महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या इतना बड़ा अंतर भारत वर्ष में संभव है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनीष कुमार ग्रोवर : उपाध्यक्ष महोदया, माननीय सदस्यगण उत्तर प्रदेश जाकर इस बात का पता लगा सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : केहर सिंह जी, उत्तर प्रदेश ज्यादा दूर नहीं है, इसलिए इस बात का तो पता चल जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : उपाध्यक्ष महोदया, भाई केहर सिंह जी ने पलवल शुगर मिल में शीरे की टैंडर प्रक्रिया के बारे में सदन को बताया है। उत्तर प्रदेश में गन्ना और शीरा सबसे ज्यादा निकलता है लेकिन पूरे भारत में गन्ने का भाव सबसे ज्यादा हरियाणा प्रदेश में दिया जाता है। माननीय मंत्री जी ने भाई केहर सिंह जी को स्पष्ट रूप से कह दिया है कि आप उनके खिलाफ लिखकर दे दें ताकि जांच करवाई जा सके।

उपाध्यक्ष महोदया : डॉ. पवन सैनी जी, आप एक मिनट में कंक्लूड कीजिए।

श्री आनंद सिंह दांगी : उपाध्यक्ष महोदया, मुझे बोलने के लिए दो मिनट का समय चाहिए। सदन में तो किसानों के साथ मजाक हो रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : दांगी जी, आपको बोलने का समय दिया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदया, श्री आनंद सिंह दांगी ने अपना बोलने का समय श्री कुलदीप शर्मा को दे दिया था। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : दांगी जी, आपने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर अपना सारा समय श्री कुलदीप शर्मा को दे दिया था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगी : उपाध्यक्ष महोदया, वह तो कल की बात थी, लेकिन अब मैं सिर्फ दो मिनट बोलना चाहता हूँ । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. पवन सैनी : उपाध्यक्ष महोदया, पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बड़ी मात्रा में किसानों की सूरजमुखी, बाजरा और सरसों की फसलों का खरीदने का काम किया है। जहाँ तक स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट की बात है तो उसे भी अच्छी तरह से लागू करने का काम श्री मनोहर लाल जी की सरकार कर रही है।

उपाध्यक्ष महोदया : डॉ. पवन सैनी जी, आप जल्दी से जल्दी दो मिनट में कंक्लूड कीजिए।

डॉ. पवन सैनी : उपाध्यक्ष महोदया, आधे माननीय सदस्य तो प्वायंट ऑफ ऑर्डर का एक थैला भर कर लाते हैं और सदन में झाड़ देते हैं, इसलिए मैडम, मुझे मेरी पूरी बात कहने दीजिए। उपाध्यक्ष महोदया, पहली बार हरियाणा प्रदेश में फसलों के लिए सबसे बड़ा मुआवजा दिया गया है। पिछली सरकार में मुआवजा के नाम पर किसानों को 3 रूपये, 41 रूपये, 45 रूपये और 63 रूपये आदि के चैक दिए गए थे, जो हमारे लिए बड़े शर्म की बात हुआ करती थी। जबकि एक हजार रूपये तो किसानों को बैंक में अपना खाता खोलने के लिए लग जाते थे। उपाध्यक्ष महोदया, पहली बार श्री मनोहर लाल जी की सरकार ने 1092 करोड़ रूपये किसानों को देश में सबसे ज्यादा मुआवजा देने का काम किया है। उपाध्यक्ष महोदया, सफेद मक्खी ने बरवाला और हिसार के इलाके में खड़ी कपास की फसल को बर्बाद कर दिया था। उसके लिए भी श्री मनोहर लाल जी की सरकार ने 967 करोड़ रूपये किसानों को मुआवजा देने का काम किया था। किसानों की आय को दोगुना करने की एक नई पहल केन्द्र सरकार ने की है। किसानों से फसलों के अवशेष जैसे पराली को 500 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से लेने की घोषणा भी केन्द्र सरकार ने की है। किसानों के लिए सॉयल हैल्थ कार्ड बनाए गए और डार्क जोन जहां पर भूमि जलस्तर काफी नीचे चला जा रहा है उसके लिए भी सूक्ष्म सिंचाई की तरफ हरियाणा सरकार काम कर रही है। माइक्रो सिंचाई को प्रोत्साहित करने हेतु स्प्रिंकलर और ड्रिप सिंचाई के प्रावधान वाली आठ पायलट परियोजनाएं क्रियान्वित की गई है। स्प्रिंकलर सिंचाई के लिए किसान भाइयों को 85 प्रतिशत सब्सिडी देने की घोषणा की गई है। इसका मतलब यह है कि किसान को एक एकड़ में केवल 15 हजार रूपये देने हैं, हरियाणा सरकार 85 हजार रूपये सब्सिडी के तौर पर देगी। पहली सरकारों में बिजली को लेकर तरह–तरह की बातें हुआ करती थी। पिछली सरकार में बैटरी वाले पंखे खरीदे जाते थे यानी जब इन्वर्टर काम करना छोड़ देते थे तो बैटरी वाले पंखें चलाए जाते थे। हरियाणा प्रदेश में बिजली को लेकर के इतनी बुरी हालत हो गई थी। पहली सरकार में सिर्फ झूठी घोषणाएं की जाती थी कि 31 दिसम्बर तक हरियाणा प्रदेश में 24 घंटे बिजली देने का काम करेंगे। आज पूरे प्रदेश में किसानों को 8 घंटे बिजली मिल रही है, बिजली को लेकर किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं रही है। हमारी सरकार के द्वारा शुरू की गई 'म्हारा गांव–जगमग गांव' योजना के तहत 400 फीडरों के अधीन आने वाले 1811 गांवों को रोजाना 24 घंटे बिजली मिल रही है। उपाध्यक्ष महोदया, मुझे

सदन में यह बात बताते हुए बड़ा गर्व, हर्ष और फख्र हो रहा है कि प्रदेश के अंदर 6 फीडर दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम लि0 के और 5 फीडर उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम लि0 में लाइन लॉसिज कम हुए हैं, उसमें जिला कुरूक्षेत्र में मेरे निर्वाचन क्षेत्र लाडवा का गिरदारपड़ा फीडर भी शामिल है। इस फीडर में रूढ़की–खिड़की, जलालदीन–माजरा और लौहारा शामिल है।

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण लाल पंवार) : उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूँ कि पहले 29 प्रतिशत लाइन लॉसिज थे जो माननीय मुख्यमंत्री महोदय के अथक प्रयास से घटकर 23 प्रतिशत रह गए हैं। दूसरी बात यह है कि मैं ऑल इण्डिया पावर मिनिस्ट्री कांफ्रेंस में दिल्ली गया था। बिजली बचाओ के लिए भी हरियाणा प्रदेश आगे बढ़ा है। भारत देश के गुजरात प्रदेश में सबसे ज्यादा साढ़े चार करोड़ के करीब एल.ई.डी. बल्ब दिए जा चुके हैं और हरियाणा प्रदेश में डेढ़ करोड़ के करीब एल.ई.डी. बल्ब दिए जा चुके हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम चंद कम्बोज : उपाध्यक्ष महोदया, सिरसा में तो पूरी बिजली नहीं मिल रही है। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : कम्बोज जी, यह प्रश्न काल नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण पाल पंवारः उपाध्यक्ष महोदया, हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने घोषणा की है कि अगर हरियाणा के किसी क्षेत्र में 90 प्रतिशत तक बिल भरे जाएंगे और 20 प्रतिशत से कम लाईन लोसिज होंगे तो उस क्षेत्र में 24 घंटे बिजली दी जाएगी। सिरसा जिले में लाईन लोसिज कम होने के कारण 24 घंटे बिजली दी जा रही है । (विघ्न)

श्री राम चन्द कम्बोजः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि सबसे कम लाईन लोसिज किस क्षेत्र में है।

उपाध्यक्ष महोदयाः राम चन्द जी, यह क्वैश्चन ऑवर नहीं है। प्लीज आप बैठ जाईये।

डॉ. पवन सैनीः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय विधायक जी से कहना चाहूंगा कि उनको बोलने का मौका मिले तब वे अपनी बात कह लें। इनके क्षेत्र में 24 घंटे बिजली दी जा रही है। हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने अभी 26 जनवरी से 24 घंटे लाईट देने की घोषणा की है जिसमें मेरे हल्के के 3 फीडर भी शामिल हैं। हमारी सरकार ने पहली बार हरियाणा किसान प्राधिकरण बनाने की बात की है जिससे किसानों को लाभ होगा। इसके अतिरिक्त पंडित दीनदयाल अन्तोदया

केन्द्र सभी तहसीलों में खोले जाएंगे ताकि वहां के लोगों को कल्याणकारी जानकारी मिल सके।

उपाध्यक्ष महोदयाः पवन जी, आप अपनी बाकी बातें लिखकर दे दें।

डॉ. पवन सैनीःउपाध्यक्ष महोदया, प्रदेश में पहली बार हरियाणा राज्य सफाई आयोग की स्थापना की गयी है। प्रदेश को खुले से शौच मुक्त कराने में पंचायती संस्थाओं ने बहुत अहम भूमिका निभाई हैं। ग्राम सचिवालयों का भी निर्माण करवाया गया है।

उपाध्यक्ष महोदयाः पवन जी, अब आप अपनी बात लिखकर दे दें क्योंकि दूसरे माननीय सदस्यों को भी बोलना है।

डॉ. पवन सैनीः उपाध्यक्ष महोदया, इसके साथ–साथ हमारे देश में तीन एन. आई.टीज. की स्थापना की गयी है जिसमें विजयवाड़ा, अहमदाबाद तथा उमरी भी शामिल है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इसमें हरियाणा प्रदेश का भी कोटा रखा जाए, क्योंकि जो बच्चे एन.आई.टी. में पढ़ते हैं उन बच्चों में से कुछ बच्चे दूसरे राज्यों से भी शामिल हैं, इसलिए हरियाणा का कोटा फिक्स किया जाए। इसके साथ–साथ हैल्थ और सड़कों की बात करें तो इन क्षेत्रों में भी सरकार ने प्रदेश का कायाकल्प किया है।

उपाध्यक्ष महोदयाः पवन जी, आप अपनी बाकी बात लिखकर दे दें, वे बातें प्रोसिडिंग्ज में डाल दी जाएगी।

डॉ. पवन सैनीः उपाध्यक्ष महोदया, माननीय मुख्य मंत्री जी ने मेरे हल्के में बहुत काम करवाएं है। (विघ्न) हमारे हल्के में राक्षी नदी का जीर्णोंधार किया गया है। मैं कहना चाहूंगा कि इस नदी में पानी का प्रवाह किया जाए। इसी तरह से सरस्वती नदी का भी जीर्णोंधार किया गया है, इसलिए इस नदी में भी पानी का प्रवाह शुरू करवाया जाए।

श्री नसीम अहमदः पवन जी, आप अब काम की बात कह रहे हैं।

डॉ. पवन सैनीः उपाध्यक्ष महोदया, मेरे हल्के के पुलिस स्टेशनों का डि–लिमिटेशन किया जाए। सी.एच.सीज. और पी.एच.सीज. की भी डि–लिमिटेशन करवाई जाए। इसके अतिरिक्त पॉवर के सब डिवीजनों की भी डि–लिमिटेशन करवाई जाए क्योंकि कई गांव अलग–अलग सब डिवीजनों पर जुड़े हुए हैं।

उपाध्यक्ष महोदयाः पवन जी, आप अपनी बात लिखकर दे दें।

डॉ. पवन सैनीः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि गैस्ट टीचर्ज को पक्का किया जाए। कम्पयूटर टीचर्ज और लैब एटैंडैंट्स के नये पदों का

सृजन करके उनको मर्ज किया जाए। इसी तरह से हमारे प्रदेश में आई.टी.आईज. के लिए 1274 कर्मचारियों का चयन पूरी पारदर्शिता से किया गया है, इसलिए इन कर्मचारियों के एगेंस्ट भर्ती न की जाए बल्कि इन्हीं कर्मचारियों को रैगुलर किया जाए। आउट सोर्सिंग पॉलिसी के बारे में जैसा मैंने सदन में कहा है और हमारे माननीय मंत्री श्री अनिल विज जी ने भी कहा था कि सिविल हॉस्पिटल की तर्ज पर सी.एच.सीज. में कर्मचारी लगाये गए हैं, मैं चाहूंगा कि उसी तरह से पी.एच.सीज. में भी आउट सोर्सिंग पॉलिसी के तहत कर्मचारी भर्ती किए जाएं। हमारी माननीया मंत्री श्रीमती कविता जैन जी से भी मैं अनुरोध करना चाहूंगा कि जो व्यक्ति 30–40 सालों से किराये की दुकानों में बैठे हुए हैं और जिन दुकानों का किराया 500 रूपये से भी कम है, इस प्रक्रिया को सलैगिस न करके दुकानों को जल्दी ही संबंधित दुकानदारों के नाम करवाया जाए। इसी तरह से जो कर्मचारी बिजली बोर्ड में डी. सी. रेट पर लगे हुए हैं उन कर्मचारियों का भी दुर्घटना का क्लेम बढाया जाए। हमारे फायर ब्रिगेड विभाग में जो कच्चे कर्मचारी लगे हुए हैं, उन कर्मचारियों में से जो कर्मचारी दुर्घटना में मारे जाते हैं उनको भी दुर्घटना क्लेम दिया जाए। इसके अतिरिक्त प्रदेश की ट्रांसफर पॉलिसी को बहुत सराहा गया है और ट्रांसफर पॉलिसी में जेल वार्डन कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है मेरा निवेदन है कि इन जेल वार्डन कर्मचारियों को ट्रांसफर पॉलिसी से अलग किया जाए, क्योंकि जेल वार्डनों को बहुत समस्या आ रही है। हमारी सरकार के घोषणा पत्र में कहा गया था कि पाल समाज को एस.सी कैटेगरी में शामिल किया जाएगा। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि पाल समाज को अनुसूचित जाति की श्रेणी में शामिल करने का कष्ट करें। उपाध्यक्ष महोदया, आपने मुझे माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया। इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं।

श्री धनश्याम दास (यमुनानगर) : उपाध्यक्ष महोदया, आपने मुझे माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। उपाध्यक्ष महोदया, हम सब इस बात से भली–भांति अवगत हैं कि भारत एक कृषि प्रधान देश है, किसान यदि समृद्ध होगा तो सारा देश समृद्ध होगा। उपाध्यक्ष महोदया, स्वामीनाथन आयोग की बात पिछले अनेक वर्षों से चल रही थी। जब हरियाणा प्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी और उस समय जब फसल खराब हुई तो स्वामीनाथन

आयोग ने यह सिफारिश की थी कि किसानों को 10 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदया, हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने 12 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा देकर स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट से भी आगे काम किया। किसानों को मुआवजा देने के साथ–साथ स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू हो इसके लिए किसानों को लागत मूल्य पर डेढ़ गुना एम.एस.पी. दिया गया। उपाध्यक्ष महोदया, समय–समय पर यह बात प्रत्येक व्यक्ति ने उठाई और हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वर्तमान बजट में किसानों को लागत मूल्य से डेढ़ गुना एम.एस.पी. देने की बात कही है। स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को बिल्कुल शब्दशः मतलब उसके एक–एक शब्द को लागू करने की दिशा में आगे कदम बढ़ाया गया है। उपाध्यक्ष महोदया, श्री ओम प्रकाश धनखड़ जी के कृषि मंत्री बनने से पहले पिछली सरकार ने हमें खाद की कमी विरासत के रूप में दी थी। उपाध्यक्ष महोदया, पहले थानों में खाद बिकता था और 5–5 कट्टे का परमिट मिलता था। पहले जब खेतों में गेहूं की बिजाई होती थी उस समय डी.ए.पी. की खाद उपलब्ध नहीं होती थी। आज उस कमी को दूर किया गया है ताकि हरियाणा के किसानों को खाद की कमी की समस्या का सामना न करना पड़े। उपाध्यक्ष महोदया, जब किसानों को खाद की आवश्यकता होती है तो वह खाद दुकान से खरीदकर अपने खेत में प्रयोग कर सकता है। उपाध्यक्ष महोदया, इसी तरह से हमारे कृषि मंत्री महोदय ने 'भावांतर भरपाई योजना' देश में शुरू की है, जो अपने प्रकार की अनूठी और पहली योजना है, जिसमें सब्जी पैदा करने वाले किसान के हित सुरक्षित रखे गए हैं। उपाध्यक्ष महोदया, इसके साथ ही जब भी पिछली सरकारों में कभी भी एम.एस.पी. बढ़ाने की बात आयी, तो उस समय एम.एस.पी. बहुत कम बढ़ता था, लेकिन हमारी सरकार ने वर्तमान केन्द्र की सरकार की इस बात को ध्यान में रखकर कि वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करना है 110 रुपए गेहूं में और 90 रुपए धान में बढ़ोतरी की। उपाध्यक्ष महोदया, मैं निश्चित रूप से यह कह सकता हूं कि इसके लिए केन्द्र सरकार प्रशंसा की पात्र है। उपाध्यक्ष महोदया, मैं सदन का ध्यान एक विशेष समस्या की ओर दिलाना चाहता हूं कि पिछली सरकारों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बोर्ड और प्लाई की नई यूनिट्स पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में इस प्रतिबंध को भी हटवाया गया और बोर्ड–प्लाई के नए लाइसेंस इश्यू करने की एक पॉलिसी बनाई गई, जिसके तहत सैकड़ों की संख्या में यह उद्योग कई शहरों में लगाया गया

है और हमारा यमुनानगर जिला तो इस उद्योग का एक केन्द्र बन चुका है और वह उद्योग लगने के कारण आज पॉपुलर और सफेदे के रेट में भी कुछ–न–कुछ सुधार ही हुआ है।

श्री आनंद सिंह दांगीः उपाध्यक्ष महोदया, क्या माननीय सदस्य हमें पॉपुलर और सफेदे के रेट बता सकते हैं ?

श्री धनश्याम दासः उपाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि आज के समय में पॉपुलर का रेट 600 से 700 रुपए क्विंटल के करीब है और सफेदे का रेट 600 रुपए के करीब है, अगर इन्हें देखना हो तो ये यमुनानगर की मंडी में आ जाएं। उपाध्यक्ष महोदया, विकास के मामले में हरियाणा प्रदेश के हर विधान सभा क्षेत्र में माननीय मुख्यमंत्री जी ने विकास रैलियां करके समान विकास और समान रोजगार दिया है। हर क्षेत्र को एक ही दृष्टि से देखकर उन्होंने एक ऐसा संदेश दिया है जिसका सारा समाज प्रशंसा कर रहा है। उपाध्यक्ष महोदया, इसके साथ ही श्री नरबीर सिंह जी के नेतृत्व में सड़कों की स्थिति में आशाजनक ही नहीं, बल्कि आशा से भी अधिक सुधार हुआ है और कई नए राष्ट्रीय राजमार्ग लाने में हरियाणा प्रदेश सफल हुआ और आज सड़कों की स्थिति इतनी अच्छी है कि कई पूर्व के वक्ताओं ने उसकी चर्चा करते हुए कहा था कि यदि चाय का कप भी कार में बैठकर पिया जाए तो उस कप में से चाय नहीं गिरेगी अर्थात प्रदेश में कहीं भी गड्डा नाम की कोई चीज नहीं है । इसके अतिरिक्त पारदर्शी, भ्रष्टाचार मुक्त, हर काम पर नजर रखने वाली सरकार का जो नारा हमने दिया था उसको व्यवहारिक करने के लिए हमारे मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में पूरा मंत्री मण्डल लगा हुआ है । आज के दिन हर गली और मोहल्ले में यह चर्चा है कि मुख्यमंत्री जी जो कहते हैं वह वाकई में करके दिखाते हैं । उपाध्यक्ष महोदया, लिंगानुपात में सुधार के बारे में भी यहां बहुत से माननीय सदस्यों ने चर्चा की है । हमारी सरकार की कोशिश से आज प्रदेश में लिंगानुपात में बहुत सुधार हुआ है । इसके लिए हमारे मुख्यमंत्री जी और सरकार की जितनी तारीफ की जाए वह कम है । उपाध्यक्ष महोदया, इसी तरह से गरीब परिवारों को गैस कनैक्शन देने के लिए प्रधान मंत्री उज्ज्वला गैस योजना बहुत ही सराहनीय स्कीम है । बी.पी.एल. परिवार की गृहणियां जहां पहले कैरोसीन या चूल्हे पर खाना बनाती थी जिससे उनकी आंखे खराब हो जाती थी । आज उन बी.पी.एल. परिवारों को 4.78 लाख एल.पी.जी. के कनैक्शन दिए गये हैं और ये परिवार इस स्कीम का भरपूर फायदा उठा रहे हैं ।

आज प्रदेश को पूरी तरह से कैरोसीन मुक्त कर दिया गया है इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी और सरकार को धन्यवाद देता हूं । उपाध्यक्ष महोदया, नहरी पानी के बारे में भी मेरे से पहले बोलते हुए बहुत से माननीय सदस्यों ने चर्चा की है । आज हमारी सरकार नहरी पानी का न्यायिक प्रयोग किस तरह से किया जाये इसकी पूरी कोशिश कर रही है । हमारी सरकार डार्क जोन में कोई क्षेत्र न जाये उसकी चिंता करते हुए पानी के सही प्रयोग की तरफ विशेष ध्यान दे रही है । हमारी सरकार अंडर ग्राउंड सिंचाई और स्प्रिंकलर की सिंचाई की तरफ विशेष ध्यान दे रही है क्योंकि ओपन चैनल से काफी पानी व्यर्थ चला जाता है । हमारी सरकार अंडर वाटर चैनल बनाने के लिए किसानों को सबसिडी देती है । अंडर वाटर चैनल बनाने से पानी का सद्पयोग होता है । हमारी सरकार पानी की एक–एक बूंद को बचाने के लिए पूरी कोशिश कर रही है ताकि किसान इसका लाभ उठाकर कृषि को लाभप्रद बना सकें । उपाध्यक्ष महोदय, इसी के साथ–साथ मैं बिजली के विषय पर भी यहां चर्चा करना चाहूंगा । मेरे से पहले भी काफी सदस्यों ने यहां बिजली के बारे में चर्चा की है और मैं इस क्षेत्र के बारे में चर्चा नहीं करूंगा तो मेरी चर्चा अधूरी रहेगी । हमारी सरकार आने के बाद म्हारा गांव जगमग गांव योजना के तहत 400 फीडरों के अधीन आने वाले 1811 गांवों को 24 घंटे बिजली दी जा रही है । पिछली सरकारों में गांवों में भी 24 घंटे बिजली मिलेगी ऐसी परिकल्पना कोई नहीं कर सकता था लेकिन यह कारनामा हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने करके दिखाया है । मैं मुख्यमंत्री जी का आभारी हूं कि हमारे यमुनानगर जिले में भी सभी गांवों को 31 मार्च से 24 घंटे बिजली बिना किसी कट के पूरी वोल्टेज से मिलनी शुरू हो जायेगी । हमारी सरकार इस तरफ आगे बढ़ रही है कि आने वाले कुछ साल में पूरे प्रदेश में हर गांव को 24 घंटे बिजली दी जाये । उपाध्यक्ष महोदया, हमारी सरकार ने स्थानीय निकाय, उद्योग, कृषि, पंचायत यानि हर क्षेत्र में नये मील के पत्थर स्थापित किए हैं । यही कारण है कि हरियाणा प्रदेश की जनता आज हमारी सरकार को आशा भरी निगांहों से देख रही है और दोबारा से हमें सत्ता में लाने के लिए कोशिश कर रही है । धन्यवाद ।

श्रीमती नैना सिंह चौटाला (डबवाली) : उपाध्यक्ष महोदया, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के लिए बोलने का अवसर दिया उसके लिए मैं आपकी बहुत–बहुत आभारी हूं । राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए मैं हरियाणा प्रदेश में बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था और विशेषकर महिलाओं पर

हो रहे अत्याचारों के बारे में चर्चा करना चाहूंगी । अभिभाषण में राज्यपाल महोदय जी ने सरकार की पीठ थप–थपाते हुए कहा है कि हरियाणा सरकार अपने अपराधिक मामलों को हैंडल करने में बहुत ही संतुष्ट है । किंतु इसमें जो महत्वूपर्ण बात छुपाई गई है वह भाजपा के शासनकाल में अपराध विशेषकर जो महिलाओं पर हो रहे हैं उनकी स्थिति बहुत चिंताजनक है । मैडम, हमारे प्रदेश के नागरिक विशेषकर महिलाएं बहुत ज्यादा अपराध की शिकार हो रही हैं । आज प्रदेश में हर चार घंटे में महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार की एक घटना घट रही है, हर दो घंटे में बलात्कार का प्रयास होता है और हर आठ घंटे में एक हत्या होती है और हर दस घंटे के बाद एक अपहरण की घटना घटती है । राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कहा गया है कि 12 वर्ष तक की बच्चियों के साथ बलात्कार करने पर फांसी की सजा का प्रावधान रखा गया है । यह बेहद निंदनीय है क्योंकि यदि हरियाणा में इसी तरह अपराध बढ़ते गए और 12 वर्ष की आयु के बच्चों को फांसी की सजा हो गई तो इसका मतलब हरियाणा सरकार अपनी कानून व्यवस्था में बिलकुल नाकाम है । (शोर एवं व्यवधान)

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (श्रीमती कविता जैन) : उपाध्यक्ष महोदया, मैं कुछ ज्यादा नहीं कह रही । मैं मंत्री हूं और मेरा फर्ज बनता है कि माननीय सदस्या यदि कुछ गलत कह रही हैं तो उसको ठीक करवा दूं । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती नैना सिंह चौटाला : उपाध्यक्ष महोदया, मैं यह नहीं कह रही कि 12 साल के बच्चों को सजा न हो । (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदया, पहले मेरी पूरी बात तो सुनी जाये । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती कविता जैन : उपाध्यक्ष महोदया, पहले मैं इनकी कही बात ठीक करवा देती हूं । उसके बाद इनकी बात सुन ली जायेगी । (शोर एवं व्यवधान) मैं इनको बोलने के लिए मना नहीं कर रही हूं । (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयाः प्लीज, आप सभी बैठें । मंत्री महोदया क्लैरीफाई कर रही हैं। आप उनकी बात सुनें । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती कविता जैन : उपाध्यक्ष महोदया, मैं हमारी सम्मानित सदस्या नैना सिंह चौटाला जी की बात को ठीक करना चाहती हूं और उनके ज्ञान को दुरूस्त करना चाहती हूं ताकि इस महान सदन के समक्ष गलत तथ्य रखकर कोई प्रदेश की जनता को गुमराह न कर सके । (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयाः प्लीज, आप सभी बैठें । मंत्री महोदया को बोलने दें । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती कविता जैन : उपाध्यक्ष महोदया, मैं हमारी सम्मानित सदस्या नैना सिंह चौटाला जी की बात को ठीक करना चाहती हूं और उनके ज्ञान को दुरूस्त करना चाहती हूं ताकि इस महान सदन के समक्ष गलत तथ्य रखकर कोई प्रदेश की जनता को गुमराह न करे । (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदया, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में लिखा हुआ है कि जिस तरह से प्रदेश के अंदर पिछले कुछ दिनों में जिस तरह के अपराध हुए उनको देखते हुए यह समय की मांग बनी कि 12 साल या उससे कम आयु की बच्चियों के साथ यदि सामूहिक बलात्कार या बलात्कार होगा तो हर उस व्यक्ति को कड़ी से कड़ी सजा फांसी देने का प्रावधान किया जायेगा जो इसमें संलिप्त होगा। मैं माननीय सदस्या को केवल यही दुरूस्त करना चाहती हूं । (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : नैना सिंह चौटाला जी, आप कन्टीन्यू करें । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती नैना सिंह चौटाला : उपाध्यक्ष महोदया, यह कोई तरीका नहीं है कि आप हमें बोलने का समय दें और सरकार के मंत्री हमें बीच में टोका–टाकी करें । (शोर एवं व्यवधान) मैं इस बात को क्रिटीसाईज नहीं कर रही हूं । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती कविता जैन : उपाध्यक्ष महोदया, इस महान सदन में हम गलत तथ्य नहीं प्रस्तुत करने देंगे । (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : प्लीज, आप सभी बैठें । आप इस तरह से सदन का समय बरबाद न करें । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती कविता जैन : उपाध्यक्ष महोदया, ऐसा कहीं नहीं लिखा है कि 12 साल के बच्चों को सजा दी जायेगी । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती नैना सिंह चौटाला : उपाध्यक्ष महोदया, महिलाओं के खिलाफ जो अत्याचार हो रहे हैं उनके बारे में हम यहां खुलकर चर्चा करेंगे । (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : प्लीज, आप सभी बैठें । नैना सिंह चौटाला जी, आप कंटीन्यू करें। (शोर एवं व्यवधान) प्लीज आप सभी बैठें । (शोर एवं व्यवधान) आप सदन को सुचारू रूप से चलने दें । मेरी परमिशन के बगैर कोई न खड़ा हो । (शोर एवं व्यवधान) बलात्कार जैसे अपराध जहां कहीं भी हुए हैं उन पर सदन में राजनीति नहीं होनी चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

13:00 बजे

" माना कि पुरूष बलशाली है, मगर जीतती हमेशा नारी है,
क्योंकि सांवरिया के छप्पन भोग पर, सिर्फ एक तुलसी पत्र भारी है"।

उपाध्यक्ष महोदया, ये लोग जो कुछ भी बोल रहे हैं उसको देखते हुये मैं कुछ ऐसा बोल जाऊंगी जिससे इस सदन में हंगामा हो जायेगा इसलिए मैं कुछ ऐसा बोलना नहीं चाहती हूं। मेरे पूरे भाषण में मैं किसी पर कोई लांछन नहीं लगा रही हूं, मैं सिर्फ महिलाओं के लिए बोल रही हूं और वह भी इसलिए बोल रही हूं क्योंकि आज अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। महिलाएं इस सीमा तक असुरक्षित हो गई हैं कि वे अपने घरों में भी सुरक्षित नहीं हैं। इसी प्रकार राज्य में यौन उत्पीड़न की घटनाएं भी निरंतर बढ़ती जा रही हैं। महिला अपहरण के मामलों में भी चिन्ताजनक वृद्धि हुई है जबकि सरकार का दावा है कि राज्य में महिला थाने खोलने से महिलाओं में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। सरकार की ढीली पकड़ का एक अन्य प्रमाण यह है कि वर्तमान सरकार के शासनकाल में स्कूल और कॉलेज जाने वाली लड़कियां न केवल असुरक्षित अनुभव करती हैं बल्कि उन्हें मजबूर हो कर अपनी सुरक्षा की मांग करने के लिए धरने और प्रदर्शन भी करने पड़े हैं। रेवाड़ी जिला इसके लिए एक प्रमुख उदाहरण है। उधर महिला आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट में स्वीकार किया है कि हरियाणा के स्कूल और विश्वविद्यालय जाने वाली छात्राओं को छेड़छाड़ और यौन शोषण के प्रयासों का सामना करना पड़ता है। इसी प्रकार दलित वर्ग भी भाजपा के शासनकाल में सबसे अधिक अपराधों एवं शोषण का शिकार है। (शोर एवं व्यवधान)

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री(श्री कृष्ण कुमार बेदी) : उपाध्यक्ष महोदया, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। बहन नैना सिंह चौटाला महिला दिवस पर बहुत अच्छी बात बता रही हैं। हम भी चाहते हैं कि महिलाओं का सम्मान होना चाहिए। ये कह रही हैं कि आज महिलाएं भयभीत हैं मैं इनको एक बात याद दिलाना चाहता हूं कि उस समय श्री ओमप्रकाश चौटाला मुख्यमंत्री थे और हरियाणा दिवस पर कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में सरेआम लड़कियों को उठाया गया था जिसके विरोध में 4 साल तक कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में हरियाणा दिवस नहीं मनाया गया था, ये उस दिन को भी याद कर लें। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयाः घोर अपराध जहां भी हुआ हो, उसका राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए।

श्री कृष्ण कुमार बेदीः उपाध्यक्ष महोदया, चौटाला जी उस दिन कुरूक्षेत्र में ही थे। वे उस दिन वहां पर मुख्य अतिथि थे। विश्वविद्यालय से सरेआम लड़कियों का अपहरण किया गया। उसके लिए इनको माफी मांगनी चाहिए। ये पहले माफी मांगें उसके बाद अधिकारों की मांग करें। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती नैना सिंह चौटालाः उपाध्यक्ष महोदया, माफी तो इनको मांगनी चाहिए। इनको शर्म आनी चाहिए ये किस प्रकार की बातें कर रहे हैं। मुझे बोलने के लिए मजबूर न किया जाये मैं कुछ बोल दूंगी फिर सदन में हंगामा हो जायेगा लेकिन मैं बोलना नहीं चाहती हूं। मैं किसी व्यक्ति विशेष पर अंगुली उठाना नहीं चाहती क्योंकि अगर मैंने किसी व्यक्ति का नाम ले दिया तो यहां पर बहुत बड़ा हंगामा हो जायेगा। उपाध्यक्ष महोदया, इसलिए आप बेदी जी को कहो कि वे किसी व्यक्ति का नाम न लें और यह पार्टी भी दूध की धुली नहीं है।

उपाध्यक्ष महोदयाः आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है, आप बोलिये।

श्रीमती नैना सिंह चौटाला : उपाध्यक्ष महोदया, हरियाणा में प्रतिदिन अपहरण व बलात्कार जैसी जघन्य अपराध की घटनाएं घट रही हैं । जिनके कारण कोई भी नागरिक विशेष कर महिला अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर सकती । हाल की कुछ घटनाएं हैं जैसे 13 जनवरी 2018 में कुरूक्षेत्र जिले की एक गुमशुदा 15 वर्षीय हरिजन लड़की का अर्धनग्न क्षतविक्षत शव जीन्द जिले की नहर के किनारे पड़ा मिला । 13 जनवरी 2018 को फरीदाबाद जिले में एक 22 वर्षीय महिला अपने काम से घर लौट रही थी उसका अपहरण करके तीन व्यक्तियों ने चलती कार में उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया । 13 जनवरी 2018 की रात्रि को पानीपत जिले के एक गांव में 11 वर्षीय हरिजन लड़की के साथ उसके दो पड़ोसियों द्वारा सामूहिक बलात्कार के बाद उसकी हत्या कर दी गई । 14 जनवरी 2018 को पिंजौर के पास के क्षेत्र में एक 10 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार के बाद उसकी अमानवीय ढ़ंग से हत्या की गई । फिर 16 जनवरी 2018 को हिसार में एक 15 वर्षीय लड़के पर साढ़े तीन वर्ष की लड़की के साथ बलात्कार की शिकायत दर्ज की गई। उपाध्यक्ष महोदया, 18 जनवरी 2018 को फतेहाबाद जिले में एक शादीशुदा 20 वर्षीय महिला के साथ दो व्यक्तियों द्वारा बलात्कार किया गया । (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदया आप तो सुन लो । आप तो एक महिला हैं । आपको तो सुनना चाहिए । (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदया, 18 जनवरी के

बाद फिर 22 जनवरी को गुरूग्राम के सैक्टर 56 में एक शादीशुदा महिला के साथ बन्दूक की नोंक पर देवर की उपस्थिति में बलात्कार किया गया ।

उपाध्यक्ष महोदया : नैना जी, आप इन सारी बातो को लिखकर दे दें। हम इनको प्रोसिडिंग्ज में डलवा देंगे ।(शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती नैना सिंह चौटाला : उपाध्यक्ष महोदया, यह तो हमारी सर्वे रिपोर्ट कहती है कि हरियाणा सामूहिक अपराधिक मामलों में नं0 1 है और उत्पीड़न में दिल्ली नं0 1 है । उपाध्यक्ष महोदया, मेरी आपसे गुजारिश है क्योंकि आप एक महिला हो इसलिए हरियाणा में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कुछ कीजिए । इसी तरह से एक दिव्यांग शहीद की विधवा ने अपने बाल मुंडवाए यह कितनी शर्म की बात है । यह सरकार के लिए बेहद निन्दनीय बात है । मैं आपसे गुजारिश करूंगी कि जितनी भी शहीदों की विधवाएं हैं उनके लिए आप कुछ कीजिए और अपने बजट में उनके लिए कुछ कोटा निकालिए ताकि उनको कुछ मिल सके । इसके अलावा जितने भी गैस्ट टीचर्स हैं आप उनके लिए भी कुछ कीजिए । आप एक महिला हैं इसलिए आप देखिये कि आंगनवाड़ी वर्कर्ज पर कितनी बार लाठी चार्ज की गई हैं और उन पर पुरूष पुलिस लाठी चार्ज कर रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदया : नैना जी, आंगनवाड़ी वर्कर्ज पर तो इस सदन में पूरा डिस्कशन हो चुका है ।

श्रीमती नैना सिंह चौटाला : उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपसे उनकी सुरक्षा की मांग कर रही हूं । फैसला लेना आपका काम है । कम से कम उन पर आप लाठी चार्ज तो न करवाईये । आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद ।

डॉ. हरिचन्द मिड्ढ़ा (जीन्द) : उपाध्यक्ष महोदया, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। जीन्द में झांझ गांव में लोग धरने पर बैठे हुए हैं । आज उनको धरने पर बैठे हुए दो महीने 10 दिन हो गये हैं । उनको कोई पूछने वाला भी नहीं है । मेरा आपसे निवेदन है कि आप उन लोगों से वहां जाकर कब पूछोगे और उनको धरने से कब तक उठाओगे । आदमी एक दिन भी भूखा नहीं रह सकता और आप वहां जाकर देखिये लोग दो महीने 10 दिन से भूखे बैठे हुए हैं । बच्चे, बूढ़े, जवान वहां बैठे हैं लेकिन उनको कोई पूछने वाला नहीं है । इसलिए मेरा निवेदन है कि आप उनके बारे में ध्यान दें ।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : उपाध्यक्ष महोदया, श्री परमेन्द्र सिंह ढुल जी तो कुछ और गांवों के बारे में बता रहे थे ।

श्री परमेन्द्र सिंह ढुल : मंत्री जी, बात तो वही है उसमें हमारे 15 गांव हैं जिसमें दो गांव हमारे मिड्ढा साहब के हल्के के हैं । जब आप उसकी जांच करवाओगे तो उसमें पूरी रिपोर्ट आ जाएगी ।

डॉ. हरिचन्द मिड्ढ़ा : उपाध्यक्ष महोदया, इनके 13 गांव को भी देख लेना लेकिन मेरे दो गांवों में तो यह काम जरूर करवा देना । मैं यह उम्मीद रखता हूं कि शायद आज और कल में आप इस काम को करवा ही देंगे ।

उपाध्यक्ष महोदया : मिड्ढ़ा साहब, अगर आपकी कुछ और बातें कहने से रह गई हैं तो उनको आप सदन के पटल पर रख दें । उनको प्रोसिडिंग्ज का पार्ट बना दिया जाएगा ।

***डॉ. हरिचन्द मिड्ढ़ा :** उपाध्यक्ष महोदया, ठीक है । उपाध्यक्ष महोदया, मेरे हल्के में सारी सड़कें टूटी हुई हैं उनको भी बनवाया जाए । इसी तरह से मेरे हल्के में सीवरेज का भी बहुत बुरा हाल है उसको भी ठीक करवाया जाए । मेरे हल्के में एक मैडीकल कॉलेज मंजूर किया हुआ है लेकिन अभी तक उस पर काम शुरू नहीं हुआ है । अतः उस पर काम शुरू करवाया जाए । उसी तरह से मेरे हल्के में मुख्यमंत्री जी ने जितनी भी घोषणाएं की हैं उनमें से किसी भी घोषणा पर काम नहीं हुआ है कृपया उन पर काम शुरू किया जाए । इसी तरह से मेरे हल्के में पीने के पानी की भी बहुत किल्लत है उसको भी दुरूस्त करवाया जाए ।

श्रीमती गीता भुक्कल (झज्जर) (एस.सी.) : माननीय उपाध्यक्ष महोदया, 5 मार्च, 2018 को महामहिम

राज्यपाल महोदय द्वारा सदन में दिए गए अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद प्रकट करती हूँ। सरकार द्वारा स्वर्ण जयंती वर्ष की धूमधाम को पूरा वर्ष जारी रखने के प्रयास को देखकर ऐसा प्रतीत हुआ कि जैस पूरी इवेंट मैनेजमैंट कंपनी को हॉयर कर लिया गया हो। सरकार पूरे साल भर सैलिब्रेशन मोड में रही और हमें यह उम्मीद थी कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा चुनावी घोषणा पत्र में किए गए सभी 154 वायदों पर हुए कार्यों को गिनवाया जायेगा लेकिन ऐसा

***चेयर के आदेशानुसार लिखित स्पीच को प्रोसीडिंग्ज का पार्ट बनाया गया।**

प्रतीत हुआ कि घोषणा पत्र में जो चुनावी वायदे किए गए थे, वह एक तरह से जुमला पत्र ही थे और इनको केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार को सत्ता में लाने के उद्देश्य से ही जनता के साथ किया गया था। महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में लॉ एंड आर्डर विषय पर कोई खास बात नहीं की गई है। सदन में बहन नैना सिंह चौटाला जी द्वारा अपनी बात रखते हुए कहा गया कि हरियाणा प्रदेश में बहुत ही भयावह स्थिति बनी हुई है और एक अजीब सा माहौल बना हुआ है। अभी सरकार द्वारा जो गीता जयंती समारोह मनाए गए, उन समारोह में भी करोड़ों–अरबों रूपये खर्च किए गए। विश्व भर से लोगों को गीता जयंती समारोह में शामिल होने के लिए बुलाया गया। आज सदन में बहन सीमा त्रिखा जी ने बोलते हुए कहा कि आदरणीय मनोहर लाल खट्टर जी को चीर हरण रोकने के लिए कृष्ण के रूप में आना पड़ेगा। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि सरकार के विधायक भी इस बात को मानने लग गए हैं कि पिछले साढ़े तीन साल के सरकार के कार्यकाल में लॉ एंड आर्डर की पोजीशन बहुत खराब हुई है और इसी कारण वह कहने लग गए हैं कि मुख्यमंत्री को कृष्ण के रूप में आना पड़ेगा। मुख्यमंत्री को क्यों कृष्ण के रूप में आना पड़ेगा? मुख्यमंत्री को अपने राजधर्म का पालन करना चाहिए, लॉ एंड आर्डर की स्थिति को मैंटेन करना चाहिए, क्राईम अगेनस्ट वूमैन को कंट्रोल करना चाहिए, युवाओं को रोजगार देने चाहिए, व्यापारियों की बंद दुकानों को ठीक करवाकर फिर से खुलवाने में मदद करनी चाहिए, डिमोनेटाइजेशन की वजह से बेरोजगार हुए लोगों को रोजगार देने का काम करना चाहिए परन्तु सरकार ने यह सब करने की बजाय हरियाणा प्रदेश की जनता पर लाठियां बांझने का काम किया है। चाहे आंगनवाड़ी वर्क्ज/हैल्पर्ज हो, चाहे एक्सटैंशन लैक्चरर्ज हो या शिक्षा सदन के सामने धरने पर बैठे जे.बी.टी. टीचर्ज हों, सरकार ने इन सब पर केवल और केवल लाठियां बांझने का ही काम किया है। सबसे बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण घटना तो तब हुई जब करनाल में शहीद की एक विधवा ने अपने बालों का मुंडन किया। यह कैसी सरकार है? इस सरकार द्वारा किसी प्रकार भी राजधर्म का पालन नहीं किया जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदया, सरकार द्वारा सरस्वती दिवस मनाया जा रहा है। सरस्वती विद्या की देवी होती है लेकिन विडंबना देखिए आज हमारे विद्या के मंदिर या यूं कहें कि आज हमारे शिक्षा के मंदिर भी पूरी तरह से अंसेफ हो चुके हैं। आज यहां पर बच्चों का मर्डर हो रहा है, प्रिंसिपल्ज का मर्डर हो रहा है और यहां पर टीचर्ज भी सेफ नहीं हैं। उपाध्यक्ष महोदया, केवल और केवल यह शिक्षा के

मंदिर ऐसी जगह मानी जाती थी जहां पर हम अपनी बहन–बेटियों व बच्चों को भेजकर उन्हें सुरक्षित समझा करते थे लेकिन बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति आज हरियाणा प्रदेश में बनी हुई है कि आज हमारे शिक्षण संस्थान भी सुरक्षित स्थान नहीं रह सके हैं। हमें उम्मीद थी कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में सेफ्टी एंड सिक्योरिटी आफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स पर कुछ बात होगी, इस पर चर्चा की जायेगी क्योंकि पिछली बार इस संदर्भ में एक बिल और एक्ट लाने की बात कही गई थी लेकिन राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में इस विषय पर किसी प्रकार का कोई जिक्र तक तक नहीं किया गया है। उपाध्यक्ष महोदया, आज प्रदेश की सरकार केवल मात्र गाय, गायत्री और गीता इन्हीं विषयों में लगी हुई है। अच्छी बात है इन विषयों पर काम किया जाए। हम गीता के खिलाफ नहीं हैं। माननीय शिक्षा मंत्री जी कहते हैं कि हमने गीता को स्कूली पाठ्यक्रम के साथ जोड़ दिया है, बहुत अच्छी बात है कि गीता को स्कूली पाठ्यक्रम के साथ जोड़ लिया गया है। बच्चे तो इसे पढ़ व सीख भी लेंगे लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, मैं आज सदन के माध्यम से सरकार को एक बात जरूर कहना चाहूंगी कि भगवान श्री कृष्ण जी ने महाभारत में गीता के संदेश में जो कुछ कहा है उसको अपने सावर्जनिक जीवन में भी लागू करने की जरूरत है। उस पर खुद भी अमल करने की जरूरत है। कहने का भाव यही है कि केवल मात्र सेलिब्रेशन से काम नहीं चलता बल्कि सरकार को अपनी कार्यप्रणाली को बेहतर बनाते हुए अच्छे ढंग से कार्य करना पड़ेगा। उपाध्यक्ष महोदया, मेरा पास यह आउटलुक मैग्जीन है जिसमें Nero Plays A Veena Called Saraswati शीर्षांक एक रिपोर्ट छपी है जिसमें जाट ऐजीटेशन के दौरान मारे गए लोगों, राम रहीम प्रकरण के दौरान सरकारी गोलियों से मारे गए लोगों, स्कूल के प्रांगण में गोली से मारे गए प्रिंसिपल्ज, स्कूल प्रांगण में मारे गए बच्चे आदि अनेक विषयों के बारे में छपा हुआ है। इस मैग्जीन में छपी एक रिपोर्ट में प्रकाश सिंह द्वारा कहे गए यह शब्द भी प्रकाशित हैं कि Haryana Police is very strong, but it is poorly guided, ex-top cop. इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि Haryana police guided by the week administrator. मैं यह कहना चाहूंगी कि जहां सरकार ने बनने के बाद यह कहा कि सबका साथ–सबका विकास की अवधारणा पर काम किया जायेगा तो फिर क्यों और क्या कारण है कि हरियाणा प्रदेश में इतनी भयावह स्थिति बनी हुई है? हमारे विधान सभा क्षेत्र झज्जर में जितनी भी घोषणाएं हुई मुझे बता दें अगर मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक घोषणा पर भी काम हुआ हो । कहा जा

रहा है कि माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने 90 विधान सभा क्षेत्रों का दौरा किया और घोषणाएं की । हमारे क्षेत्र में एक बाइपास बनाने की घोषणा की गई थी और कहा गया था कि वह बाइपास फिजीबल है, इसलिए वह बना दिया जाएगा । आज वहां पर ट्रैक्टर–ट्रॉली और हैवी व्हीकल इतने ज्यादा चल रहे हैं कि इतने लोग वहां पर बीमारियों से नहीं मरते जितने रोड़ एक्सीडैंट्स में मर रहे हैं । पिछले दिनों एक गाड़ी ने 4 बच्चों को कुचलकर रख दिया । इसके अतिरिक्त मोटरसाइकिल पर जा रहे 3 बच्चों को एक ट्राले ने कुचल दिया । वहां पर सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार बहुत ज्यादा एक्सीडैंट्स हो रहे हैं और वहां के बहुत बुरे हालत हैं । अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि इन दुर्घटनाओं पर कंट्रोल किया जाए । जो हैवी व्हीकल्स अपने रास्तों की बजाय गांवों के अन्दर से जाते हैं उनको रोकने के लिए कानून बनाया जाए । सरकार को ऐसा ट्रैफिक मैनेजमैंट करना चाहिए कि हैवी व्हीकल्स के लिए स्कूल, कॉलेज, ऑफिस इत्यादि के खुलने और बंद होने के समय इनको बाहर न निकाला जाए ताकि लोग इनकी चपेट में आने से बच जाएं । अभी जब विधान सभा के सत्र की घोषणा हुई तो कर्मचारी, आंगनबाड़ी वर्कर्ज, मिड डे मिल वर्कर्ज सभी वर्गों ने विधान सभा के घेराव का प्रयास किया । 'इण्डिया टुडे' पत्रिका में सभी स्टेट्स की गवर्नैंस की स्थिति दर्शाई गई है । इसमें हमारे प्रदेश को बैड गवर्नैंस में 16वें–17वें नम्बर पर दिखाया गया है । हरियाणा को टूरिजम में थोड़ा बेहतर दिखाया गया है । हमारा प्रदेश जो कई क्षेत्रों में पहले नम्बर पर था वह अब बहुत पीछे आ गया है । सरकार को एक श्वेत–पत्र जारी करना चाहिए कि हमारा प्रदेश किन चीजों में पहले नम्बर पर है । मेरे पास National Crime Bureau के आंकड़ें हैं । इनमें कहा गया है atrocities against the women, rapes, sexual harassments, acid attacks etc. क्षेत्रों में हमारा प्रदेश आगे बढ़ रहा है । कल विधान सभा के पटल पर जो आंकड़ें रखे गये हैं उनके अनुसार प्रदेश में पिछले 3 सालों में किडनैपिंग की घटनाएं सबसे ज्यादा हुई हैं । प्रदेश में लिंगानुपात की बात मैं अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बोलते हुए जरूर कहूंगी । नीति आयोग के आंकड़ों के अनुसार गुजरात सबसे पीछे है और हरियाणा दूसरे नम्बर पर है । मैं पूछती हूं कि क्या यही है गुजरात मॉडल जिसके पीछे हमारा हरियाणा लगा हुआ है । माननीय उपाध्यक्ष महोदया, आज प्रदेश में शिक्षा की बहुत बुरी स्थिति है । प्रदेश में न तो कोई आरोही स्कूल खोला गया है, न कोई कस्तूरबा गांधी स्कूल खोला गया है और न ही किसान मॉडल स्कूल खोला गया है । यह सरकार किसान हितैषी होने का दावा करती है जबकि इसने एक भी किसान मॉडल स्कूल नहीं खोला है । हमारे शिक्षा

विभाग ने मार्केटिंग बोर्ड के सहयोग से किसान मॉडल स्कूल्स का एक बहुत बढ़िया प्लैटफॉर्म तैयार किया था । कल से बोर्ड की परीक्षाएं शुरू हुई थी । शिक्षा की हालत यह है कि बोर्ड की परीक्षाओं से पहले ही 9वीं कक्षा का पेपर लीक हो गया । इसके बाद हो सकता है कि 11वीं क्लास का पेपर लीक हो जाए और फिर 12वीं कक्षा का पेपर लीक हो जाए ।(शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदया, हमने 'शिक्षा का अधिकार' कानून बनाने का ऐतिहासिक फैसला लिया था । हमने कांस्टीच्युशन में अमैंडमैंड किया था ताकि हर व्यक्ति को शिक्षा का अधिकार मिले । हमने हर व्यक्ति को शिक्षा देना अपनी जिम्मेवारी समझी और 6 से 14 वर्ष के बच्चों को स्कूल में लेकर आये और उनको शिक्षा दिलाई । माननीय शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा जी ने कहा था कि 5वीं, 8वीं और 10वीं की परीक्षाएं इसी सत्र से बोर्ड की परीक्षाएं होंगी । स्कूल्ज का शैक्षणिक सत्र शुरू हो गया है लेकिन अभी तक न 8वीं की परीक्षाएं शुरू नहीं हुई हैं न ही 5वीं की परीक्षाएं शुरू हुई हैं । इसके अलावा जब एस.टी.ई.टी. और एच.टी.ई.टी. के एग्जाम्स हुए पहले तो उनमें घपले निकलकर आये और दूसरा पी.जी.टी. का जो एग्जाम हुआ उसका रिजल्ट केवल 0.95 परसैंट आया है । मेरा प्रश्न है कि क्या हरियाणा प्रदेश की शिक्षा प्रणाली में इतनी गिरावट आ गई है ? (विघ्न)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : उपाध्यक्ष महोदया, अभी आदरणीय बहन गीता भुक्कल जी बोल रही थी । मैं कहना चाहता हूं कि हमने इनके नाम 'गीता' को समूचे जगत में विख्यात कर दिया है । यह नाम हिन्दुस्तान का एक बहुत ही सम्मानित नाम है । यह नाम भगवान श्री कृष्ण के मुखारविन्द से निकले हुए ज्ञान को दिया गया था । गीता के 18 अध्याय हैं और 700 श्लोक हैं । महाभारत 18 दिन तक चली थी । उपाध्यक्ष महोदया, आदरणीय बहन गीता भुक्कल प्रदेश की शिक्षा मंत्री रही हैं । ये अभी जिस कानून की बात कर रही थी मैं उस के विषय में कहना चाहता हूं कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने हिन्दुस्तान के विद्यार्थियों के साथ एक बड़ा गलत काम किया । यदि किसी बच्चे को यह पता चल जाए कि पहली कक्षा से बारहवीं कक्षा तक वह स्कूल जाए या न जाए उसको एटोमैटिकली पास करके अगली कक्षा में भेज दिया जाएगा तो क्या यह बात उसके लिए अच्छी है। आदरणीय बहन गीता भुक्कल जी शिक्षा मंत्री रही हैं । सदन में कई प्राध्यापक और अध्यापक बैठे हैं । मैं स्वयं अध्यापक रहा हूं । मेरे विचार से किसी चीज को सीखने के पीछे एक मानसिकता होती है । उपाध्यक्ष महोदया, भारतवर्ष शिक्षा, संस्कार और संस्कृति का पेटेंट है और यह आज से नहीं बल्कि सदियों से है । यदि बच्चे को यह पता चल जाए कि स्कूल में जाओ चाहे न जाओ ..... (शोर एवं

व्यवधान) माननीय सदस्या ने जो बात कही वह हम सिर झुकाकर लिखते जा रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान) आपको सुनना तो पड़ेगा । उपाध्यक्ष महोदया, पूर्व केन्द्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने जो No detention policy बनाई उसका अनेक प्रांतों में अनेक शिक्षाविदों ने विरोध किया । इस No detention policy को लागू करने से पहले इस पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक कमेटी बनाई गई । माननीय सदस्या गीता भुक्कल जी को उस कमेटी की चेयरपर्सन बनाया गया । आदरणीय गीता जी ने ऑल इण्डिया का भ्रमण करके रिपोर्ट तैयार की । उस रिपोर्ट की एक कॉपी मेरे पास भी है । इस रिपोर्ट में कहा गया है कि this policy is wrong as far as learning is concern it is unscientific. माननीय सदस्या गीता जी ने वह रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी परन्तु तत्कालीन सरकार ने उस रिपोर्ट को मन्जूर नहीं किया । हमने सरकार में आते ही आदरणीय केन्द्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ....(शोर एवं व्यवधान) मैं तो आपका ही गुणगान कर रहा हूं । मैं आंकड़ों के मुताबिक ही बोल रहा हूं और आपकी तारीफ कर रहा हूं । आप मेरी बात सुनिये । जो रिपोर्ट माननीय सदस्या गीता जी की अध्यक्षता की सब कमेटी ने दी उसको हमारी सरकार ने आते ही लागू कर दिया । हमने आदरणीय बहन गीता जी को निवेदन किया कि आज सारे देश के शिक्षा मंत्रियों की बैठक है । इसमें आप आमन्त्रित हैं और आपका वहां पर अभिनन्दन किया जाएगा । माननीय सदस्या गीता जी दिल्ली तक तो आई थी, लेकिन बैठक में आने से डर गई । हमने इनकी रिकमैंडेशन को ज्यों का त्यों लागू कर दिया । हरियाणा प्रदेश में होने वाली एच.टी.ई.टी. परीक्षा के परीक्षा केन्द्रों के लिए 8 जिलों झज्जर, रोहतक, महेन्द्रगढ़, भिवानी, पलवल आदि को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया । (शोर एवं व्यवधान) पलवल जिले की 8 लड़कियां अम्बाला परीक्षा देने आई थी । उनको देखकर हमने निश्चय किया कि हम हर जिले में एच.टी.ई.टी. की परीक्षा करवायेंगे । अब हमने 7 लाख बच्चों की परीक्षाएं करवाई हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती शकुंतला खटक : मंत्री जी, मैं आपको और आपकी भाषा को अच्छी तरह से समझती हूं । (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : मैडम खटक, इस समय सदन में माननीय मंत्री जी बोल रहे हैं । अतः सदन की मर्यादा को ध्यान में रखते हुए आप बैठ जाइये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदया, आदरणीय बहन गीता जी ने परीक्षाएं शुरू होने की बात सदन में उठाई हैं । हमारे स्कूलों की परीक्षाएं अभी शुरू हुई हैं । हालात ऐसे थे कि पूर्व मुख्य मंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा भी रोहतक जिले में एच.टी.ई.टी. की परीक्षाएं शुरू नहीं करवा सके थे । हमने सरकार में आते ही कहा कि हम हर जिले में परीक्षाएं शुरू करवाएंगे । हमने कहा कि किसी भी लड़की को अपने जिले से बाहर परीक्षा देने के लिए नहीं जाना पड़ेगा । यह काम हमने करवाया है । हमारी माननीय सदस्या श्रीमती नैना सिंह चौटाला जी ने तुलसी की बहुत अच्छी बात बतायी है। इस तरह की बातों से वातावरण में थोड़ा–सा वर्ल्ड वाईड एक मनोवैज्ञानिक असर पड़ता है। अभी कुछ दिन पहले अमेरिका में एक छात्र ने 17 बच्चों को मार दिया। इसके अतिरिक्त हमारे गुड़गांव जिले में एक प्राईवेट स्कूल के छात्र प्रद्युमन की हत्या कर दी गयी और यमुनानगर जिले में एक छात्र ने उसी स्कूल की प्रिंसिपल को गोली से मार दिया। इस तरह से एक मनोवैज्ञानिक प्रभाव 7 वर्ष से लेकर 17 वर्ष तक की उम्र के जो बच्चे हैं उन पर पड़ता है। उपाध्यक्ष महोदया, आप भी शिक्षाविद् हैं। पहले भारतीय संस्कृति के अनुसार बच्चों को गुरूकुल में पढ़ने के लिए भेजा जाता था परन्तु आज मीडिया या दूसरे कई माध्यमों से बच्चों के अन्दर का अपराध बोध जागृत हो गया है। (विघ्न) अगर माननीय सदस्या कोई सुझाव देना चाहती हैं तो माननीय सदस्या का स्वागत है।

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी का धन्यवाद करती हूं कि इन्होंने विधान सभा में सही इन्फर्मेशन रखने की कोशिश की है। माननीय शिक्षा मंत्री जी ने जो आंकड़े पेश किये हैं मैं उन आंकड़ों को थोड़ा दुरूस्त करना चाहूंगी। हमारी सरकार के समय हमने कैब की मीटिंग की रिपोर्ट आदरणीय एच.आर.डी. मिनिस्टर श्रीमती स्मृति ईरानी को सौंप दी थी, परन्तु हरियाणा सरकार को बने हुए साढे तीन साल हो गये हैं और केन्द्र सरकार को बने हुए चार साल हो चुके हैं, इन साढ़े चार सालों के अन्तराल के दौरान 3 एच.आर.डी. मिनिस्टर्ज को बदला जा चुका है लेकिन एक कानून में एमैंडमेंट नहीं कर पाए हैं। हमारी सरकार के समय में नो डिटैंशन पॉलिसी बनायी गयी थी उसके बारे में कहा गया था कि इस पॉलिसी में यह गलती है और इस गलती को सुधारा जाए। जब हमने मान लिया था कि हमसे गलती हुई है उसके बाद चार साल का समय बीत जाने के बाद भी वर्तमान सरकार ने इसमें सुधार नहीं किया है। मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन हैं कि इस कानून में जल्दी से जल्दी पार्लियामैंट में एमैंडमैंट

करवाया जाए। इसके अतिरिक्त जब भी सैंटर्ल एडवाईजरी बोर्ड ऑफ एजूकेशन की मीटिंग हो तो उस मीटिंग में हमारी कमेटी ने जो लिखकर भेजा है उस बात पर भी चर्चा होनी चाहिए और हमने कहा था कि 6 साल से 14 साल तक के बच्चों के साथ–साथ 4 से 6 साल तक के बच्चों को प्री नर्सरी एजूकेशन दी जाए और उसको स्कूल एजुकेशन डिपार्टमैंट से एटैच किया जाए ताकि उन बच्चों को विधिवत ढंग से शिक्षा मिल सके। कैब की सब कमेटी की चेयरमैन जब मैं स्वयं थी उस समय इस कमेटी की रिपोर्ट में मैंने सिफारिश की थी कि शिक्षा के अधिकार के कानून के तहत 6 साल से 14 साल की उम्र की बजाय 12वीं कक्षा तक के सभी बच्चों को मुफ्त में शिक्षा देनी चाहिए इसलिए इस बात पर भी सरकार को काम करना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदयाः गीता जी, अब आप वाईंड अप करें।

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदया, आज गर्ल्ज की प्रोटैक्शन की बात आयी है। इस विषय पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जब मुझे बोलने का मौका मिलेगा तो मैं इसके बारे में अपनी बात जरूर रखूंगी। यह महकमा महिला एवं बाल विकास के साथ–साथ स्वास्थ्य विभाग से भी संबंधित है इसलिए हमारे आदरणीय माननीय मंत्री श्री अनिल विज साहब ने कहा है कि जो आंकड़े आये हैं, उन आंकड़ों की भी जांच हुई थी और उस जांच पर क्या फैसला हुआ है उसके बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। नीति आयोग ने यह बताया है कि आंकड़ों के साथ खेल खेला गया है। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा बजट का सबसे ज्यादा एक्सपैंडिचर प्रचार–प्रसार में किया गया है । (विघ्न)

श्री अनिल विजः उपाध्यक्ष महोदया, माननीय सदस्या श्रीमती गीता भुक्कल जी नीति आयोग के आंकड़ों की बात कह रही हैं। हमने वे सारे आंकड़ें चैक करवाए हैं और मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि हर क्षेत्र में हरियाणा में सुधार हुआ है। हमारे प्रदेश का नीयोनैटल मोरटेलिटी रेट वर्ष 2013–14 में 26 था और अब वर्ष 2016–2017 में घटकर 22 हो गया है। आई.एम.आर. रेट वर्ष 2013–14 में 41 था और वह भी घटकर 33 हो गया है। इसके अतिरिक्त जो एम. एम.आर. रेट पहले 127 था, वह भी घटा है। इसी प्रकार से जो सैक्स रेशो के आंकड़ें हैं वे आंकड़े भी बढ़े हैं और हमारे प्रदेश का सैक्स रेशो 832 लड़कियों से बढ़कर 914 हो गया है।

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदया, नीति आयोग ने जो आंकड़े दिये

हैं उन आंकड़ों को निरस्त करवाया जाना चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : उपाध्यक्ष महोदयाः हमारी माननीय सदस्या को मैं बताना चाहूंगा कि नीति आयोग द्वारा सैंपल सर्वे किया गया था। माननीय सदस्या अखबारों से आंकड़े पढ़कर राजनीति कर रही हैं यह ठीक बात नहीं हैं । (विघ्न) नीति आयोग द्वारा सैंपल सर्वे किया था। मैं ये एस.आर.एस. के आंकड़े बता रहा हूं।

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगी कि ये सही आंकड़े विधान सभा के पटल पर जरूर रख दें।

श्री अनिल विजः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि मैंने जो बोल दिया है। उसे रख दिया गया है, यह समझा जाए।

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदया, मंत्री जी ने जो आंकड़े बताएं हैं, उनसे मैं सहमत नहीं हूं। उपाध्यक्ष महोदया, मैं कहना चाहूंगी कि आज प्रदेश में कानून की स्थिति ठीक नहीं है। प्रदेश में लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति खराब हैं तभी तो जब एक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आते हैं तो इतनी ज्यादा मिलिट्री और पैरा–मिलिट्री फोर्सिज को बुलाया गया ताकि उनकी रैली हो पाए। उपाध्यक्ष महोदया, मैं इनसे पूछना चाहती हूं कि जिनके पास कर्मचारियों को देने के लिए सैलरी या भत्ता नहीं है वे इन कामों पर इतना ज्यादा खर्च कर रहे हैं ? उपाध्यक्ष महोदया, आज आंगनबाड़ी, आशा और मिड डे मील के जो वर्कर्ज हैं वे धक्के खा रही हैं। (शोर एवं व्यवधान)

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री (श्री कृष्ण कुमार बेदी) : उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को पूछना चाहूंगा कि जब ये हरियाणा में मिनिस्टर थी, उस समय वर्ष 2007 से लेकर अब तक का सी.आई.एस.एफ. की टुकड़ी के खर्च का जिम्मेवार कौन है?

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदया, महामहिम राज्यपाल महोदय का जो अभिभाषण होता है वह सरकार का विजन डॉक्यूमेंट होता है **** उपाध्यक्ष महोदया, इतना बड़ा प्लेटफार्म था और उसको हमने पढ़ा हुआ मान लिया।

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज): उपाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि यह परम्परा रही है और यह जरूरी नहीं होता है कि उसे **** के द्वारा पूरा पढ़ा जाए, उसे पढ़ा हुआ मान लिया भी जाता है।

***चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।**

श्रीमती कविता जैनः उपाध्यक्ष महोदया, मैं बताना चाहती हूं कि हम इस विधान सभा में 5 साल पहले भी थे और पहले भी **** इस तरह से पढ़ा हुआ माना जाता रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : गीता जी, मैंने आपको इस बारे में खुद कल बता दिया था (विघ्न)

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदया, मैंने **** के द्वारा अभिभाषण को पढ़ा हुआ मान लिया और उसमें जो–जो वायदे किए गए हैं, उनको भी पढ़ा हुआ मान लिया है। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदयाः राज्यपाल महोदय के बारे में जो भी कहा गया है उसे सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाए। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः मैडम, मैं बताना चाहूंगी कि राज्यपाल महोदय के बारे में कुछ गलत नहीं बोला गया है। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदयाः गीता भुक्कल जी, इस बारे में पहले भी मैम्बर्ज कह चुके हैं और बार–बार इस बात को दोहराना अच्छी बात नहीं है। मैं बताना चाहूंगी कि यह हमारे रूल्ज में लिखा हुआ है कि गवर्नर साहब उसे पूरा पढ़े या न पढ़े। (शोर एवं व्यवधान) गीता जी, आप अपनी बात 2 मिनट में कन्क्लूड करें।

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपको बताना चाहूंगी कि हमने 2 महीने पहले भी प्रदेश में बिगड़ती हुई लॉ एण्ड आर्डर स्थिति के संबधं में महामहिम राज्यपाल महोदय को ज्ञापन सौंपे थे। उपाध्यक्ष महोदया, मैं यह कहना चाहूंगी कि यह सरकार आज केवल और केवल योजनाओं का नामकरण करने का काम कर रही है। उपाध्यक्ष महोदया, अगर आप महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर नजर डाले तो आप देखेंगे कि हर योजना का रिट्रोस्पेक्टिवली नाम बदला जा रहा है, जैसे– श्री राजीव गांधी जी के नाम से एक एक्सीडेंटल स्कीम थी उसको रिट्रोस्पेक्टिवली अप्रैल, 2017 से बदलकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रख दिया गया। उपाध्यक्ष महोदया, हम सरकार के खिलाफ नहीं है, हम चाहते हैं कि सरकार नई योजनाएं चलाएं, लेकिन उनका नामकरण न करे। उपाध्यक्ष महोदया, आज की सरकार ने किसी एक्सीडेंटल स्कीम में पैसा देने का काम नहीं किया।

***चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।**

श्री कृष्ण कुमार बेदीः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को कहना चाहूंगा कि (विघ्न)

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगी कि ये पहले मुझे अपनी बात पूरी करने दें, उसके बाद ये अपनी बात को रखें। (विघ्न)

श्री कृष्ण कुमार बेदीः उपाध्यक्ष महोदया, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि इन्होंने वर्ष 2008 के अंदर राजीव गांधी बीमा योजना शुरू की और उसका ठेका रिलायंस कम्पनी को दे दिया था। (विघ्न)

(इस समय श्रीमती गीता भुक्कल जी वैल में चली गईं और उपाध्यक्ष महोदया के आसन के सामने जाकर उनसे तर्क–वितर्क करने लगी)

उपाध्यक्ष महोदया, मैं बताना चाहूंगा कि वर्ष 2007–2008, 2008–2009 और 2009–2010 में इन्होंने 1600 करोड़ रुपया इस स्कीम के तहत लोगों से वसूलने का काम किया। उपाध्यक्ष महोदया, हमारी सरकार ने रिलायंस कम्पनी के गले में हाथ डालकर उन पैसों को निकालने का काम किया। उपाध्यक्ष महोदया, हमारे मुख्यमंत्री जी, ने 26 जनवरी को 400 लोगों को मुख्यमंत्री निवास पर बुलाकर चार–चार लाख रूपये के चैक दिये और साथ में उनको खाना भी खिलाया और उनको नाश्ता कराया। कांग्रेस पार्टी के सदस्य तो घपला करके भाग गये थे जबकि हमने उनको पैसे देने का काम किया है ।

श्रीमती गीता भुक्कल : उपाध्यक्ष महोदया जी, सरकार के मंत्री हमें धमकाने का काम करते हैं We need your protection in the House. (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदया : गीता जी, आपका बोलने का समय पूरा हो गया है फिर भी मैं आपको एक मिनट का समय देती हूं। आप एक मिनट में अपनी बात समाप्त करें। (विघ्न)

श्रीमती गीता भुक्कल : उपाध्यक्ष महोदया जी, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगी कि सरकार के मंत्री को मंत्री की तरह ही बिहेव करना चाहिए। हम लोग विपक्ष में हैं लेकिन विपक्ष के सभी माननीय सदस्यों को भी अपनी बात करने का पूरा अधिकार है। सत्तापक्ष के साथियों ने महामहिम राज्य पाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान बड़े–बड़े झूठ बोले। (विघ्न) यह कहा गया कि प्रदेश में 24 घंटे बिजली दी जा रही है लेकिन हमारे यहां तो नहीं दी जा रही। इसी प्रकार से सड़कों के निर्माण की बात कही गई। यह भी हमारे यहां पर नहीं हुआ।

हमारे यहां बिजली का एक भी नया कारखाना नहीं लगा है। एक भी नया मैडीकल कॉलेज नहीं खुला। एक भी नर्सिंग कालेज नहीं बना। कोई स्कूल अपग्रेड नहीं हुआ है। कुल मिलाकर इतनी बुरी हालत है कि हम ब्यान नहीं कर सकते। सत्तापक्ष के लोगों ने बहुत बड़े–बड़े झूठ बोले। (विघ्न)

श्री कृष्ण कुमार बेदी : उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से इनको यह बताना चाहूंगा कि इनकी पार्टी की सरकार के समय में विकास सिर्फ रोहतक और झज्जर तक ही सीमित होकर रह गया था। पूरे हरियाणा प्रदेश के 21 जिलों में से सिर्फ इन्हीं दो जिलों पर पूरा फोक्स किया गया और हरियाणा प्रदेश के बाकी 19 जिले लावारिस रखे गये। इसी कारण ये रोहतक और झज्जर तक सिमट कर रह गये। (विघ्न) मैं इनको यही कहना चाहता हूं कि अब की बार इनके पास रोहतक और झज्जर भी नहीं रहेगा। (विघ्न)

श्रीमती गीता भुक्कल : उपाध्यक्ष महोदया जी, धमका–धमकाकर हमारी आवाज़ को दबाने का काम विधान सभा में न करने का प्रयास किया जाये जनता तैयार बैठी है पूरा ईलाज करने के लिए। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदया जी, मुझे सिर्फ एक मिनट अपनी बात को कंक्ल्यूड करने के लिए दिया जाये।

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : उपाध्यक्ष महोदया जी, मैं निवेदन करूंगा कि जो माननीय सदस्या हैं वे बार–बार इस प्रकार की भाषा का प्रयोग न करें। वे स्वयं भी मंत्री रही हैं और उनसे हम उम्मीद करते हैं कि वे जो भी बातें कहेंगी वे ठीक ही कहेंगी। कभी वे कहती हैं कि बजट में सारा पैसा पब्लिसिटी में खर्च हो रहा है। (विघ्न) मैं केवल उनसे यह जानना चाहता हूं कि वे इतनी सीनियर सदस्या हैं वे हमें यह बतायें कि उनको ऐसी कितनी जानकारी है कि सरकार द्वारा इतना पैसा पब्लिसिटी में खर्च किया गया। वे यह भी कहती हैं कि सरकार के पास कर्मचारियों की तनख्वाह देने के लिए पैसे नहीं हैं। वे ऐसा कहकर सदन को गुमराह न करें अपितु वे हमें यह बतायें कि किस सरकारी कर्मचारी को तनख्वाह नहीं मिली है? मैं उनसे फिर से पूछना चाहता हूं कि क्या वे यह बात सच कह रही हैं? क्या यह सदन गुमराह करने के लिए है? इस प्रकार की ब्यानबाजी यहां पर नहीं की जानी चाहिए। अगर हम उन बातों पर आ जायें कि बिजली कारखानों में क्या–क्या खेल इनकी सरकार के समय में किये गये हैं तो बात कहीं की कहीं पहुंच जायेगी लेकिन हम उन बातों में नहीं जाना चाह रहे हैं। ये गवर्नर एड्रैस पर बोलें और साथ में हमको धमकाने की कोशिश न करें। बार–बार वे इन शब्दों का

प्रयोग भी न करें कि उनको मंत्री धमका रहे हैं। जहां तक धमकाने की बात है जो लोग अपने प्रदेश अध्यक्ष को नहीं छोड़ते जो कि बेचारा दलित समाज से है ये उसको भी नहीं छोड़ते और ये हमें कह रही हैं कि हम इनको धमकाते हैं। होता यह है कि इनके द्वारा यह कहकर उल्टा हमें धमकाने की कोशिश की जाती है लेकिन हम धमकाना किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेंगे। उपाध्यक्ष महोदया जी, हम निवेदन करेंगे कि ये जो धमकाने वाली बात बार–बार कर रहे हैं ये इसको खामखां रिकार्ड पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। हम इनसे इतनी प्रार्थना करेंगे कि ये अपने प्रदेश अध्यक्ष जोकि दलित समाज से है पर कृपा रखें। ये हम इनसे विनती करते हैं। ये कभी प्रदेश के लोगों के घरों को जलाने के लिए निकल पड़ते हैं। कभी हरियाणा प्रदेश के शहरों को फूंकने के लिए निकल पड़ते हैं। ऐसे लोगों को हरियाणा प्रदेश की जनता से इस सदन में माफी मांगनी चाहिए।

श्रीमती गीता भुक्कल : उपाध्यक्ष महोदया जी, इस सरकार के समय में लोगों का मारने का काम किया गया है। च्ववत हवअमतदमदबम ंदक जवजंस पिसनतम वि जीम ब्वदेजपजनजपवदंस उंबीपदमतल हुआ है। ये आंकड़े कहते हैं और टोटल रिपोर्ट्स भी ऐसा ही कह रही हैं। बैड गवर्नेंस पर नैशनल आंकड़ें बताते हैं। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदया जी, मुझे अपनी बात पूरी करने के लिए केवल एक मिनट का समय दिया जाये। (विघ्न)

श्रीमती शकुंतला खटक : उपाध्यक्ष महोदया जी, आपको मेरी बात भी सुननी चाहिए। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदया : शंकुतला जी, आप कृपया करके बैठ जायें और श्रीमती गीता भुक्कल जी को अपनी बात कहने दें। (विघ्न)

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड) : उपाध्यक्ष महोदया जी, महिला दिवस का यह मतलब नहीं होना चाहिए कि कांग्रेस पार्टी की दो–दो महिलायें एक ही साथ बोलेंगी। इनको एक–एक करके सदन में अपनी बात रखनी चाहिए। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदया : गीता भुक्कल जी, अब आप कृपया करके बैठ जायें अगर आपकी कोई बात रह गई है तो आप उसको लिख कर दे दें। (विघ्न)

श्रीमती गीता भुक्कल : उपाध्यक्ष महोदया जी, मुझे अपनी बात कहने के लिए केवल एक मिनट का समय दिया जाये। उसके बाद मैं स्वयं बैठ जाउंगी। मैडम जी, शैड्यूल कॉस्ट कमीशन बनाये जाने की बात हुई और इसी प्रकार से ह्युमन राईट्स कमीशन बनाने की बात भी हुई लेकिन आंकड़ें यह बताते हैं कि हरियाणा प्रदेश में

जो सैक्सुअल ह्राशमैंट और रेप के केसिज़ हुए उनमें से ज्यादातर महिलायें और बच्चियां दलित हैं। मैं यह भी बताना चाहूंगी कि स्टेट कमीशन ऑफ चाईल्ड राईट्स बनाया गया। उसमें भी कोई काम नहीं हो रहा है।

श्री कृष्ण कुमार बेदी : उपाध्यक्ष महोदया जी, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। यहां पर बहन गीता जी द्वारा एस.सी. आयोग और सफाई कर्मचारी आयोग के बारे में जिक्र किया गया है। गीता जी नैशनल पार्टी की मैम्बर हैं मैं इनको बड़ी विनम्रता के साथ यह बताना चाहूंगा कि इनकी पार्टी के श्री फूल चंद मुलाना ने एस.सी. कमीशन पर स्टे ले रखा। ये लोग आज तक उसका फॉर्म (Forum) नहीं बनने दे रहे हैं। हमारी सरकार का यह वायदा है कि आने वाले एक महीने के अंदर हम एस.सी. आयोग बनायेंगे। इसी प्रकार से इन्होंने कभी भी सफाई कर्मचारी आयोग की चर्चा तक नहीं की लेकिन हमने सफाई कर्मचारी आयोग बना दिया। हमने महिला विकास आयोग भी बना दिया। ये पता नहीं कैसी बात करते हैं। इनको अपना समय भी याद करना चाहिए। इनको अपना–घर कांड को भी याद करना चाहिए। इनकी सरकार के समय के दौरान का वर्ष 2011–12 का पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप छात्रों को हम दे रहे हैं। इस प्रकार से ये लोग गरीब बच्चों का हक भी खाकर भाग गये थे। मेरी समझ में यह नहीं आता कि ये इतनी बड़ी–बड़ी बातें कैसे करते हैं।

श्रीमती सीमा त्रिखा (बड़खल) : उपाध्यक्ष महोदया जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय जी के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया सर्वप्रथम मैं इसके लिए आपका धन्यवाद करती हूं। उपाध्यक्ष महोदया जी, मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं कि मेरे से पहले मेरे एक साथी ने इस बात की चर्चा की कि पिछले साढ़े तीन साल का हमने अपने आदरणीय मुख्यमंत्री जी को श्रीकृष्ण अवतार बताया। मैं यह कहना चाहती हूं कि उन्होंने मेरी उस बात को उस समय भी गौर से नहीं सुना। मैंने सदन के समक्ष यह बात रखी थी कि पिछले 15 सालों में जैसे फरीदाबाद का चीर हरण हुआ तो उसको नई सरकार आने पर आदरणीय मनोहर जी के रूप में कृष्ण मिला और उसने फरीदाबाद के चीर को बढ़ाने का काम किया। विपक्षी पार्टियों के सदस्य शहीदों के हित में बहुत से काम करने के दावे करते हैं। हम यहां पर शहीदों की शहादत पर राजनीति करने के लिए नहीं बैठे हैं बल्कि हम यहां पर पॉलिसी बनाने के लिए और प्रदेश का भला करने के लिए बैठे हैं। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन की जानकारी के

लिए बताना चाहूंगी कि पिछली सरकारों के दौरान एक शहीद की शहादत की कोई कीमत नहीं थी, एक शहीद जो अपनी पूरी जिंदगी इस देश की रक्षा के लिए न्यौछावर कर देता है हम उसकी कीमत लगाने के लिए कोई पैमाना नहीं बना सके लेकिन फिर भी जो मनोहर लाल जी के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया । पिछली सरकारों के दौरान मात्र 10 लाख रूपया एक शहीद की शहादत पर दिया जाता था लेकिन आदरणीय मुख्यमंत्री जी के कार्यभार सम्भालने के बाद इस राशि को 10 लाख से बढ़ाकर सीधा 50 लाख रूपये कर दिया गया। इस प्रकार से शहीदों का मान–सम्मान बढ़ाने का काम मनोहर लाल के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है। हमारे मुख्यमंत्री ने सारी जिंदगी राजनीति गरीबी और गरीबों के नाम पर की मैं इनके संज्ञान में यह बात भी लाना चाहती हूं कि मनोहर सरकार ने गरीबों के लिए 10/– रूपये की भोजन की थाली की व्यवस्था करने का महानतम काम किया है ताकि वह भरपेट खाना खा सके। (विघ्न) अगर हम विपक्ष की सरकार के समय की कमियां इनको नहीं बतायेंगे तो इनको अपनी कमियों के बारे पता कैसे चलेगा? उपाध्यक्ष महोदया, मैं इनकी जानकारी के लिए यह भी बताना चाहूंगी कि आज पहली बार एक सरकार ने 22 कॉलेज इकट्ठे खोल कर बच्चों के भविष्य को सुनिश्चित किया है।

उपाध्यक्ष महोदयाः मैं भी अपने आपको इनके साथ जोड़ते हुये माननीय मुख्यमंत्री जी और शिक्षा मंत्री श्री रामबिलस शर्मा जी का धन्यवाद करना चाहूंगी कि उन्होंने इसी सत्र से मेरे विधान सभा क्षेत्र के गांव डैरोली–सीहमा में महिला कॉलेज खोलने की शुरूआत की है।

श्रीमती नैना सिंह चौटालाः उपाध्यक्ष महोदया, मैं भी माननीय शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगी कि चूंकि आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है इसलिए मेरे विधान सभा क्षेत्र डबवाली में भी एक महिला कॉलेज खोलने की कृपा करें।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): उपाध्यक्ष महोदया, मैं बहन नैना सिंह चौटाला को भी आश्वासन देना चाहूंगा कि हम डबवाली में भी महिला कॉलेज खोल देंगे।

श्रीमती नैना सिंह चौटालाः उपाध्यक्ष महोदया, इसके लिए मैं माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करती हूं।

श्रीमती सीमा त्रिखाः उपाध्यक्ष महोदया, इस सरकार से किसी को कोई निराशा नहीं होगी, यहां सबको सबकुछ मिलेगा। नौकरियों के विषय को लेकर भी बहुत सी बात आई हैं। जितनी नौकरियां मनोहर लाल जी की सरकार के माध्यम से निष्पक्ष भाव

से और ईमानदारी से आम जनता को दी गई है यह अपने आप में एक उदाहरण है। आज किसी अखबार में कोई खबर नहीं छपी कि किसी राजनीतिज्ञ के परिवार में से किसी का चयन हो गया। इससे पहले किसी मंत्री या विधायक के बेटे, भाई, भतीजे या न जाने किन–किन रिश्तेदारों में नौकरियां बंट जाया करती थी। आज हरियाणा के आम जनमानस के घर ईमानदारी से नौकरी पहुंची है इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं। इसके साथ ही साथ मैं एक बात और बताना चाहती हूं कि अभी हाल ही में हमारे स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज हमारे फरीदाबाद के बी.के.हॉस्पिटल में आये थे। वहां पर उन्होंने सरकारी अस्पतालों में हर्ट सर्जरी के द्वारा स्टंट प्रत्यारोपित करने की सुविधा प्रदान की है जो कि इस सरकार के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले हमें हर्ट सर्जरी के लिए लाखों रुपये खर्च करने पड़ते थे। आज सरकारी अस्पतालों में हर्ट सर्जरी और स्टंट डालने की सुविधा प्रदान करके हरियाणा के लोगों को बहुत बड़ा तोहफा दिया गया है। ये सारे काम पहले भी किये जा सकते थे लेकिन पिछली सरकारें गरीब के दिल के साथ खिलवाड़ करना छोड़ती तभी कोई काम करके देती। बेटी–बचाओ, बेटी–पढ़ाओ की बहुत सारी बातें कई वक्ताओं के माध्यम से आई। अगर इस संसार के अन्दर, इस सृष्टि के अन्दर मैं सोचती हूं कि कोई सबसे बड़ा समरसता का उदाहरण है तो वह बेटी है, नारी है। एक नारी, एक बेटी ऐसी चीज है जो एक परिवार में जन्म लेती है और दूसरे परिवार को भी सम्भालती है। आज इस जगह पर खड़ी हो कर मैं हर दलगत राजनीति से, धर्म से कौम से ऊपर उठ कर बात करना चाहती हूं। अपनी सारी बहनों को बधाई देती हूं क्योंकि उन्हीं की वजह से समाज, प्रदेश, देश और यह सृष्टि है। यह राजनीति की जो अहम भूमिका निभती है वह भी हम बहनों के दम पर ही है। मैं इस बात पर आप लोगों को साथ शामिल करती हूं कि जब हम किसी पर कटाक्ष करते हैं तो हम नीति और मुद्दे की बात करें। अगर आज हम पानी को लेकर रोते हैं तो मैं जानती हूं कि जिन घरों में पानी नहीं आता है तो हमारे भाई तो तैयार हो कर दफ्तर में चले जाते हैं लेकिन पानी ढोने का काम भी हम बहनें करती हैं। मैं यह बात मन से बोलना चाहती हूं कि हम लोग इन सभी भावनाओं से ऊपर उठ कर काम करें। आज के दिन हमें आदरणीय मनोहर जी और आदरणीय मोदी जी जैसे दो अनमोल नेतृत्व मिले हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अलावा किसी प्रधानमंत्री ने लालकिले की प्राचीर से यह बात कहने की जुर्रत नहीं की कि अपनी बेटियों को तो हम टोकते हैं लेकिन

बेटों से भी सवाल करना सीखें। ये राजनीति से ऊपर उठकर की गई बातें हैं। यदि भारत की मिट्टी के संस्कारों से ओतप्रोत होते हुये हम समाज को आगे बढ़ायेंगे, राजनीति को साथ लेकर चलेंगे तो कहीं न कहीं हम सब उसमें गर्व महसूस करेंगे। हम किसी भी नेतृत्व में हो लेकिन हमारा सबसे बड़ा गर्व भारत है और भारत को विश्व गुरू बनाना है तो पहले हमें इन सभी चीजों को छोड़कर एक जुट हो कर आगे चलना पड़ेगा। मैं उसी मुद्दे को हरियाणा के साथ भी जोड़ती हूं। एस.वाई. एल. नहर पर हम 2 मिनट में रोने लगते हैं। इतनी सारी सरकारें निकल गई लेकिन हम अभी तक एस.वाई.एल. नहर का पानी क्यों नहीं ला सके ? आज भी जो लोग 20–20, 50–50 साल तक सत्ता में रहे वे अपने विधान सभा क्षेत्र के लिए कॉलेज खोलने की बात करते हैं, पीने के पानी की बात करते हैं। जब 50 साल तक उनके हाथ में कलम थी तो उन्होंने उससे क्या किया? आज हमारे हाथ में कलम है तो इसी कलम से हम सजा–ए–मौत भी लिख सकते हैं और हम मौत की सजा दरकिनार भी कर सकते हैं। मेरा अनुरोध है कि हम सब मिल कर चाहे वह एस.वाई.एल. नहर का मुद्दा हो या कोई और विषय हो, उस पर लेकर कटाक्ष छोड़ कर आगे बढ़ने का काम करें। मैं बहुत सारी चीजों को यहां सदन में बताना चाहती हूं जिनको इस सरकार ने अलग तरीके से किया है । हमारे यहां कबड्डी और कुश्ती के दंगल के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था जिसमें एक–एक करोड़ रूपये का ईनाम रखा गया था। यह काम भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक बहुत बड़े तोहफे स्वरूप था । मैं समझती हूं कि हरियाणा के खिलाड़ियों को यह एक मौका मिला है। इसमें सबसे बड़ी जो बात है वह यह है कि ऐसे पहले मुख्यमंत्री होंगे जिन्होंने 90 की 90 विधान सभाओं में समान रूप से काम किया है ।(शोर एवं व्यवधान)

श्री नसीम अहमद : उपाध्यक्ष महोदया, अगर किसी एक खिलाड़ी को भी पैसा मिला हो तो ये बता दें ।

श्रीमती सीमा त्रिखा : उपाध्यक्ष महोदया, मैं भाई नसीम अहमद से कहना चाहूंगी कि आदरणीय हैल्थ मिनिस्टर से हम पता कर लेंगे कि अगला दंगल कब होगा । आप उसमें अपना नाम रजिस्टर्ड कराएं । (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदया, इन्होंने तो अपना समय इन्हीं चीजों में गंवा दिया । अब इनके मन का दुःख है कि हमने अपनी कलम जाया कर दी और हमारी मनोहर सरकार ने अपनी कलम से सब काम दुरूस्त चला करा दिए हैं । जिससे इनको बहुत कष्ट हो रहा है । इनके

अधूरे स्वप्न भी आदरणीय श्री मनोहर लाल जी ने पूरे किये हैं । आज ये इस बात को लेकर अति दुःखी हैं ।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : उपाध्यक्ष महोदया, हमने एक करोड़ रुपये का इनाम रखकर कबड्डी का दंगल करवाया । आज हमारी झज्जर की बेटी मनु दो दिन में दो गोल्ड मैडल लेकर आई है । इसी तरह से साक्षी फिर मैडल लेकर आई है। यह जो खेलो इण्डिया करवाया गया उसमें हमारे हरियाणा के 394 बच्चे खेल कर आए हैं । ओवरऑल पूरे हिन्दुस्तान में 17 साल से नीचे के बच्चों में हमारे हरियाणा के बच्चे ही गोल्ड मैडल लेकर आए हैं । हमारी मनोहर लाल की सरकार ने खेलों के विकास पर जितना पैसा खर्च किया है आज तक किसी सरकार ने खर्च नहीं किया है । (शोर एवं व्यवधान)

वित मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : उपाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी की बातों में अपनी बातें जोड़ता हुआ कहता हूं कि पिछली सरकार ने खेलों के नाम पर खूब यश कमाने की कोशिश की थी । हमारी सरकार जब 26 अक्टूबर 2014 को आई तो उस समय खिलाड़ियों के इनाम के पैसे दो साल से बकाया पड़े थे । मैं यह बात सदन के पटल पर कह रहा हूं कि उस समय खिलाड़ियों को ईनाम के पैसे दिए जाने चाहिए थे जोकि लगभग 80 करोड़ रुपये बकाया था । उसका बजट में प्रावधान न होने के बावजूद भी हमने व्यवस्था करके 80 करोड़ रुपये के करीब इनकी सरकार के समय का बकाया पैसा हमने दिया है । उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से बहन गीता जी से निवेदन करना चाहता हूं कि उनका नाम गीता है और हम सभी गीता की कसम खाकर सच कहने की कोशिश करते हैं और सच कहने की बात करते हैं । आप कम से कम अपने नाम को तो सार्थक करें । हरियाणा प्रदेश को आप से बहुत उम्मीदें थी लेकिन आप पता नहीं कि किस संगत में कहां जा रही हैं । आप अपने आप को ढूंढ़े ।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : उपाध्यक्ष महोदया, माननीय शिक्षा मंत्री श्री राम बिलास शर्मा जी ने यह बात कही है कि हमने कबड्डी के खेल के लिए एक करोड़ रुपये का इनाम रखा है और यह बात ठीक है ।

उपाध्यक्ष महोदया : जसविन्द्र जी, मंत्री जी ने बता दिया है कि जो पैसा पिछली सरकार का बकाया पड़ा था वह दे दिया गया है और यह पैसे आगे दिये जाएंगे ।

श्रीमती सीमा त्रिखा : उपाध्यक्ष महोदया, इसके साथ–साथ मैं भी यही बात कहना चाहती हूं कि 90 विधान सभाओं में समान रूप से विकास कार्य हुए हैं ।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : उपाध्यक्ष महोदया, जब प्रदेश में हमारी पार्टी की सरकार थी और चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी मुख्यमंत्री थे, उस समय सिडनी में ओलम्पिक गेज हो रही थी तो ओलम्पिक गेज शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री जी ने यह घोषणा की थी कि जो भी बच्चा गोल्ड मैडल लेकर आएगा उसको एक करोड़ रूपये का इनाम दिया जाएगा । हमारी बहन कर्णम मल्लेश्वरी जी वेट लिफटिंग में तीसरे नं0 पर आई थी तो उनको 25 लाख रूपये देने का काम हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने किया था । यह ठीक है कि आप अच्छा कार्य कर रहे हो ।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): उपाध्यक्ष महोदया, सरदार जसविंद्र सिंह संधू ने बड़े मौके की बात कही है। यह जमाना सबको देख रहा है और इसी परिपेक्ष्य में मैं उपाध्यक्ष महोदया, आपके माध्यम से सरदार जसविन्द्र सिंह संधू को कहना चाहूंगा कि वह कोई ऐसे आदमी नहीं हैं जो कल नहीं थे, आज नहीं है या फिर भविष्य में नहीं होंगे। उपाध्यक्ष महोदया, हरियाणा का हम इतिहास भी हैं और हरियाणा का हम विश्वास भी हैं। जहां तक उड़ान भरने की बात सदन में आज आई, मैं इस संदर्भ में नसीम अहमद जी जिनके अब्बू जान के साथ मिलकर हमने काम किया हुआ है, को जोड़कर एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि "मंजिलें मिलती है उनको, जिनके सपनों में जान होती है–अकेले पंखों से कुछ नहीं होता, हौंसलों से उड़ान होती है।"

श्रीमती सीमा त्रिखा: उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन में यह बात कहना चाहूंगी कि माननीय मनोहर लाल जी पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने अपने आप में एक इतिहास कायम किया है। इन्होंने हरियाणा प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करते हुए, एक नज़र में घोषणाओं का पिटारा ही नहीं खोला बल्कि हकीकत में उसको अमलीजामा भी पहनाया है लेकिन हमारे विपक्ष के साथियों की नज़र शायद कमजोर हो गई है जिसकी वजह से उन्हें यह चीजें दिखाई नहीं दे रही हैं। उपाध्यक्ष महोदया, मैंने वर्ष 2005 से लेकर वर्ष 2010 तक फरीदाबाद नगर निगम में पार्षद की हैसियत से अपनी सेवाएं दी हैं। मुझे वह समय भी याद है जब हम फरीदाबाद वाले विकास के लिए बहुत तरसते थे और उस समय तत्कालीन सरकार ने फरीदाबाद को विकास के लिए गुरूग्राम से 100 करोड़ रूपये उधार लेकर दिए थे। आज उसी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर हमारे आदरणीय मनोहर लाल जी विराजमान है जिनके नेतृत्व में 1200 करोड़ रूपये की विकास की न केवल घोषणाएं ही हुई बल्कि उन घोषणाओं को अमलीजामा पहनाने का भी काम किया गया।

बड़खल को सब डिवीजन बनाना अपने आप में एक बहुत बड़ी बात थी। पिछली सरकारें भी यह काम कर सकती थी लेकिन नहीं किया। फरीदाबाद का जीवनदायिनी माने जाना वाला इलाका जिसको टाउन या 1, 2, 3, 4 और 5 नम्बर बोलते हैं, मेरे बड़खल विधानसभा क्षेत्र में आता है। वर्ष 1947 में फरीदाबाद यहीं से शुरू हुआ था। माननीय मुख्यमंत्री जी की एक आवाज पर आज यहां पर 110 करोड़ रूपये की लागत से सड़कें बननी शुरू हो चुकी है, जबकि उस समय तो तनख्वाह देने लायक पैसे नहीं हुआ करते थे और 100 करोड रूपये उधार लेकर काम चलाया गया था। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का तहे दिल से धन्यवाद करती हूँ। इसके साथ साथ अगर मैं और विकास कार्यों की गिनती गिनानी शुरू करूं तो एक बहुत लंबी लाईन बन जायेगी। सदन में भाई मूल चंद शर्मा जी ने तथा श्री टेक चंद शर्मा जी ने जोकि पृथला से जनता का नेतृत्व करते हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के विधायक नहीं है परन्तु बावजूद इसके उन्होंने भी माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणाओं और उन पर हुए अमलीजामों के बारे में पूरे सदन को बताया। उपाध्यक्ष महोदया, हम सब यहां सदन में अपने–अपने क्षेत्र की समस्यायें उठाने के लिए आते है लेकिन जहां पर काम हुआ होता है उन कामों की भी हमें निष्पक्ष भाव से सराहाना करनी चाहिए और जिन माननीय सदस्यों की मांगे हैं उन्हें निष्पक्ष भाव से माननीय मुख्यमंत्री जी के सामने रखना चाहिए क्योंकि यह और इनका मंत्रीमंडल अपने आप में नायब है कि जो कोई भी इनके पास जाता है, यह प्रत्येक की बात को पूरा करते हैं। इसका उदाहरण इस बात से भी मिल जाता है कि आज सदन में माननीय शिक्षा मंत्री महोदय ने विभिन्न पार्टियों के माननीय सदस्यों की एक आवाज पर उनके अपने–अपने क्षेत्र में कॉलेजिज दिए हैं। उपाध्यक्ष महोदया, जो काम होते हैं उनके लिए कटाक्ष करने की बजाय धन्यवाद करना चाहिए। इसके साथ ही मैं उपाध्यक्ष महोदया, एक बात आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी तक पहुंचाना चाहूंगी कि आज महिला दिवस है और इस शुभ अवसर पर महिलाओं की जितनी भी मांगे आज अलग–अलग स्थानों से आपके पास आई हैं, आप इन सभी मांगों को माननीय मुख्यमंत्री तक पहुंचायेंगी। उपाध्यक्ष महोदया, आप एक महिला हैं और आप अच्छी तरह से जानती है कि किस प्रकार एक महिला को जीवन में अलग अलग दायित्व निभाते हुए कार्य करना पड़ता है। आप हमारी बहनों की मांगों को माननीय मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन

देकर, इन्हें आभास करा दीजिए कि भारतीय जनता पार्टी में सबको एक ही तराजू से बराबर–बराबर तोलकर समान रूप से बांटने का रिवाज है। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदयाः देखिए मैंने पहले नैना जी को बोलने का मौका दिया, उसके बाद गीता जी को बोलने का मौका दिया और अब आप बोल रही है, यह सब इसीलिए तो किया जा रहा है ताकि आपकी बात माननीय मुख्यमंत्री तक पहुंचे।

श्रीमती सीमा त्रिखाः उपाध्यक्ष महोदया, हमारा फरीदाबाद सबसे पुराना शहर है और यह न केवल भारत में बल्कि विश्व में भी इंडस्ट्रियल टाउन के नाम से विख्यात है।

उपाध्यक्ष महोदया : बहन जी, आप जल्दी से अपनी स्पीच कंक्लूड कीजिए।

श्रीमती सीमा त्रिखा : उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से मांग करती हूँ कि गुरूग्राम की तरह फरीदाबाद को भी फरीदाबाद डिवैल्पमैंट अथॉरिटी बनाया जाये। मैडम, मैं यह भी मांग करती हूँ कि बड़खल सब–डिविजन में एक विश्वविद्यालय बनाया जाए। मेरे भाई श्री टेक चंद शर्मा जी ने पृथला के लिए विश्वविद्यालय की मांग की थी और पलवल के दुधोला में विश्वकर्मा कौशल विकास विश्वविद्यालय बनाने की घोषणा कर दी गई थी।

उपाध्यक्ष महोदया : बहन जी, आप अपनी स्पीच जल्दी कंक्लूड कीजिए ।

बैठक का समय बढ़ाना

उपाध्यक्ष महोदया : यदि सदन की सहमति हो तो बैठक का समय 2 मिनट के लिए और बढ़ा दिया जाए ?

आवाजें : ठीक है जी।

उपाध्यक्ष महोदया : ठीक है, बैठक का समय 2 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्रीमती सीमा त्रिखा : उपाध्यक्ष महोदया, अंत में मैं आपके माध्यम से सदन में यह कहना चाहती हूँ कि फरीदाबाद में जो वाई.एम.सी.ए. कॉलेज को यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया गया है, इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देती हूँ। उपाध्यक्ष महोदया, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपकी आभारी हूँ। धन्यवाद ।

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सरदार जसविन्द्र सिंह संधू ने जो सदन में झूठ बोला है, उसका जवाब देना चाहता हूँ। उपाध्यक्ष महोदया, हमारी बहन साक्षी मलिक ने जैसे ही पदक जीतकर भारत की धरती पर कदम रखा यानी एयरपोर्ट पर ही माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने अढ़ाई

करोड़ रूपये का चैक दिया था। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) हमारी बहन दीपा मलिक सिल्वर पदक लेकर आई तो हमारी सरकार ने उसको चार करोड़ रूपये का चैक दिया। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) उपाध्यक्ष महोदया, एशियार्ड के जो पिछली सरकार में गेम्स हुए थे, उनके सारों के अवार्ड भी हमारी सरकार ने दिए थे। उपाध्यक्ष महोदया, हमने वर्ष 2014–15 में खिलाड़ियों को 29 करोड़ रूपये अवार्ड के रूप में दिए, वर्ष 2015–16 में खिलाड़ियों को 89 करोड़ रूपये अवार्ड के रूप में दिए तथा वर्ष 2016–17 में खिलाड़ियों को 48 करोड़ रूपये अवार्ड के रूप में दिए थे। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) उपाध्यक्ष महोदया, हमारी सरकार के बारे में यह कहा जाता है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने खिलाड़ियों को कोई भी ईनाम नहीं दिए।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : उपाध्यक्ष महोदया, ऐसी बात मैंने नहीं कही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलवंत बाजीगर : उपाध्यक्ष महोदया, यदि आपकी अनुमति हो तो मैं अपनी लिखित स्पीच को प्रोसिंर्डिंग का पार्ट बनाना चहता हूं।

उपाध्यक्ष महोदया : ठीक है, आप लिखकर दे दीजिए उसे प्रोसिर्डिंग का पार्ट बना दिया जाएगा।

***श्री कुलवंत बाजीगर :** ठीक है, उपाध्यक्ष महोदया, आज मैं हमारी सरकार एवं मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी का धन्यवाद करता हूं कि जिनकी करनी एवं कथनी में कोई अंतर नहीं है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा में ईमानदार राजनीति का जहां एक बड़ा उदाहरण पेश किया है वहीं प्रदेश में राजनीति के मायने भी बदल कर रख दिए हैं। उनकी प्रदेश में एक समान विकास की सोच की वजह से हर क्षेत्र में समान विकास हुआ है और इसी विकास में मेरा 50 वर्षों से पिछड़ा हल्का गुहला, चल रहे विकास कार्यों के चलते प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की बराबरी तक पहुंच गया है, इसलिए मैं विशेष तौर पर मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी का धन्यवाद करता हूं। जहां हरियाणा में बहुत विकास हो रहा है वहीं मेरा हल्का भी विकास के मामले में किसी भी तरह से पीछे नहीं हैं। मैं भारतीय जनता पार्टी का सदा ही आभारी रहूँगा जिन्होंने लगभग तीन वर्षों में ही लगभग 300 करोड़ रूपये से गुहला चीका को चार चांद लगा दिए। मैं अपने विधान सभा क्षेत्र गुहला चीका के बारे आपको अवगत

*** चेयर के आदेशानुसार लिखित स्पीच को प्रोसीडिंग्ज का पार्ट बनाया गया।**

करवाना चाहता हूं कि गहला चीका पंजाब के साथ सटा हुआ विकसित कस्बा है जोकि तकरीबन 50,000 की आबादी के साथ बसा हुआ है। यहां पर ग्राउंड वॉटर टैबल बहुत नीचे जाने की वजह से पीने के पानी की गंभीर समस्या का अलार्म भी बज चुका है। भारत सरकार के सर्वे के मुताबिक मेरे क्षेत्र को डार्क जोन घोषित किया जा चुका है। इस खतरे को देखते हुए गुहला चीका कस्बे की जनता के द्वारा पानी के लिए नहरी पानी की मांग उठनी शुरू हो गई हैं इसके लिए सिंचाई विभाग की गुहला से मारकंडा डिस्ट्रीब्यूट्री शहर के बीच से निकलती है जिसमें नहरी पानी की व्यवस्था तो है लेकिन इसके साथ 10 एम.एल.डी. वॉटर ट्रीटमैंट प्लांट लगाया जाए ताकि शहर वासियों को पीने का पानी साफ व शुद्ध मिल सके, इस समस्या का समाधान निश्चित रूप से हो सकता है। 50,000 की आबदी को देखते हए इस पर विचार करना बहुत जरूरी है जिसके लिए गुहला चीका की नगर पालिका जमीन दान में देने के लिए तैयार है और नहर के बिल्कुल साथ में जमीन लगती है कोई ज्यादा खर्चा भी नहीं आएगा। अतः मैं आपसे पुनः निवेदन करना चाहूंगा कि इस जनता की मांग को पूरा किया जाए।

गुहला चीका में किसानों की एक गंभीर समस्या है कि भारत सरकार द्वारा जो डार्क जोन घोषित कर दिए गए हैं और नए बिजली पावर कनैक्शन मिलने बंद कर दिए गए हैं लेकिन किसानों के टयूबैल कनैक्शन जो पहले लगे हुए है उनका पावर/लोड बढ़ाने के लिए विशेष छूट दी जाए। (क्योंकि पानी का लैवल ज्यादा गहरा होने के कारण) पानी लैवल 200 फुट है लेकिन पानी तेजाबी व खारा होने के कारण बोर 900–1000 फुट तक चला गया है।

घग्घर पार इलाके में लगभग 15 गांव जिसमें दाबन खेड़ी, चानचक, हंसू माजरा, भाटिया, दाबा–चाबा, रता खेड़ा, टटियाना, नंदगढ़, लालपुर, स्यूं माजरा, उरलाना इत्यादि का पानी तेजाबी एवं पीने के योग्य नहीं है इसलिए इन गांवों में से एक छोटी नहर बनाई जाएफ। टटियाना से उरलाना तक जो घग्घर एक टाइप है इसलिए टटियाना से उरलाना तक 15 किलोमीटर तक छोटी नहर बनाई जाए। जब घग्घर नदी बरसात के दिनों में कनारे तक भर कर चलती है तब इसका फायदा 15 से 20 गांवों को मिल सके और किसानों को भी अपनी फसलों के लिए इसका लाभ मिल सकें जिससे किसानों को खेती करने के लिए तेजाबी/खारा पानी की बजाय फसल योग्य शुद्ध पानी पानी मिल सकें।

गुहला में बस सब डिपो की भी जरूरत है। गुहला हल्के में 113 गांव हैं व 50,000 आबादी वाला शहर है। लगभग 70 सैलर, 200 मार्बल की दुकानें व गोदाम यहां हैं। व्यापारियों को दिन रात दिल्ली, जयपुर, चण्डीगढ़ या आऊट स्टेट आने–जाने में परेशानी ना आए इसलिए वहां पर बस डिपो जरूरी है।

पापशर में 33 के. वी. पावर हाऊस बनाया जाए क्योंकि इससे लगभग 10 गांवों को फायदा होगा। इसके लिए पंचायत फ्री जमीन देने को तैयार है और ये गांव जंगल के साथ–साथ पड़ते हैं इन गांवों को बिजली के बिना भारी समस्या का सामना करना पड़ता है।

चीका शहर में जिम खाना कल्ब बनाने की बहुत पुरानी मांग है मैं मुख्यमंत्री जी से निवदेन करना चाहूंगा कि मेरी इस मांग को पूरा किया जाए।

मीडिया कर्मियों के लिए सूचना

उपाध्यक्ष महोदया : माननीय सदस्यगण, मैं आपको बताना चाहती हूं कि सभा में पत्रकार दीर्घा में बहुत ही सम्मानित उपस्थित पत्रकार बंधुओं, मैं आपसे बड़े ही नम्रता के साथ निवेदन करती हूं कि आप के द्वारा विधान सभा की कार्यवाही के आधार पर जो खबरें तैयार की जाती हैं वे खबरें विधान सभा की कार्यवाही की परिसीमा के तहत ही कवर की जानी चाहिए। मैंने देखा है कि बहुत सारे पत्रकार बहुत अच्छे ढंग से विधान सभा की कार्यवाही को अपनी अखबारों में खबरों का रूप देते हैं । उन खबरों से ही उस पत्रकार की निपुणता, गुणवता, परिपक्वता नजर आती है। लेकिन कुछ पत्रकार जो शब्द इस कुर्सी के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाल दिये जाते हैं, उन शब्दों को ही अपनी खबरों की सुर्खियाँ बनाकर प्रकाशित करते हैं जिससे उस विशेष समाचार पत्र की प्रतिष्ठा और इस महान सदन की गरिमा धूमिल होती है । मैं इस संबंध में सभी पत्रकार बंधुओं से निवेदन करूंगी कि आप अपना कार्य एक अच्छी पत्रकारिता के ढंग से करें अन्यथा विधान सभा कार्यालय नियमानुसार जो भी कार्यवाही बनती होगी उसके अनुसार कार्यवाही करने को बाध्य होगा।

जुलाना निर्वाचन क्षेत्र में किसानों की अधिगृहीत की गई भूमि के लिए कम मुआवजे देने से संबंधित श्री परमेन्द्र सिंह ढुल द्वारा दिए गए पत्र से संबंधित सूचना

श्री परमेन्द्र सिंह ढुल : उपाध्यक्ष महोदया, मैंने वर्ष 2013 में राष्ट्रीय राज मार्ग संख्या 352 के अधिग्रहण एवं मुआवजा वितरण की अनियमतताओं की जांच बारे एक आवेदन पत्र अध्यक्ष महोदय की सेवा में दिया था और उनसे निवेदन किया था कि

वे मेरे इस प्रस्ताव पर संसदीय कार्य मंत्री जी को अपनी तरफ से एक अनुशंसा करें ताकि मेरे हल्के के 11 गांव के किसानों को मुआवजा दिलवाया जा सके। मैं आपसे जानना चाहता हूँ कि क्या उन्होंने मेरे इस पत्र पर कोई कार्यवाही की है?

उपाध्यक्ष महोदया : ढुल साहब, मुझे बताया गया है कि अध्यक्ष महोदय ने आपके इस पत्र को संसदीय कार्य मंत्री को आगामी कार्यवाही करने हेतु प्रेषित कर दिया है। उन्होंने उनसे यह भी अनुशंसा की है कि इस विषय को संबंधित विभाग को आगामी कार्यवाही हेतु प्रेषित करें और की गई कार्यवाही से मुझे भी अवगत करवाएं।

श्री परमेन्द्र सिंह ढुल : धन्यवाद मैडम।

उपाध्यक्ष महोदया : माननीय सदस्यगण, अब सदन आज दिनांक 8 मार्च, 2018 को दोपहर 03.00 बजे तक (द्वितीय बैठक) के लिए स्थगित किया जाता है।

*14.02 बजे

(तत्पश्चात् सदन की बैठक वीरवार, 8 मार्च, 2018, दोपहर 03.00 बजे (द्वितीय बैठक) तक के लिए *स्थगित हुई।)